लंकाकांडरामायनप्रथमपत्रा॥१॥

श्रीगणेशायनमः श्रीसरस्वतैनमः ॥ अथलंकाकांडरामायनलिष्यते ॥ दोहा ॥ जयतिगुरूगन
ईसजयजयसंकरजयदेवि रामसीयलछिमनजयतिसुरनरमुनिपदसेवि ॥ सोरठा ॥ करलेसिक
तारामरामेस्वरथापितकियो कह्यो आइयहिठांम जोजनहरदरसनकरी भुक्तिमुक्तिहूंपाइ
है ह्वैहैमोहिपियार भक्तिमानअतिहोइगो पूजिहिसबसंसार दोहा रामेस्वरपूजनलगेवि
धिसोजबहींरांम रामहिंईस्वरमानिहरहरषितभेतेहिठांम २ चोपाई रामईससंकरकहंमाने
महांमोदअपनेउरआने हरिहरहरषितकरंहिंविवादा नजिनसकेदूनोमरजादा मानिसां
मनहिसंभुपुजाये पूजिरामस्तुतिआनदछाये ३ पुनिहनुमतपरासुवरचदे लषनअंग
दहिचढिसुषमदे ४ चलतरामभरिसमरअनंदन चलेकूदकरिजहअनंतन ५ येक
येकपरकपिवरधावहिं उडहिंव्योममेजेपंथनपावहिं ६ सघसेसेनहिसभरनठहा ओरै
आयेबहुतगरहा ७ लेनआगरीरंनकेकारंन पेलहिंजोरकरिसुभटहजारंन ८ दोहा

नगलनेहे कोउकपिकहहिं गिरहिं सिंधुमहँकोइ नहांप्रसोकसमसहीं निकसिषारकोउहोइ चौ०
जद्यपिपिसनिवलकपिजाहीं पिलेजाहिं उत्साहहिमाहीं एहिविधिजगिनिनभटनरिगए
पुनिनहँचलनविभीषंनभए मंत्रिनसहितआयुधनधारी संगलियेकपिजुथ्यपभारी
पुनिवरभटसोकोटिकसंगे रंग्योकेसरीरंनरसरंगे दत्तिनवगलचल्योपालतभल
वांयेसनवलिअनिवलनलयदल ५ पालेंहिपीठिसुषेनभालुपति दललेवेगहरसहृ
अतिमति रंमहुरमसप्रजंघदरीमुष लेदलरत्नाहिंचहुकितनभरिसुष मधिसुग्रीव
रघुवरओलछिमन आगेपीछेवहुकपीसगंन छंद एकरकारहे जलजीवप्रभकेदर
सओनैंदमैमदे नहिमिलिजवनहेंवादितवकपिझुंड उतरेतिनचढे कोउचढेसैलनच
लेषवनचहूंकिनव्यूहंनकरे जोजेंनदसकभीर ब्योमसततहिसिंधुमहें संझ्रसेभरे दोहा प्र
भुकोअम्भुतकमलषिदेवनकरिजयमोर वरषिसुमनहरषिनहियेनिरषंहिराजकिसोर

चौपाई यहिविधिरामपारजबगये सेनसमेतनषडेजहँभये ऊँचेचढिदसकंधहुँदेष्यो दूतसा
गरकरिदललेष्यो मंत्रीसुकसारनहिंबुलाई बोल्योतिनसोंउरअकुलाई सेनसहितहोउर
सरथजाये पतिदुस्तासमुद्रतरिआये उदधिमहँसेतैरचिदीन्हो असकोउकरिहैनहि
कोउकीन्हों कपिसंष्याहितकपिननधारी दूतोजायहुसमयेविचारी जोधनकरबलबुधि
विसेषी नीलिसकलदललीन्हेउँलेषी रामलषंनसुग्रीवहिं देषी उनहुनकाबलबुध
परेषी दोहा सेनापतिकोकहहितहंकोनदसाममभाइ यहसबआवोजांनिकैं तुरतन
होतनमजाइ चौपाई सीसनाइकरितैसाँहिंगये सैनअसंष्यविलोकतभये गिरिनतरुन
छितिपुलिनहुंपूरन सागरिबागहुपूरनमूरंन अरननहरिनसिंधुनरदोऊ भरेसेनप
रसेकपिकोऊ तिनमनकहसंष्याकेलायक नहिंहैयेकविनायकनायक महांअजीत
सेनयहअहई सूरसबसोजोमनंनचहई असमनगुननफिरतचहुँवोरे निरषैंहिंभटन

त
महँतनधोरै चीन्हिविभीषंनकपिनवुताये सनहिंनरलहिगहिलेआये तिनहिलेराइरामपढि
गगयेउ सीसनाइलंकापतिकहेउ दोहा रावनकेपठयेहैसुकसारनहैनाम पुनिदूतंनकरजो
रिकैविनतीकियतिहितंम सोरठा तुमदयालरघुनाथ निषिचिनभयेहमकपिनतें ५८ सौहेद
समाध इतअहैरहपाकरहु चौपाई तिनसोंहसिवोलेकरुनाकर सुकसारंनतमकहेंअव
नहिडर लषीनहोइजोसेनविसेषी संगविभीषंनआवहुदेषी जाहुविभीषंनइनहिले
जाई सवममसेनादेहुदेषाई दूतनसोंपुनिकहमुसकाई मोहिमारिहैप्रभुहिजाई
हरिल्यायेहुतुमसीनहिंजोहिवल सोअवनिकसिदेषावहुलेदल वहुदिननैंसंचितहिअ
मरषा तुमपरछोंडिहैसंगसरवरषा असमंदेसमुठसोंकहिदीन्हेउ तेसुनिविविधप्रना
मनिकीन्हें सवसेनालषिलंकहिगये कहतदसाननसोंअसभये दोहा हमहिंविभीष
नजांनिकैआतुरदीनगहाइ दुषितदेषिकरुनायतनरघुवरदीनछुडाइ चौपाई म

हानेजपर आतमअहई जुरिनसकेकोऊ जोधजुग हई बहहिंसकलजगजीतनंनलायक
चारिवीरयेनिसिचरनायेक एमलखंनसुग्रीवविभीषंन आैसभटकोउअभुवंनदीषंनअ
आैरोकपिभटनुमहिप्रचारे येकयेकजेलंकउपारे पालितहेसुकंठनेसेना गुनिहेंएमल
खनवलसेना सुरहुअसुरनिसिचरजेरिलरे अनलज्वालसलभहिसमजरेलंवोम
नजोजंनइसविस्तर संगसेभरेमेननेतेहिंकपिवर वहकोटिनभटगारनपावहिं खेना
पवहिपारहिभोवहिं सेहा उपवनवनसेलनसकल इनकपियहिपार सेसनसंख्या
करिसकैगनेजोवर्षहजार चोपाई महावलीमनसवउत्साहिन तुम्हेरमारनमाहउमा
हिन हमजानेनिसिचरअवतंसा छनमहंकरिहेलंकविधंसा तानेउत्तसीपतुमरेह
राखिअपनपोकुलजनलेह कोधितहेउनिकहोरसाचन कवसोपेउमैतुम्हेसिषावन
सवजगजुरिजोमोहिसिखावे तऊराजसननरहिसिपावे वमनोकपिनविलोकिउतामे

नातें करव सो मम मन आनै त्रिभुवन समर कौन सम अहई मो सों रन महँ जस जो लहई
अस कहि तिन सें गऊ पर गयेउ दूजो विद्रव सो चिंत भयेउ दोहा ३१ घिरि दीप सव आ
पनो लष्यो भेर कपि वीर १ कम तारँन सों कहत भो कहु तु धरेउ उर धीर चौपाई २ न महँ मु
ष्य मुष्य को कौ है वल हि अपरामित कपि जो जो है कौन कौन है जाये रवन माहि ल
सा वरु है निर भै मन ३ नहि सुकंठ मंत्र कछु काको ४ निकुरम्भ करहिं प्रिय जाको
सा रँन कहौ लषहु येहि वोरा ५ रह जो व गेव डोलन न वोरा निज धुनि सो सव लंक कंपावै
नील सेनपति अति वल भावै ६ सन तहजार ज ष्यप येहि सँगे ७ अगिनि सुवँन रँन वष्ट सोउ
मँगे जोय रत च्छु पनी वाहन भीजन ८ लषि लषि लंक कहि रहन न पीसत्त विजय समा
पत कपिपति केरो लीन चरन तनु मसो भरमेरो दोहा कंज किंजल्क सम वरन लंक हि
लषन जंसोन त त्रि विरा वि निज चरन सो धरनिं कंपावत जात चौपाई १ रकत्त जेहि

लंगूरहिंधरतो प्रतिधुनिदिसाधुनिनअसकरतो यहजुवराजबालिसुतअहई पितुसमवली
सवेयहिकहई कोपिनपोछेरजहिंचलावत तुमकहंहितसंग्रामवोलावत गिरितनसत
अरुअठहजारा ओदसकोटिकवलहिअगारा येजुथ्थपसनओरहुदेषी सुरमहा
वलसवकहंलेषी जुथ्थापजुथ्थपसतननामहैं अदनचलनतुम्हारधामहैं यहप्र
सिद्धकेलासमाना अतिश्रीरतनमहांवुधिराना सेनविभागकरंतनपपाही जानव
डेउत्साहहिमाही दोहा नदीपुलिंदातीरमहें अर्बुदगिरिअभिराम तहंकेराजाअव
दंनकपिसंगकुमदहैनाम सोरठा सुग्रीवहिंनिजवेन सदाहंसावनरहतहैं परमसुष
रसुखेन परमप्यारहेरघुपतिहि दोहा सौकहजारकसहसकपिजुथ्थपजेहिकेसा
थ्य निपुनप्रहारनिआतिवलीनलयहजुथ्थपनाथ चौ० कीसईसकामंत्रीअहै को
पितजमसोंजुद्धहिचहै दीरघकेसलंगूरहिवेसो जेहिंअकारपंचाननकैसो रव्योसे

नहे परम प्रचंड सुनविसव मोको परिवंड उनि एहसिंहसरिस जो अहई विन्ध्य कल्प सहले
गिरि रहई और कुरुलेम गिरिहु विहार करन वेगवल अहे अगार जुथ्थप ऐकलाख सो तास।
महावली है संग एहि कीसा हरषित अपनी से नहिं संगे लेन चहन तुम सो एहजंगे ७
रंभ नाम एह जुथ्थप भारी महावली भूधर अनुहारी दोहा देखहु एत गिरि चंदसों रहनहार
रनधीर निरभय भय भारिहु परें नजतन जुथपवीर चौ० एक लाख चौवालिस कपि
पति एहि के संग रमस एह वल अति एहो सैन अपनिन संग चैहे मारि लेम हीलंकपातिका
है। जोयह नीर दई बन भछावे कपिन मध्य सुरपनि सम भावे पारिपत्र परवत को वासी
सरनु द निपुनै वल रासी कोटिक औदस कोटिक वीसा एहि के संग है प्रवल कपीसा ८
दुर्मिख रहे पनस लहि नामा जुथ्थप नपति है वुधि वल धामा जेहि के संग कपिहिं कपि सोरा
महाभयानक अनिवर जोरा वासी दरदुर परवत को है वेठाइ सासवि नासो है दोहा इस
कोटिक कपि जुथ्थप पति एहि के संग वलवान जुथ्थपन जुथ्थप विन नएह महावली

लंका
५

गुथजान जाकोरविसमञरुनमुष कोधीअरु नहिनैन सोहजारऔसाठिहैं अतिवलताकीसेन
चौपाई घंनसमसिलालिषेसवमोंवीहं उत्साहितरंजनुमहैवुलाषहिं जेरुगिरिसमजामुसरी
र अतिवलअतिवुधिअतिरनधीरा वीररूपअतिवीरहिगरजन कोपिलनुमरेरामुहितलो
न जुथ्थपनकोजुथ्थपअतिवीरा ग्यारहसहसकोटिरनधीरा हैंएतेसंगएलागैंविराजे
देषीस्वामीगयएहराजे एककोटिसत्तरिभटकीसा एहोवलीअतितिनकोईसा जुथप
जुथ्थपअगिनितऐसे धरेसुरीरगहलवुहुजैसे दोहा डरजय अतिवलएसवेगरवितअ
तिरनधीर देवरजजहुंनसोलरें एककएककपिवीर चौपाई छोटेहुकपिजेसेनामाहीं अति
वलअहैनेकभयनाहीं एमकाजननेनमनहिंलगाषैं अगनितलसंहिंलंगरउठावैं के
सनजुतलंगूरलसेहैं रविकरजंनुछविनिफूलवसेहैं एहभुजनतेयेचलअसधरनी अतिवल
हेअहमतएहिकारंनी कोटिसहस्रकोसंगचले जेभुजवलभूधरगंनमले केसताल
अनलहिकसज्वाला ननसुवानगिरिसमहिंविसाला हेमग्रीवैंकरएहसारै जीनंननुम

राम

२ कहकँत विचारै जे ये मेघसरिस कपि स्यामा अभय पानि पन जुध वल के धामा दोहा अति को
धित संख्या रहित लखें निसिंधु तट वास अहं हि राज हिं महं निरत दुरजय भरे हुलास चौपाई
इनके भूपति ये होउ लेषहु भीम दरस धूमाक्ष परेषहु धूम्राक्ष पह रित्त सो हा सो विधि सों रित्त
राज पद पायो जो यहि के आगे यह लषहु अति वल या को भाई वडो वलहि अधिक वपु या प्रेम
माना अहंहि मंत्र महं परम सयाना जामवंत ये हि नाम हिं जांनो वहु जथ्थप कर भूपति मानो
केरिल षहु ये जु गुल्ल वीर वर कांमरूप नन सेल स द्रुम धरि जुथ्थप नपति ये दूनो जोधा जु
द्ध निपुन अति धारें क्रोधा इन को दुविद मयंद हि नांमा जिन लिये देवासुर संग्रामा दोहा मा
रि पिसाचें नन निसिचर नह राषित रन जे पाइ अपने भुज रउं नष लन सुर पति लिये रिझाइ छं
द पद्धरी जेहि लषहि कीस लेसि ला साल पहु जब्ब्र वीरनन अति विसाल कपि कोटि सहस
कर इहि ईस आप हुं अति वल अति वीर कीस जोजंन भरि चौडे लषिय जोन ऊचे त्रि जोजंन नर
लगोन संनाद न या फो अहै नांम जे एक नसों करि संग्रांम लिय जीति ताहि इन पैफ आप

हैज ष्यपपतिमहंवडोपाप ओपरमवलीअतिसमरधीर हैअनलपुत्रएहकपनवीर गंधर्वसुतासुत
वैनवीन जुधमहंवानवसमकर्मकीन जोधनसमगरजनवनहिंवनै रनडजैपचाहतदलनदनै
एहिपदुमकोटभटअहै संग हैइंद्रजांनवासोउमंग एहप्रथमजष्यपतिवलअगार संगको
सअहैस्तसैहजार एहविजैअजैउत्साहधार आपुहिजुधिचाहतनुमसोंमुरारि जेलखियएक
पिनजनरअतमेहं नभरहीपूरिहैजहांघेह छंदगीतका एकलाषसैसोकोरिसएकपिसंगग
राक्षविराजई एहरततमवरनगिरिहिअतिवलकेसरीअतिछाजई हैअमितभटएहिसंगस
वरनरंगरनहिंउमंगके अतिविकटनषअरुदंनअतिवलवंनजीतनजंगके दोहा वायुवे
गिभटअतिवली संगएहिकोटहजार कांमरूपहूंतरलअतितेजरुवलहिअगार महांभी
मैहैंशैलएहिनाराषितासुषेन एकहिआपुहिचहतहैंतुमसोएहजधिलेन चोपाई
कोटिहजारभटनसंगलीनै एहसततवलिहमनअसकीनै जोकपिपतिकरआयसुपाऊं
लंकहिघोरिसमुद्रवहाऊं वलीविधवासीकपिजेते अमितअहैवरनोकिमितेते वोसोस

कहुनिसाँगवांनी कहहुसैनजोआपनजांनी दुरदव्वननसमजेकपिघडे नरलवलीहैंसुरोव
डे कांमरूपअतिनिपुनप्रहारा नौवंदरअनुकोटिहजारा संकुसहसडोअरवुरसतसे अतचौर
ये हकपिहैं विनदतसे वासीये किस्किंधाकेरे कपिपतिकेसंचिवेंनिवेरे दोहा अपनीवांहनके वुले
मरदंनचाहतलंक देवदनुजगंधर्वतुंनकेसुनअतियेवंक अमरनसमरेरुपजिनअमोपिये
वुलवांन वुदिनविधिहकहेंवलपरम द्विदमयंदरनजांन सुकसषदुरमुषसुतवीरहेउ मीचसु
वंनसमनताहि दसकोटिकवलवं नकपिभीमअहैंसंगमाहिं चौपाई एककपिवरआगे
ह्विजोआयो महांवलीलंकाजेंहिंलायो सियसुधिकहिदलसंगफिरिआयो पावंनके
सरीसुवंनसुहायो नरनिहिंषानफलेरुमिलाले हंसोवज्रवासववयुवाले दूटरदनहनु
मानकहायो सवदेवनसोंवलुवरपायो एककपयवद्धिडोपोरुषजाको अतिप्रियरामकर
नैसेपाको येअरविंदनयनरघुनंदन जिनपदलायकअनुभवनवंदन अतिरघुसतकुलधर्म
धुरधारी अतिसुंदरभुजवलअतिभारी अस्त्रसंहारसहितसवआवे रावंहिंचांहैंहिंजगहि

नसावै दोहा जुद्धनयनसम क्रोधजेहिं नहिं नसम रिकुवारि अहंहि पराक्रम अमितजिन्ह साय
कइरहिं निवारि चौपाई जासुनारि तुम हरि लै आये सोई ये उरको पहिछाये हृपपराक्रम
अकथ अनूपा रामनाम घनस्याम सरूपा रामदाहिने जो पह राजत कुंदउवरने रंग नत नथा
जत कुटिलमोह लोचन है लाले थीनी कटि उरभुजा विसाले लछिमन नाम एम लघु भ्राता
अदभुत सत्रुमहं जग विष्याता अति कोपी चोपी रनको है पालि हियराम राम हिय सो है
कोपित जव धारै धनसायेक काहू के नहि जीतन लायक चहै तो सरनिज त्रिभुवनजारै
उदित अहै निसिचरंन संघारै दोहा पहजो वाये राम तुद्दं वंधु विभीषंन धीर जात हिंस
रनहिं लंक को तिलक कीन रघुवीर सहित ननिसिचरन के निकरनिरत नाथ के काज म
ह्री भोरघुनाथ को मोदित अति लहिराज येक समय विपिन यन महं परी किरकिरीनेक
सो गहि के की भूमि महं सम गसनाभे येक चौपाई अतिसुंदरी जो को उवहिजो है ना
केरूप हिम तं स छिमोहै रविलछिमन ने किय आलिंगन फेरि कह्यो नेहि सो प्रभु दिनमन

ता

हमरे नेजहि न नय अजीता ल्यै है मम्हे सहित नपुनी बाँधे करपरसो मुरनायेक कह्यो फेरि सुनहु है

लायेक होई सोई कपिन कईसा असकहि गङ्ने भये नसुरीसा केन्स हि कीस रिस्हार जबरी तिन

के संग बहु आनंद भरी बासव अंस हि बालिहि जायो सविता अंस सुग्रीवहि पायो ते बालक

इनो वर पाये लै कपिनय किस्किंधहिं भाये दोहा बालि निकासो बंधु कहँ ताकी तिय हरि लीन

राम परात्तम बालिहि हनि राज सुग्रीवहि दीन चौपाई सो सुग्रीव ओनु बल छुभाई भांषत रहँ हिंमं

त्र जय पहाई सो हैं हितें न मन अरपन कीनें निज निज सुभट सेन संग लीनें तो लछिमन के

निकटहिं छाजे सो पह अहै नाथ कपिराजे है अजीत बल तेज हि धाम अतिसय चक पाके

रँहियहि राम पहिरैं कनक कमल की माला मनहुँ हेमाचल डील बिसाला आपु अके सें

हिं जीनन कहई प्रभ सासन से नात संग अहई जुथ्थप पति पे बल हि अपारा उद्दित नमपर

करन प्रहारा कहं लोक हीं सैन समुराई सष्ष मष्प तब बरनि सुनाई दोहा मंत्री नै वासान

लंका
२

है पांच संचिवेहें बुधमान तिनमहं मुख्य हिं जांनिये जांमवांन हनुमान चौपाई प्रभु अब सो ई जन नवि
चारो जांनें तुम मनहिं प्रन सन हारो निरखि सेन पुनि तिन कौ बांनी रावन कही बात रिस सांनी
दल ते आये तुम मम सपागे हं मर्हं कहं डर रावन लागे प्रहस्त उचित नाहि है सचिवन सत्रु प्रसंसा
करि बोल्यो न भून अस कहि बहु विध निंदे तिन कहें आरोपे उत्तु हास्य निदल मह पुनि करहुं
महो[illegible] लायक मारन हनो न गुनि पूरव उपकारं न सत्रु प्रसंस कस अविचारी लाग
हु रावे गहि पुरि तुमारी पुनि कटु वचन गवन तिन्ह कीन्हे एम निरखि भेद पहिलीने दोहा
पुनि विमुख आसा दून है पठये निसिचर एक अंतरध्यांन हि हैं दोउ वगे वांहनी आइ चौपाई
हैं विभीषन हुं अंतरध्याना पकरि मारि छोडे तिन्ह प्रांना लेन उ सांसल लंक फिर आये वंदर से
न पुवेल बनाये हंसि पूछे उ तिन कहं दसकंधर तुम कहं उचित कीन बहु बंदर सेना मध्य जा
न न हि पाये बीच हिं लहि दुष फिरि तुम आये सो सुनि सार इल हलकारो मंद मेदन हं बचन उ
चारो हरि दल उद्धि न नांकन लायक अतिबल सावधान कायि नायक पुनि सो जांने

राम

तुम्हभाई जानै सव कहं हैं नवनाई हमहूं जानें हिं नहें धरिगये पीडित वहुन कपिन ने भये दोहा मूंछकेस
नेरहित्तकिय चपलकीसवहुमारि रामदयालछोडाइदिय अतिसैदखित निहारि चौपाई ओनहि
हेआतुर रघुनंदन कपिगनपूरनपुरगिरिवंदन करहुमंत्रसीतहिचलिदेहु कैदलसैसंनसुषरेन
लेहू रावनकहउत्तरिजोजगआवै नऊनमोसंनसीनहिपावै करिसंछेपहिमंत्रिनवरनो सुनिमै
करिहैंजोकृष्यकारनो तिनकहरिषराजजंमवंता वालिसुवंनअंगदहनुमंता धन्वंतरिसुनन्नसुहै
सुषेना ससिसुनसोमिचहैजुथलेना दधिमुषसमसुषउरमसहुनामा मित्रजवेगिरदरसअनि
रामा नीलसेनपतिअनलहिजायो महावलीअतितेजहिभायो दोहा सुनअसुनीकुमा
रमैंद्विदमयंदवरवीर वैवस्वतसुनकालसंमपांचअहंयरनधीर गयगवाक्षगवयोसतमु
गधमादनवलवंन अतिकोहाअतितेजपुंनमहापराक्रमवंन चौपाई रविसुतदधिमुषसे
नहिजानो वरुनकुमारहेमकुरमानो विसकर्मासुतनलयहवीरा जेहिवांध्योसागरगंभीरा
यहिविधसुष्यसुरनसुतकीसा अतिवलदसकोटिकदससीसा हैयेजुथ्यपजुथ्यपनायक सै

रनसंग्रामकरवेलायक मैसंछेपहिंसंचिवेंगनाये भाखेसाईकरहुसुखपाये ताहीसमै सोचउछायो
मालिवंनमानामहंआयो कहेसोसुनहुमनरेममकहेयो फेरिकिहेहु रावनचितचहेसो जवहीनें
यहसियहरितिआई तवतेहोहिंअसुभसमुदाई दोहा करंहिंभयानकसोरघनखोगिनिवृखं
हिंतान प्रतिमारोवंहिंलिंगसिवउसलिजलहीनजात काटेररछोरेकचनहंसतिकालिकोआ
इ मूसविलारिनसोंलरैजनमहिंगररभगाइ चौपाई कालकरालसवनग्रहआवय पिंग
लभरनहिरूपदेखावय असउतपातअनेकनहोवय जेआपुहिंकुलहिंखोवय तातेसीय
रामकहंदीजे राखिअपनपोकुलअवलीजे नारायंनपररामहिंजांनो तिनपरद्वैषनमन
महंआंनो जिनकेचरनप्रीतिउमकरिकी हरषंहिंमुनिभवसागरनीरितरि तातेतिनके
पदउरराखो दुरलभपरमप्रेमरसचाखो जद्यपिउराचारतुमताता. तदपिउनेहैताखलधुताता
अतिदयालप्रभुसकुलतारिहैं तुम्हरेसवदोषनविसारिहैं दोहा एतसकुलमहंजेठहोमां

नहुंकहसोहमार तातदेहुसियरामकतंराखिलेतुपरिवार चौपाई कालविवसएरावननहिं

मानों सोहितसुनि बोल्यो रिससोंनो मनुष हीन पितु पद जेहिं मुनि हीं दीन सहाय कहरिनि
रगुन हीं इमि रामहिं समर थकि किन्हों नेहूं विविध भांति करि तिन रखि बंधो नेहूं उन तिनके प
छपै धो आये बूढ भये धो ग्यान गमाये फूटि गये धों हिय के नैनं ये कहहु अज्ञान हि के सेवयेन
यें दस जोंनि सयस तेउ तुम्हारा अस कहि गवनेउ चित्त अगारा नांच देखि पुनि सचिव बुला
ई मंत्र करन सब रैनि बिनाई संग प्रहस्त कटक बहु दीन्हें पूरुब द्वार पाल कहि कीन्हें होला
महंपार सहि महोदर रहि सो पैउ दच्छिन द्वार तिनुहुं न संग भट देख भो अगनित बलति अगा
र चौपाई धन नार हि दे अनी आपारा सुख सो सो ये उपच्छिम द्वारा सुख सारं न संग बहु भट
भारे रावन भो उत्तर के द्वारे ने ती द्वार आप हूं रहो विरुपाक्ष सों पुनि अस कहो सावधा
न मधि उदि: पाहीं तुम हूं रहो सेन संग माही चहूं कीन ओरो सेन पठाई वे ठोन्त सर्बदा
पुनि जाई इहां रांम सेना संग लीन्हें लंक विधंस मन हि निज दीन्हे जुत सुग्रीव सब संचिव ह
बूं बुलाई लागे मंत्र करन दोउ भाई सुरतु अंगु कहले कपु जोता कहहु जीत का मंत्र पुनी

लंका
१०

सुनत न विभीषन वुद्धिवर अति प्रवीन मय नाहि रघुरहित रावन अरिन कहत न मसोमुख माहिं चारि सें
चिवं मम विहंग है लंक कहि आये देषि चारि हु दानिन की षवरि वरनी विसद दसि सेषि चौपाई पुनि
कहअगनित हय गय स्यंदन प्रति तहँ लंका रघुनंदन ऐक ऐक जे देवं नरनजन जीति लियेहैं
सजहिं करि रन सत कोटि कदसकंध यिसारे औरो वीर अनंत निहारे साठि लाष रावन नाहिं
समाना विसि चहैं प्रभु तन वलि वाना तुम कहँ नहिं रवान अहौ लंका कौ रिषवरि में क
हौं अपने तेज हितु मर घुनायक हे त्रिभुवन के जीतन लायक चारि खूरसीनेहं दसकंध
ने सहित करहिं वली सव वंदर पुनि विधि सौ मारिय प्रभ रावन सुनि वोले प्रभु सत्रु नसावन
रे रहे प्रहस्त सेनाधिपति सेन सहित ते हि वार नील सेनपति लरहिं तहँ लै दल अति
हि प्रपार महँ पार सुमहो दर लु रहित वारे माहि अतिवल रलले संग नहँ अतिवल भ
गरजांहि चौपाई दै नत नत वनके रजितैया पीरा सुरनासनि नंदै वेसा पतिम द्वार इंद्रजित

राम
१०

रहई मायाबीधनधाअतिअहई अतिवलदलवहुलैनेहिवारा रहैकेसमसहिपवनकुमारा
उनारावनसुरइखबरहाई सन्मुषरहिहैमैजुतभाई जामवानसुग्रीवविभीषन रहैहिमधम
हलैकपिभीषन असकहिमंत्रहिसेनसम्हारे चढेसुबेलहिहरषिषरारी बोलेनहिगि
रिपरप्रभवैनै भईसांझिवसियजनचैनै सिविरविचित्रकीन्हसबवासा रामसंधकरुभरे
हुलासा दोहा नहनैनिरषीलंकसबपरिषापरमगंभीर रकवाभारीकनकमयलस
हिभरेरंनधीर छंदतोमर अतिगुर्जअहंहिउतंग नहजंत्रलायकजंग मयलोहलसैं
कपाट वहुद्वारसुभटनठाट गिरिसृंगधरेदेवाल वहुलसैंहिमहाविसाल वहुरजतकंच
नधाम हरगिरिमनहुअभिराम अतिलसहिविपुलपताक जंगअहंहिपातिवलाक
वलवंतभटवनताँनि जनसोइहैवहरानि चतुरंगिनीवहुसाजि निसिचरगरजिजनगाजि
वहुरजनिचरवरवंड जनस्यांमसेघउमंड तिनदेषिकपिगनमोर मनहाषिकीन्होसोर
पुनिअस्तभेदिनईस भोउदयसउउडीस प्रतिविंवजलहिलसार जनसिंधुसोमहि

आर धीसीसमित्रहिगोद पोढप्रभुजुतमोद फेरनदहुंनकरवोन चोपतचरनहनमान रघु
नाथचंदहिदेषि अतितापकरीनेहि लेषि सियसोकपुनिकछुकीन पुनिचापकरगहिलीन
सोरठा सुनीपरनकहंगीत पुछेउप्रभलंकेससो कहोसतिपदरनीन नाचरागदेषनस
नत दोहा छत्रचमरकुंडलमुकुरनषनारंकवितान दसरथकोरंनवांकुरोहतेयकहीं
वांन भेआचरजित्तसवसभामरमनकोउजांन वानवनाइछपाइउठिएवनगपोलजा
न चौपाई येहिविधिसांसवरेनिवितोइ चलेफेरिसवयूहवनाई करनमनोरथनिज
निजजीके देषनवनओउपवननीके नरुननतिफूलंहिफलहिसरांही सरचोविधसर
सिजजिनमाही मधुकरषगकुलजहंधुनिलाये विलसंहिवननंदनहिलजाये नालरे
ननालनकपिनेरे तिनतेकेलिथलनबहुफोरे धावतअतिजवलंककेपाहेहिं महारेन
नभमंडलछावहिं चहुंदिसिकेवनजीवपराने पुरिनरजनिसिचरअकुलाने लघ्योति
कूरकपिनसहुलाते जासुमगलागेआकासे दोहा मनहुंअगमगीरिअंचअतिमे

दित नरुनति माहि ताके ऊपर लंक जहं अति निसंक षल नांह चौपाई जहां पत्ति हुं न की
गति नाहीं मारग ड्रगम अति जिहि माहीं विसुकर्मा अपनी निपुनाई सव विधि तेहि पुर मांह
रषाई सो हत गढ तेहि गिरि पर कैसे सांझ हि सांझ नव्व नन भजे से तेहि पर रावन महल वि
लोका अति विसाल मंडित छवि थोका तहं सोवरन तहं मनी कोट है अति विचित्र म[illegible] नि
मय मन मोहै ओर हु ग्रह सव न मय रेष वरसु मेरु गिरि षिर न सम लेषे विविध भांति के
आयुध धरे मतां वली तहं निसिचर भरे परम उच्च प्रासाद हि माही तेहि रावन छत्र हि छाहीं
हीं दोहा श्रिंग त्रिकूट हि समल सत चौंर चलहिं चहुं ओर सेन वलाहक है मनो तरल पवन
के जोर रक्त चंदन हि लिपित तन कीन्हे भुषन हुं लाल सव वरन सत न रचित पट छोर न र
तन न जाल दसन द्योत न तर दन काल दंड हरि चक्र छत चिंन्हित उर अति लसत वेभ
व्रजेहिं मनसक चौ॰ वीस भुजा दस सिर अति भारी लसहिं किरीट कुंडल निधारी इमि
निसिचर पति कपि पति देष्यो नि च्चै मन नाहि रावन हिं लेष्यो प्रभु द्रोही गुनि मो अनि को

धा कूदेउपटकिलंगूरहिजोधा मोनिसंकरावनदिढदो प्रवलवीरवीरहिंरसवादो रहो
मुहूरनिआंविमिलाई निरभेलखिवोल्यो रिसिहाई सुनुसठनाथलोकरघुवीरा परम
धनुर्धरअतिरनधीरा तिनकोदाससखामैअहो तिनकेवलमोहिनहिमैकहो तिनहीं
केवलभ्राजुदसानन नहिंछूटतमोसनजुनप्रानन दोहा असकहिचिनुसमलेलखिनेहि
पर्योसीसमहंजाइ मुकुटनगहिमहिडारिदियकीसईसरिसिहाइ चौपाई अतिको
पितनवरावनमथो कचरोमानोनत्तकगयो कहोसुकंठकंठदिनहैहो अवअंगदहि
जमसरंनसिधैहौ असकहिकैगहिकैदोउवांहीं वलसोषलपटकोमहिमांही उछ
लिगेदसोपुनिकपिलपट्यो रावंनकहंपुनिपुनिहंनिदपट्यो लरहिंदोऊअतुलित
वलजोधा गनहिंनहंनहिंदोऊकरिकोधा दीरघतनस्वेदनसोछाये लरहिंदोऊअंग
अंगमिलाये मोनिनसोंउनहुंनअंगलाले किंसुकजुगजनुसेलविसाले कोपिनदंतन
नखनविदारै यपरंनलाननगांठिनमारे छंद यपरंनहंनाहिंकरिकोपिअतिरंनचोपसों

दोउ लरत नहैं कपिराज निसिचर राज अतिबल विपुल छल बल करत है दोउ गिरहिं पुनि उठि
भिरहिं गोपुर भूमि मरदहिं जान सो दसकंध सो जुध करत कपिपति लरत रवि जनु वान सो
सोरठा जुद्ध करत एहि भांति रहे दंड द्वै भरि दोउ फिरहिं नरंग महँ भांति गिरि कोटि वाँ वाम
धिहिं दोहा भ्रमि जन महुरत एक दोउ वोट किरहे वल खोन पुनि लपटे दोउ मेरु वोकन्जाल
सेल समान चौपाई भुजंन भुजंन पग पगन लपेटे एक एक कहँ चहँ दिसि पेटे झेलहिं
दोउ अति भरकरि जोरा लरत मनहु गज सिंह किसोरा जानु पानि अरु सिर भट भेरंन
देहिं दोऊ कहँ दोऊ दरेरंन करहिं दाउ दोउ दुनकुँन फेंकैं जानु पानि गाहि न सोटकैं लरत
जुदे एक हि संग गिरै पुनि संम्हारि दूनो उठि भिरै एहि विधि करहिं दाव वहु नेरै करहिं
चार प्रकार घनेरै जुद्ध निपुन दूनो अति अहैं रन उत्साहित भ्रम न नहिं लहैं मंडल करैं
हिं कहूं दोउ छूटी लपटहिं भट कहुं मुठ कन कूटी छंद गज सुंड सम भुज दंड दोउ वरि
वंड तरल चलावहीं नल लान घान हि मोर सो पवि पात सो रल जावहीं दोउ जनु सुमेरु अति

जान हरि वेप्रान हि न घात हि करै छुटि जांहि यमि जुरि जांहि अति वल मार जारंहिं रवल रैं तो०
गत प्रत्यागत करहि कहुं तिरछे कहुं ह्वे जांहि कहूं करंहि मंडल दोऊ लरंहि नेक भय नाहि
चौपाई कहूं वक्र ह्वे करहिं प्रहारन छय किउ चक्रि दोउ करंहिं निवारन गवन हिं न रलमं दग
ति कहूं फिरहिं वांह गहि कहुं दिसि चाहूं धाय विकल ह्वै भ्रमहि निवारहिं पुनि दोउ कोपके
पिउ हि मारहिं करहिं घान कहुं घान वचाई हं न हि पीठि वगल ह्वै जाई विकल घात यक
युक निहारी जुद्ध महूरनि रहि निवारी फेंकैं कहूं उठाय कूलन देहिं कहुं कें अंगुठ नहूल १
न अक्कि अक्कि कहूं डेउ चरन उठांवहीं करि प्रहार पुनि दोउ बचावहिं षेचन हित कहुं कें
कर गहहीं उर महुं पानि घांम्हि थाम्हि रहहीं छंद कोउ करंहि चान प्रहार पकरहिं चरन ग
हन न पावहीं अति लरहि अतिवलवान दोउ निज चरन भूमि कंपावहीं कहुं लरत जांहिं राम
अकास कहुं लरि भूमि षुद उन सोहैं अति क्रुद्ध दोउ विलुध्ध ह्वै नृग्हि जु हुमंसु छलवल करैं १२
सोरठा गिरत न धीर कपीस घलछल नवल सवके च कौं थकि न भयो दसशीस अ समर

यहि आपु हितु मैंो चौपाई मायाकरतरावननहिंजांनी कपिपतिगाजहंसारंगपांनी छलिन
भ्रमितदेखेनरराजन रामहुंलख्योमीननिजपावन कीरतिमहांजुद्धमेपाये सोमितसकलअंग
वहुघाये मीतहिंमिलिपुनिवोलेरघुवर नैननजलभरिगहिकरसोंकर अहोमित्रकरिसं
त्रनलीन्हें अनिसअनुपमसाहसवडकीन्हो राजनकहंअसअहेनलायक जसकीन्हेंतु
ममकेरनायक मेलसहितसंदेहनितमकहं नाजिकरिसारसमिलनगयेतहं अैसोसाहस
अवनहिकरीयो हमरेसंगरहिजुद्धअनुसरियो सोरठा जद्यपिवलहितुम्हार मैजानतसम
रहैो लागेजमहिअवार प्रनमैसेनामधिकियो दोहा मित्रहिविनसियवंधुसवहेतुंहुहम
विनुकाम आनरजुनमेलोककीराजितुनहिअभिराम सियहिछीनदसकंधकरेसकल
सदलसंघारि अवधानिलककरिभरनको देहोंपदतेंनजारि चौपाई सुनिसुकंठकरआतिअ
नरागी मोसेमनाथअहेकोभागी नवद्रोहोइनैननदेषाई मोसोप्रभुकेससहिजाई
लषिकोपगहिमेरीमतिहरी मंत्रकरनकासथिनहिहरी आपहिंविनपूंछेमेगयो छमहु

महांअपराधहिमशो असकहिकैकीन्होंपरवंदन बहुतसाहेउपनिरघुनंदन मित्रवडोविक्रमनुम
कीन्हों दुरगमपुरसुगमहिकीन्हों तुमसमसुहृदकोनकेअहई नतहिलगाइमित्रभलचह
ई लछिमनसोंपुनिहरिहंसिकहेऊ पवनप्रचंडहिंपसचलिरहेऊ दोला कंपितमहिपावनद
हनकरतमेघधुनिघोर अगिनिज्वालनभनेरूतवरषतरुधिरचहुंवोर चौपाई संध्याअहन
अकासलषाई करहिंसोरषगम्रगसमुदाई गीधसिरनपरमंडलधारैं वारवारखतुस्यारपुकारैं
इहिविधिहोंइतिविधउनपाना होंइनिसिचरनकपिननिपाता धर्महुकरहुअवदलकार
हन जोनेजाहिंप्रलयकेलछन वाधहुबूहकपिनसमुदाई एवनपरप्रवसेउनदजाई सो
सुनिलछिमननैसतहिकीन्हें टेरिकपिनबूहनकरिदीन्हें जोधांगुलिवरवषनरघोरे कि
पाइरविनिजसपननिहारे सावधानलीन्हेधनुतीरा उतरेउसुवेलरघुवीरा छंद इ
मिउतरेरामसुवेलततेंउतारिनेअतिदेषिकैं कपिसपंतनासिंधुअपारिपुतेंअजेम
नमहंलेषिकैं कपिईसकंहंप्रभुदियोसासन विविधबूहनतिनकियेउ हेसावधानन्द्व

नेंनकपिलंकहिचलेहरषितहिये दोहा लछिमनकपिपतिनीलनलजांमवांनहनुमांन
चलेविभीषनअंगदोभेआगेभगवांन उत्साहिननरुगिरिलियेकातेभालुकपिकुछि
नछावतआवतचलीपिछेसेंनसमूह चोपाई लंकहिजाततिरषिरघुनंदन श्रमरनउ
रनअमानअनंदन लंकेंनिकटखडेप्रभुराजे कपिनसंकचारिउदिसघाजे दुविदमयंदहंस
हिनीलकहें पाछेंपोपूरुखुहेप्रहस्तजहें गेगवाछपनसहरिषभहुकहें करिदीन्हेंपुरिअंग
दसंगमहें हरषितदत्तिनद्वारपठाये पुनिअतिबलतनुमनैबुलाये बहुसेनपतिनहुंनसं
गकीन्हें गुरचापतित्तिमद्वारेहिदीन्हें ओरोकोटिकोटिभटनाना राखेसेंननिधीकुसुजा
नाकीसईसछत्तीसकोरी रहेगेमधिसुग्रीवबहोरी सोरठा बहुदलसहितसुखेंनपीरि
भालुपतिकेरहेसा चाहहिजयरेंनलेंनघेरेलंकहिओरभट चोपाई एमहुलछिमनउन
रद्वारेसहितविभीखेंनरहेअगारे बहुविधिरंगअंगदसमवंदर जहअनेकक्रहकरवंदर
हरषितभएपरविटपउपारी धायेजेरघुवीरउचारी उठेलंगूरसबेकापिभाये बहुरंगजनुमा

लंका
९५

वनघनधाये मर्कबीर अतिवलकपिचले भूमिमहि नभधरमवहले अमितवीरछिननभमरछा
ये रजसोसविनाथ्य हिछपाये वहुंकितेघेरिलियेसवलंका सकलमहांभट आनिहिअसंका
घोरसोरभोपृलयसमाना आपनपाकोउसुनैनकांना दोहा नेहिरवलंका जनिवथिरप्रीति
रजअवविशान निरखंहिसवकपिदलप्रवलउमडेउरथिसमान चौपाई सकछायेभटमालु
जमाती दिनभोमनहुंअमावसराती पुनिनिजमंत्रिननाथवोलाये धरमनिपुनजुतप्रीति
सुहाये विप्रवंसमहंयहखलजोई अजहुंसुचितमेरोमनहोई कहहुविचारिउचितसवको
ई जेहिहितहांनिनअजसहुहोई कहेउविभीषनविमलविचारा दूतपठैयेवालिकुमा
रा कहकृपालअंगदहिवुलाई कहेहुविसरासुनतसोजाई करिविचारसोजुतअगसानेहरी
सोयधौवलअभिमाने निजहितसमुझिअजहुंसियदेहू करहुननाससकलदलगेहू दो०
परमचतुररजुवरराजनतमनीतिनिनकहेहुवुझाइ देसकालअवसरउचितकिहहुलंकमहजाइ
चौपाई सुनिप्रभुपदपरसिचलेअसंका गहगहिनरकपिगयोकपिलंका देखेनिसिचारसभामआरी

राम
९५

चकितनदसोचनरहोमिनेहरी अंगदकहेउकहाँसोरावन जोकछिपचोरीकमेअपोवन रामचंदनपुल
पाणिषुनंगा होनचहतनजोआपुपतेगा रावनकहेसोईतुमवंदर तिनकहतुमजानतहुदसकंधर
सोकहजासुलंगरहिजाऐ तिनकहषुररहिसुत जोमासो कछुरावनलज्जितहेगयो वालि
तनैवालनपुनिभयो मेवालीसुतसोहनमाने रावनकहवालिहिनाहिंजानै दोहा अंगदक
हुसोइवालिहैसकलजगतजेपाइ वलअजमायहुजाइजेहिआयेमिनवनाइ चौपाई
तातेंआपनतुमकहँजानी आयोसोषरेनसुषदानी सियाहरनप्रहवातनवनी देहुअव
हैकुलनासहिंगँनी रावनकहेउकुछकुसकाई अंगदजनिवनाइलरिकाई कहुममसी
नकुसलहेवालीजोहेहमरेमनतकरचाली सुनिवोलीहँसिअंगदकहेउ कोपेप्रभकुसलहि
कोलहेउ तुमहूँजोसीतहिनहिंदेहो प्रभुसोहतसीनहिंमिलिहो कहेउदसालनाहि
इजजानी सीतहिरहुवचेजतप्रानी नातरुदलपरिवारसमेता वेगाहिजेहैंजमतिनिके
ता दोहा कहुदसकंधरनारिइवहेतनपसोवलधीन नाहिकेइसअतिदुषितनेरिअनजी

हे दसकंठ ममवंध असबिनजारेनतहसरिनीर वापवसाजोलीननम्हिनुमहुंगनिराकिमिधीर चौपाई
तवसेनामहँएकहनुमंता जाकेबलकोआरेनअंता अंगदबिहसिकहासोमेजांनो नेहीवीरबि
वेकसपानो हमोदूतकमेमलेधावन सोतुम्हरेबडवीरकहावन बलकहजासुप्रसंसहिकोन्हो
सोकेहिजोधासोनजधलीन्हो अंगदकहप्रभसमकोजोधा जारेहिंत्रभुवनकरेहिंजोक्रो
धा बिनप्रसासनाहुकासंघारी हनुमतसुवाहुसेनासबमारी जोसिवधनुमहूंलषिआये तेहि
रघुपतिनृपद्रूकबनाये जेहिप्रताप सिंधकरिसंघारी उतरहिंबिनाहिभ्रमसागरभारी सोरठा
तुवदलदलिजेहिद्रन तोहिअछतअछहिहंसो सबबसराहहिंभ्रति कीन्होजगजाहिरकर
म चौपाई आगेहुजाकररोमनजानो तवंपलेजोकुसलसिधानो इमहुजासकरेंगह
सतजेंगे किमिकरिहेंरनतिनकेसंगे घरसोघररहिछेदतुलानन बधिवालिहिसनहि
किपष्यालन प्रभप्रभावनहिचुकेववानै जिनअनंतमनिकरेसयानै रावनकहयेको

नपराक्रम केसरी हैं तपसी मोसम सहित गिरि निविध तितिमो सहि लीन्हें ३ सेस सरि भूषंन की
न्हें ने सिव जुन कैलास गिरि वर लिष उठाइ हों सहज हिं निज कर अंगद कह तुम अस बल
वंते वालका व गहि गो दिसि अंते दोहा सात सिंधु संध्या हि किये नाहि छोठि पनि दीन तेहि
मा सो प्रभ पकस रसो जक्का सिमति हिं न चौपाई अव हुं गर्व न जहु षल राउ दसन गहहु
त्रन सर नहिं जाउ जानहि जरत अभै तोहि करिहैं प्रभु दयाल अपराध विसरिहे सो कह
है है सम मन हमारे कनक मृग मारी वाम गमारे वली वालि कपि क्रूर निज जाने अस्व सल सुन है
रेहे उ अजाने मे च्रुरवन अरुस सव प्रवीना सेना को सहहु तेन ठिहीना वर पाये है विपुल सव
मम अति कराल है काल रेड संम अति मायक को दंड हि धारी ननेह मार रंक सद हारी अव
करि हो मै संगर गाढ़ो रहि हि को न भर सन मुठाढो दोहा सुनि कपि वोल्यो कोप सों हमे के श्रा
पहुन तातें कछु नहि करि सके आंष तव दिव दिधून वर श्रोनित्त पीवि पितना हिं तव श्रोनित
की प्यास छोरि नोहि प्रभु सरनि का करिहै षोंम विलास चौपाई लोटि हौं रजमर रमहि

लंका
७७

रसकंधर करिहै कंडक सिर सब बंदर सुनत कोपि कपि करि कहै सोइ स्याचन सुनत सठ कपि मो सम को उ ग्यान न
रतनु हमोर पापर न धोबै कालहु मो सन चलहि सुभ जोबै नप निहुं तपत मंद लहि सो सन लघु गबून
तप बून हुं मम त्रासं न लोकप श्रौरे रवु अनेका करहिं चरन रज को अग्नि षेका चंद्र हंस
र छाई सेदन च बहिं अगुणु नियम हवे रहन तपसी होइ उवं दरन संग माहीं लाजे मो पुरआ
वृत नाहीं तेकें हि विधि सीता कहें पैहें मो सन रैन करि फिरि कि मि जैहें सोरठा सुनत तम
कि कपि वीर करन लकियनाइ न घलहि निसिचा धाहिं न धीर हलहल कपि तत्र अवनि
सब रसकंधा बल ज्ञान हत नतसिंहा सन हलत भो मन महं कछु कल जान वे हे फेरि संभारी
कें दोहा नैन नासिका कान ते नै ऋरत अनल कन जाहि उदिन ता निसम सदे गयो अंगर
ते हि छिन्न मांहिं चौपाई भुजा कप पावन कहे सो पुकारी रे कुल घालक सठ अविचारी सभ
चापते कदे के एला जन पुं करन से सरन काला नीछन सर निसिचा कुल प्रले करि है वेगि
काटि दस गले गहि गहि गीध धरें हिं रजभ रिहें काक स्यार संग भो जन करिहै एउन कहिमैहो

राम
७७

श्रुतिकोही धर्मविचारिहैंनोनहितोहो रेरेसाषामृगकहुभांसी अपनेप्रांननासअभिलाषी
जोकोउहूतनजथारथकहै भूपनिकहुअविद्यसोअहै कूरहूनकहुनीतिनिहारी उ विनेअंग
अंगकुरिडारी दोहा अंगदकहुआगेहिमुनेउपानियचोरतिधर्म दयाहूनपाकरवअवरेखो
हसमुषकर्म चौपाई षलकहुमोहिकछुकीरनहिलेषै मुनीनकथापुरानिविसेषै कालर
ह्यानहुसहिलीनो अभयनारिकिनकहकरदीनो हमहिनपुरुषाच्छनरनिरहेहो मोरपेके
षापनहिसहहैपो कहनरहनविधिजेहिषाभाउ नेहिआगेनेनरगुनगावै मुनिअंगदकह
रेउरनीना नेरीबुद्धिभईविपरीता राममनुजकसकहसिअभागी सोरसुरसरिप्रलयागि
हुआगी हयग्रहयग्रीवहुगजगनेसहै कमठकमठहरिसपसेसहै हैसूकरवराहछितिधारी
सुरहेसंभुगौरिहूनारी दोहा नगरअवधधन्वीमदनवदरहेहनुमंत जाहिरत्रिभुवनमुज
सजिनमहिमाकोनहिअंत कहरांवनेकुटिलकपिकरकसवादीनोचु वदिवरिभाष
नजानबहुचेहनहोनवसमीच चौपाई मोकहलेषनत्रिनहिसमांना बहुविधनि

लंका
९८

नकाकरासिवषांना एहकहुजोनकहेंनमनदीनें कहा अहे कबिनावुहकीन्हें अंगदकहदसकं
धअजांन्य बुधांबीसलोचनअरुकांना रेजउमोकहेंरामपठाये जेनबनासहेतचढिआये
केसियदेहुराषिकुललेहू कैरनमहंसन्मुषमिरेहू एवनकहधृगधृगहेतोहीं इनकाम
कीन्हें पितुद्रोही कपिकहउचितवातप्रभुकीन्हीं अधमपिताकरेंहूनिगतिदीन्ही इश्वरदं
डदेनकेहेता फिरनअवनिमहंकपानिकेता दोहा सतपालनअसतननदलनहेंपहउनकें
धर्म बुधिमानसबगुनिनिपुनसहितसकलसतकर्म चौपाई एवनकहेंसोवुद्धिमेजा
नी कपिसहाइममरिपुतांनी सिंहबछनजहगटउधाए सियालेनजोकरतबिचा
र उनकोकाछोरकछुहोई आपेंजेहिहितकहुनेसोई अंगदवोलेकाजकहाहे सोक
हकियजोसेनमहांहें तिनकहवंदरनषेलनहेना सोकहबिदितनमोरानिकेता कहेंगुर
राजभलोविधजानो षलकतलंकपतिहुपहिचानो कपिकहसोनोअहेंबिभीषन तिनक
टहिरहेंहिरंहिनिजसीषन सोकहमोजीवनकोहोई तिनकेहनोहिजियनकहकोई

राम
९८

सोरठा नरि आये येहि जोर सागर रघुपति सेन जुत अचरज यह मन मोर अजहुं मैं जिं हि जीवत गनै
पुनि कह विहँसि सुरारि से नर चवनहि कर्मबड रचहिं हि विमोट दिखारि कहैं न कोउ तिनहि भट सोर
परमिन सागर सेतु करि उतरे कहा गुमान वनै अहै मम वीस भुज जये अंभोधि अमान टूटे दिग्गा
ज हुन रदन लहि लहि उर गहि देरोरि पीसिग यो कुलिस हु महां लहि म म सिर भर भेरि चौपाई ना
ग न महँ अति वल जो सेसा सकल सुरं न महँ आदित्सेसा रजु जन नहि रन सात्तजुत भ्राता ई सन
नारायन जगत्राता भये जे औ रहु हैं वलवाना अहैं न मेरे वल हि समाना मोसम वल जो तपु
सी पावत तौ मोसन वृत क हिल गावत अंगद कह असनौ तुम रहे उ चौरी करि सिय काहे है
उ तुम मम व पितु वल के रपताका जवलगि जिप तचलन म हि साका तानें हि नमे चाहि तुम्हा
रा आयो सिखवन विमल विचारा कुल जुन आगो सिय कल्हेहू पायन परि रघुवर कहं देहू सो
रठा रावन कहे रे कीस ह्वै प्रसन्न आये हर हु लजे करे हु मम सीस वर मागव गुन दीन तो चौ०
सिव कहँ सिर माला पहिराई रहे न वो सिर तन हँ छवि छाई दस सो सीस कार तहि निहारी वहुवर

दियमोकहत्रिपुरारी काटिसिरनमैपुनिप्रकवारा होमिरसहितत्रअनंदअपारा अनलसोजारिसकेउं
नहिमुंडन रहेपरेविहसतनअसकुंडन पुनितिनहिनकीस्वासहिजागी नवसिरमोरजराये
आगी वहुवारनइमिसीसचढाये विविधभांतिकेवरखरपाये जेहिओसरकेलासउठाये उ
तिपलगनअंगसुखपाये रीझिसंभुवरदानदिदीन्हे मोकहंअजेअवध्यहिकीन्हे दोहा
सुद्धकरनकीनवहिंनेकरकोइनहिजाइ सकेनजुरिनिसुभटकोउनांमहिसुनतपराइ ॥
चौपाई हामेसिरवांचीविधरेषा निधंनरामकरतेनहंदेषा मनमहंविधयकहंवूढविचारी
नवकीन्होंनपाहिनत्रपुरारी असमोहिलघुकीनरवालेषे मेरेभुजनदंडननहिदेखे अ
स्तुतिकोनिकरननहिमेरी रेरेकीसमंदमतितेरी अंगदकहहुसोकहहुसोवहुवारा सिरहोमव
अहटोउवमारा विधवांकहादेहनहिदहे गरदमकहमभारसनहिवहे नेपुनिनिजकरनिहुंन
हिगावैं पैकोउनहिवीरकहावैं प्रभसोलरनचहतहैतुहं लाजसोजनुवदेहनकहुं सोरठा
वाध्योहैहैतोहि करिकोनजवसरना विकलपउन्नहिंजोहि जोचिपलामिछ्छाइदिय

चौपाई बांधि बचन उ जो कहे जिय राखो घूर्ते गर्वित बहु बल भांषो पुनि कह बिहसि कछुक कपि बांनी जोंनी
जांनी नो रिस प्रांनी काटि काटि निज सिर न चढाये एक एक के बहु बहु पाये इन हिं जो निईं सतुकार
ईसा असमन गुन त अहे रससीसा एक दिहें जब सिर मम निज सर सिर रे देहे हैरी अजि बहु त बार इन
कौंनें अपकार हि कीन्हों नहिं रे हे हे पासि रहे लीन्हे सुनि रांवन कह उर अति माखी कोप हु अधम की
सकुट भांषी अस कोउ मो सें न कलपो न कबहूं अंगद कह जांने हुं न हि अबहूं सो रन बेरि लसी क
पिलेक मयेसि ने जन हति सब हिं बिधि मूढ बैठि बिन संक बिरथ हि बल बल गनत कहा दो०
रे निलज्ज रघुबर हैं सोई हति कबंध सुभ गति दिय जोई भ्रगपति गर्ब सम कुम्ह पाए न तें हुहेर
हे हय पोपतारा महा अगाधि त्तिराम जब रोषेउ ने हि बिन श्रम हिं छन हि मह सोखेउ गोपद सम
मतें यें अहसि अभागी सोषत उनके हें बार न लागी रांवन कह अति कोपहि भरे कते भट न
हि मो सं नल रे अछत अजे सब ने बिन संका बरन मान में हो पे हि लंका भ्रग नाय हु मोहि प्रब
लै मांनी लपो न कुल द्रोहि उपति चांनी धोखे पास राम के मो सों चिरं हिं न सत्य कहत हों तो सें

दोहा अंगदबोलेकोपतेमहिंडारतेउमारि ममपितुछोदेउकरिरक्षाछोडेसोइविचारि निजप्रभुदनुव
लमूढजोमनतंयहेहासिभुलान सो० अवअजमायलेरेदसकंधअजान सोरठा सुमिरमनहि
रघुवीर पुनिकहहराविनवालिसुत सकलउठानहिंवीर रोपउमेपगआपनो चोपाई जोपगमे
रोउठेउनपे तोसवसहीजोनमेंगायो सुननकोयिवोल्योरसकंधर पटकहुभटहुचरनगहि
वंदर अतिवलवहुभटगहिगहिभूमत वालिननयपगनेकनदूमत मेघनादआदिकसुर
जोधा रुपटिगहंहिपुनिपुनिकरिकोधा अंगदपाउटरननहिंकेसे कामादिकनेसतमनजेसे सुमि
रनजेहिभवकरननवाधा गिरिजाजोप्रभुकृपाअगाधा वलीअवलअवलोवलकरई तासुद
नपगकिमिकहुटरई दसोनपगरावनरिसहाई उस्सोकहयोनवकपिमुसकाई दोहा गहेरामपद
जाइसठजातनोरउवार सुनिलाज्जितरावनफिरयोमनमहंकरतविचार चोपाई अंगदपुनिकह
रेउरनीता केअवदेखहुरामकहंसीता केजेहिवलनेसिपलेआये सरहोइतोवननदेखाये जो
नहिदसमुखमसवचनधरिहे सरनसरनकहिनाहिपुकरिहे तोतोहिहनिजगकंटकटरिहे यह

राम
४०

सुषसकलविभीषंनकरिहैं बानोरांमप्रतापहिभरी रावनकानिआहतिइमिपरी कहपकाहुमार
हुपहिनीचुहि वटिवढिवहुतकहनृवसिमीचुहि सुनिधायेवहुनिसिचरभारी सनमुषगयेवीर
वरचारी दियेजोनिकेतिन्हेगहाई चढोप्रसादवालिसुतधाई सोरठा नैवेचारिउवीरकपि
वेगगहिमरिमहिगिरे निसिचरधरहिंनधीर चढोप्रसादहिदेषिनेहि दोहा कहअंगदतलहंनेह
राषिसोसनदियनहिराम तातेनहिनोहिसहिनकुलपठउंजंमकेधांम अनकहिभारीमहल
कोकोपितदियोटहाइ हसोइंदुजनुवनुसोसिषिरसुमेरसोहाइ चोपाई नरकिआइप्रभु
पायनपरेसे नाथहिंलाषिअतिआनदमनसो जोरिहांथसवकथासुनाई सोसुनिरामरहेमुसु
काई कहसोसुकंठसुसेनवुलाई कांमरूपकपिवहुलेजाई तुमनाकहुअवसकलउवारे
हेसवबंदरनकेरषवारे घेरेलंकघुरेसरिईसा असोहनीअसंषकपीसा निरषिनिसा
चरविसमितत्रसे कोउरनउत्साहिनअनिलसे घरिआयुधघनप्रलेसमाना जहंतहंबा
गनलागेनाना छपअपनमयिकारभागे हाहाकारकरनअनिलागे दोहा लीन्हेकपि

चहु ओर तें सांगार कलाछार निसिचर उदस कंठ ने षवरि जनाई जाइ चौपाई सुनियेप्रह कपि रल
को गलवल होन लंक ऊट लंक जुनह लहल करि विचारि तन वीर हि करियै मिलि य की सावधान
ह्वै रहियै सो कहइ मिमु रमु ठहि रम घोरा जिमि मुनि तिय भू षंन कल सोरा वल अंगद भुज
लना सुहाई नील चिकु घा जहिं छवि छाई रहे प्रकासित है दोउ तारे कुमुद हंस नि हनु मन
सुष कारे चारु नयन नाए पति मुषी करनि सपंननि पइ वमो गहि सुषी मंदोदरी समै नेहि आई
वेठि पति कहं सीस नवाई पग परि विविध भांति समुझाई मानो वहि न व सदन सिधाई दोहा
अति गर्वि नल के सल षि निकट हिं आई सेन महां वीर रन धीर न हं भयो जुद्ध के चैन चौ०
पुनि रावन मन अति रिसिहांना द्वारे न पठये दूत न नाना महल हि ऊपर पुनि चढि गयो
कपिन छुई छिन देषन भयो ई हां सेन ले श्री रघुवीरा जावंन उन्साहित अति धीरा जा
इ निकट न को र विलोका चढे चहुं दिसि निसिचर थोका निरषन लंक सीय सुधि आ
सो समैं न दीन कपिन अकुलाई ओगे कहै येक ने येका उन्साहित कपि जुध्ध अनेका

पुनिकरिकूरजहंवहुधाये द्रुमनगिरिनलीन्हे सुषछाये ७ गरजिनरजिकपिकरिकरिमावे मोदिनकाहिंविविधअभिलाषे दोहा कोउकहपूरुवपरवननकोरुकहंविटपनपूरि कोउकहलंकहिमाहिदहमअवहिमिलाउवधूरि चोपाई कोउकहदसमुषदसडसमोरी काँचेघटइवगरवफोरी अतिवलविविधजछ्छवहुसंगा राजेहिंउरमरअतिरनरंगा हत्वाकरिरकवाचढिगये कोपितहुनेगेहफोरनभये त्रिनतरुसिलभूधरनडारी धावाप्ररिलीनसभारी पुरिसनकोटिजुप्थपहुधाये तिनपीछेधावतवहुभाये लीन्हेभूधरभीमअपारा चढेक्रदिसवलंकप्रचारा समकैलासद्वारजेभावे तिनंहिंफोरिविनश्रमहिढहावें एमलषंनसुग्रीवंहिकेरी लगेकानजेजेधुनिटेरी दोहा वीरोवाहुसुवाहुनलपनसमहाकपिवंकरकशादलनहंईअडेमननमहंपरमनिसंक क्रुमुदप्रमसद्रुजोपनससनिसनिजसेननसंग रहेईसानहिंकोनमहंउरगनिवटेरनरंग चोपाई अगिनकोनसततवलिजुतचेनै रहेसोसंगलेकोटिसैनै कोटिकोटिकपिजेहिमुषजोहै नारापितुनेरितिदिसिसोहै एमलषंनसुग्री

लंका
२२

वसमेते श्रायुरिसामहिंकिप्रोनिकेते मंत्रिनसंगगदाकरगहे रामहितिकरविभीषंनरहे गेगढ़ासु
श्रोसरभसजांना गंधमारनहुंअतिवलिश्रांना फिरंगि चहुंदिसिलेनिजसेना वेगश्रानसर्तहे
वलऐना एहांरावनहुंअतिरिसिचाई कहेसोलषहुयहकपिनटिठाई तुमपरकृपाकरिय
करतारा द्रवेदेहिरिपुअमनअपारा दोहा धावहुनिसिचरसुभटसवसेनावहुविधसाजि
कपिगनगहिभोजनकरहु जोनिनपावहिंभाजि चौपाई सुननसकलसेनाधिपचले वाजनसु
वाजनवजावहिभले अतिमायकसवववषनधारे हैवलवंतदेतअतिभारी सिंहनादकरिस
ववजाये तिनधुनिसोंतिहुंलोकनिछाये भूषनसहितनिसाचरघोरा कियेसोरअतिभय
कठोरा जनुवकपांतितडितजुनभाये गरजंतिसाहितप्रलयघनछाये येहिविधवहुतजुथ
भयकारे कटेअनेकसायुधुनधारे इनोफोजसोरअतिभयेऊ रजधुनिसोसवनभभरिग
येऊ देषनधायेदोउदलभारी येकयेकसोभिरेप्रचारी छंदगीनका दलभिरेदोउप्रचारि
क्रोधहिधारियकयेकहिहंनै मारसक्तितोमरपरसमूसल निद्यानिसिचरकियेरनै हंतिमारि

राम
२२

भूधर द्रुम नख गहि नख रदन कपि फारन लागे अति बलिन रंन रन साह बल गन करहिं कल आयुध
लगे जै राम जै जै लखन जै सुग्रीव कहि बंदर लरैं उत जै तिकादसकंध निसिचर लरन रन तैं नहि
टरैं जो भयो देवासुर संगर सो ऊन हिय ह्वै सम अहैं निसिचर कपिन संग्राम करि के हि भां
ति कवि उपमा कहै दोहा निसिचर भ्रम करि कोटि तें दीन्हे कपिन उतारि किये बिपथि न को रहि
चटे तिन बहु सत्रुन मारि चौ॰ भारी गिरि गहि श्रृंग उठावहिं बंदर गहि गहि तेइ चलावहिं
चूर्ण दिनिसिचरन गहि गहि डारैं हि पपांन मुठिकन लातन मारहि भारी मासु रुधिर की कीच
न कपि अति बल गाडहि गहि नीचुन स्रोनित कुंड भरे महि माहीं जं मपटरं गन रंग जनैं औ
ही हेरि गहहिं सिर लेवहिं तोरी रुधिमद कोइ फारहि फोरी मारि निसिचरंन अतिरन धीर
चटे कोटि पुनि बंदर बीर सुनि लंकेस महा अभिमानी बोले बीरंन सो इमि बानी तुम जनि
रनकहँ बहुत खेलावहु मारि कोटिन तुरत हटावहु छंद त्रिभंगी सुनि भट गन धाये छिति नभ
छाये सूह बनाये बिपुल नत हा कोउ काहि न मारी निसिचर भारी चटहिं सवारी हराखि बेला अति ग

लं.का.
२२

जनगररहृन सुभटन छहृन बहुबुन घहृन सुघ्घ बिछ्छै कहुँ बाजिसमूहँन जोंन निज हन पेदलपहनि छो
नछ्छई बहुजमदूति वोरे कोउ भट भोरे कहुं नहि हारे तेनि कसे वषतरन संवोरे अतिभै कोरे आनंदधी
रे मुषबिगसे सरचांप निलीन्हे कोप गहि कीन्हे रनमन दीन्हे अमितगजै बहुसूधन धारीजनुनभ
चारी नभछ्छन भारी सो अछ्छेजै कोउ दंतकराले चटि बरब्याले गहि करवाले कोपूवठे कोउ पंछि
नपछ्छन चढे बिचछ्छेन षगनित लत्तन षरन चटे कोउ सिंहन सेरन चढि उमगेरंन नैनूनतेरेल
रिसंन दहे कोऊ भटसूतरंन कोऊ षच्चरंन कोऊ चढि छ्छकरन [illegible] नउमहे कोउ रषभ सवारे कोउ
चढि स्यारे महिष सवारे चढे चले कोउ चढि मगरे कोउ चढि डगरे रोषित अगरे करनचले
कोउ ओअनमो चढि स्वानें दसौं बढि बाहेर कौकदि बलबलकैं कोऊ चढि स्वानैं मूसमहानै
किय मदपानै स्खलनकैं कोहूं मषअहिसे कोउ सिंहसे कोहु मेषहिसे बदन बढे बाजिन
से आनन कोऊ गजानन कोउ वृषभानन नरन उमडे कोहूं मुषसूपारे कोउ संभारे कोउ बि
लारै बदन अहै कोऊ मषयाहे कोऊ बाहे कोउ बनाहे दरीयमहे कोउ लिसकरवाली

समसरिव्यालीकोउकरालीसक्तिगहे कोउपरसहिमुदगरकोउआहिनोमरकोउमुसलधुरिरनउ
मेहे कोउसलसनघनिनचक्रभसुंडिनपरेघकरारिनगहेअहैं कोउपट्टिसरिष्टिनकोउलि
एजष्टिनकोउभटमुष्टिनजुद्धचहें कोउकहेपुकारीकपिनसंघारीधरवषरारीआजुहमेरीभ
हिअमरारीहंमहिनिहारीकरहिविचारीइद्रसमे कोउगदाउठायेकोपितधायेकहतलगाये
हेरकहा कोउनिनहिनेवारतिनीतिविचारतचलेतवोरनसूरमहा कोउभटभारीकपिन
निहारीकहतउच्चारीसुनहंसवे हमजिनेउपुरंदरयेलघुवंदरनिजमसुकंदरभरहअवे वि
धिदायहिकीन्होभोजनदीन्होसोलषिलीन्होयेईअहैं नजिजानननपेहेंहंमधरिषेहेरीअ
हिलेहेसक्तिकेहे वाजीवहुभेरीओरनफेरीवजीघनेरोसहनाई मिरदंगानिसानापनोमहा
नाहुरहीनानाभलिभांई वहुतासादोलेगोमुषवोलेधोंधअमोलेछमिनवजे संषेका
नालेझोकरजालेवीनविसालेवाजिछजेई धुमिघंटिनघंटनवहुहेदुरदंनभटहरिनारन
विपलघई जंगरेअलापेवजेरवावेसेनमहामेधुनिजोभई वोलेदिगप्रतिधुनिभरहरषे

हिसुनिजैंनरउरपुरिंगुनिहोनकहा दिग्गजपहरांनेंअहिअकुलानेभेदनजानेकरहिंहहा १०
नभधुजगनफहरैहैंसमलहरैंरथसवघहरैंवहरमनो मैनाकसमांनेंदुरदमढांनेंवाहनवांने
मीनगनो सोसेनाजलनिधिनत्रिनरकीविधिप्रलैकरनसिधिअनिउमहौ निसिचरज
लघोरनहैलघुघोरनकपिजगवोरैंनमनहुंचहौ ११ आवनरसकंधरगनिसववंदरटेरिभ
येकरसिमिटिगये लंगूरैलहरैंअंबरछहरैंनिनरवघहरैंसमहिभये लोचनतिनमनिगु
नतनहेजलघंनवडवहुनासैंनरोषमहै येहिविधिजुगसागरसंगरनागरउमडिमहाघर
मिरतअहैं १२ नभभरिरजभारीभैअधियारीजैंनसवारीरैनिमहैं निसिचरकपिलोचन
जनतारागनहांकउलूकनवोलअहै निजकसहिसुजैरोउदलजूरैमारनवुजैवीरतहां
पुनिघोरनिनसांनीधुरिपटांनीरोउदरसांनीसेनमहा प्रतिकियेविरोधेरोउसलजोधेक
रिकरिक्रोधेजीतिचहैं धरिउरविदारनगालहिफारनहतिमहिडारनअहैंनहैं भूधरन
टहावैविटपचलावैंलेपरिगिरावैंधरनिकोऊ अनिकदंनमचावैरुपवउपजावेकोसल

गवेसीसरोऊ ७४ कोउ सक्ति नेरे खेवगान खैले मुंडन मेलै काटि मही बंदरबल अंडन टोरहिं मुंडन
फेंकहिं रुंडन गगन गहो धरि हाथिन पटकें दंत निरूटकैं नेइलै चटकें सेन दलै मरकटविक
टे निसिचर ठेकेकरि रहपहें भुजनन मले ७८ कोउ खलधनु धारी सरगंन ल्यारी कपिन संघारी अट
हंसै कोउ कपि बल मारी भुजन उपारी उरिउर ग्यारी समहिं लसे कोउ भटनि हिं संगर कोसर
पंजर कपि तन जर्जर तरलकरें कोउ बंदरन निपटे रपटन अपटे आतुल पटे धरनि दरे ७७ को
उ भट गहि मरदे गनेनदरदे पुनि पुनि नारदे भी भमहां कोउ सिर भट भेंनं उरहि रेरनसतु
मरे रंन सो हिरहा लंगूल पेरैं हिं बलन चपेटें हिं भजेतु रपेटें हिं हं चहिछली गहिसिर
भुज छांय हिं हांनन काटहिं कोउ अति हांटहि कीस बली ८८ भालू भट भी ड़ै बल के सीरैं
गहि भुज ग्रीवे टोर नहैं निसिचर कोउ वीरे अतिरन धीरे लेसंग भीरे टोरत हैं अतिरिसिसों
पूरी भालुन भूरी हंनिलेनि धूरी लपटि दलै रिसो रिसि धारे नखं नि बिदारे अवंनि पछारे पगन
मलै कपि भालु भपा वन कहि कहे रावन नच खरदघायन खलनन ठने भोव मद दल खल भल

कीसनगलवलसोखहलहलअचलगेै दलविकलनिहारिचलमघवारी गिरास्वारी नाहि
डरै कीसहुगनभारीनलांनिहारीपि लोसुधारीरोषभरी २० दोहा सुनिआयोरनइंद्रजित
लछिमनआदिकवीर मारगयेनहेतुरनहींजहंकपिभालुनभीर चौपाई करनइंद्रजुद्धहि
नवलागे कपिरजनीचररंनरसपागे अंगदमेघनादजुरिगये लरनवीररोरुसोचिनभये
करिप्रहारछलवलबहुकरहीं मानहुंसंकरअंधकलरहीं कपिसंपातिप्रजंघनिसाचर क्रो
धिनलरंहिं रोरुजोधावर जंबुमालओहनुमनलो दुर्मोमहाक्रोधसोभरे नामसत्रुहन
निसिचरभारी तिसोविभीषनताहिप्रचारी नाम निकुंभआयुधनधारी तिसोंनील
सोसमरहिंनिहारी प्रघुसजुसो कपियनिसोजाई लषनहिलियविरुपाक्षवलाई दोहा
वजुह्नुमुष्ठिमयंदसोंदुर्विदअसनप्रभवीर विद्युन्मालिसुषेनसों प्रपतननलरंनधीर चौ०
अग्निकेतुमित्रघुहुनोंमा जगपकोपिनिसिचरवलधांमा रस्मिकेतुदरधर्षेसुजांना नि
वरिजाइअग्निरेअगरांना अपनीअपनीजयअभिलाषेंन निजबलकरंतेंपरस्परभाषन

छत्रिनसँगसंग्रामअपार परसरामकियएकइसवार रुधिरपंचकुंडहिनसमांनो बहतभूमि
काहूँनहिजांनो अग्निनरुधिरनदीकपिकीनी लखिभूतनमतिविसमयभीनी अंगदपारस
क्रोधसोभरै मेघनादकीसयनहिपरै रजनीचरनहूँननजचलाग्यो अतिभयसोंनवसब
दलभाग्यो सोरठा कीन्हेजासुभरोस कुलिससमानहिंगहिगदा डइजीनकासोर अंगदप
रछोडतभयो दोहा लोकसोउअंगदगदानेहिमा सोकरजोर जांनसतघोरेनसहिनचू
रनभोतेहिठौर चौपाई कूदिपर्‍योसोनिसिचरवोरा देवनकियनभजेजेसोरा हँनिप्रजंघ
संपातित्रयसर हन्योसोअसुरकरनवडतरिया जंबुमालहूँसक्तिचलाई लागेउरहनुमत
रिसिघाई मुरतंहिंताकोरथभंभिंडभ्यो करनलघाननाहिसंवासे नहोविविधिवंनहुँवहु
सरमारी सत्रुहंनगहेंकियपीडितभारी लियानिकुंभनीलहिसंघाई घनजिमिद्रुमहिंवृंद
समुहाई पुनिप्रचंडसननसरहिपवारी वेध्योनीलकहँहस्योहकारी धायोकपिप्रहारसहिंवा
को कोपिनालियोनोरिरथचाको दोहा लिपेचक्रमोविसनसमतजेनिकुंभहुँवांन

छोडेउ चक्र कपि हरि लिये निसिचर तनु प्रान चौपाई प्रबल सबहु तर बरखा कीन्हीं कपिन सपन
बिकल करि दीन्ही कपिपति लखि निज दलहि निपाता कियो एक द्रुम लेने गहि बाता बिरुपाक्ष तल
खंन हिं सा धायो एक सर हनि नेगहि लखंन गिरायो बज्रमुष्टि कहं तुरत प्रचारी कुपित मयंद सु
शिष कमारी ताजि न सहि न पीर सोमा सो देव अटाइ पुञ्ज अवंनी परो असनि प्रभ गहि कियउ बि
द्र प्रहार सिला बिबिध बिधि बिटप पहार निनका सो सो निज सरनाना कोपिन कपि भोजन
लसमाना अपरिहु बिदय कहुमहि उपानो असनि प्रभ गहि सर थाहि हनि गओ रोतु छुधित
होत निसिचरं नकहं हरखे बानर बीर मानहुं दानव दल हिं रालि सो ग्चिन सुर न धीर चौपाई
बिद्रुनमाली बहु सावर खे नाहि बिलोकि सुषेन अमाये सैल श्रृंग एक हन्यो प्रचारी जांन भंग
गिरि निसिचर भारी ता बुबक रिपुम्नि उठे हहंकारी धायो महां गदा कर धारी लीन्हे सिला सुषे
नहु धाये निसिचर उर महं गट हि लगाये कछुन हि गनि कैकुपिन निहारी सिला महा तं न ताकु उ
स्मारी निसिचर किये जें मपुरहि पयाना सो कपीस निज मन हरखाना प्रपन न कियें बहु बिधस

रमोचन अघरनत्नहु कारपोतेहिलोचन येहिविधिकपिननिसिचरनकेरो भयोभयानकजुद्धघने
रो सोरठा रामहिंनिसिचर चारि मूढ़ निजसामिकरसों नाथचारिसरमारि तिनकेसिर कोरतुरत
चौपाई भयेंहिंअकासगीधगननाना नजैंहिंनरनजनुसरनप्राना निसिचरकपिनकेंवुधविचाहें
पिपनरुधिरस्यारीफेकरहीं अस्तभयेरविरजनीआई लहहोनिसिचरनवलअधिकाई अतिमें
मसूअनपरनअपाना करहिंवलगनाधीरमहाना निसिचरहोकहिंकहिकपिमारहिं कपिहोक
हिवोउकोंहिप्रहारहिं मारुमारुधरुधरुधरुनिधावें भजोज्ञानकहंइतफिरिआवें येहिविधिकपि
निसिचरचहुंओरा करनलगेधुनिमहांकठोरा जहेंनिसिचरकपिवहुजाती कालरातिसम
भैसोराती दोहा कवचविभूषनदिपननिसिनिसिचरप्रगरलवाहिं मनहुंओषधिनमेंज्वलि
तकज्जलगिरिवहुमांहिं चौपाई कीसभालुतवअतिवलवंता करनलगेनिसिचरदलअंता
गजेंनउठाइगजेंनकहंमारहिं गहिगहिरथनरथनमहंडारहिं वाजिनसोंवाजिनगनमले
प्यारेनपरकिपरकिदलेदले रामलखनसापरमकराला जनुफुंकारनचहुंकिनव्याला काटहिं

लंका
२९

रिपु अडिग निसाचर छुभित भयो रावन दल सागर मज्जा ग्रह फेन सम राजैं बहत बालक त्तपसमु छाजैं
छके पल खाइ मीन ढेरे हे गीधे बकुलन सम मताल हे रुधिर अगाध अंबु अति बारा मज्जहिं जोगिन लो
चिन ढारा छंद गीतका बहु गिरिन इव भट भीम बूडे सीप कत्ति कटि हे पो नु हैं मीन मकर हु उरग बहु
बहु भांति आयुध हे भरे जुत नग अमारी थिंगरवी नितस गहि तरदन प्रवाल हैं कहुं उरद बूडत उठत नु
हैं मैनाक सम हिं विसाल हैं भारी कोदंड अनंत तरल तरंग सम दरसात हैं अन लाग्र घूटें हिं नेदें म
तं खड्ग आगि सद्रिस लषात हैं बहु रतन भूषन तिन हिं सो बहु भांति मोरते न नभयो जनु सुरति
करि त्रय बुन नहू जो राम रतनाकर कयो दोहा हनूमान की अकस जनु कूदि गये कपिराइ निज
क्रोधानल सो नहाे लाई खल सम हाइ डोलत दल हू जो प्रबल दल आयो न हं धाइ सरिपि सो नहि
छनक कछुर हीम हो रज छाइ बाजे भारी सेंन ते हि भेरि म्रदंग निसान बाजी गज गन चिकरे
चले बहरि बहु ज्ञान चौपाई अभ्युन सो समयो ने हि ठाउं हं ने न लगे भट लै लै नाउं सक्ति सूल
असि परसु चलावहिं गिरि शृंग गनिहं नित हं कपि भोवंहि नखंन रदन बहु बिधि किय घाता मुष्टि

राम

प्रहारहु जनु पवि पाता। गिरि निसाचर सैल समाना। नेतहि गिरि कपि हुव लङ्काँना। तिन ते महि अति
साचिन भई। मनहुं महीधर मैं हुं गई। पुरि न रुधिर अरुन भय पुथली। चित्रख भयन निदित्रहि
वरनी। निज हित रंन लषि जत सुरारी। हरषि गलोचंन दिया विघ्रवारी। वं दर चपल रज निचर
लरें। रंन अंग न नाहिं न रस अस करें। रोहा। निसिम हंम्नि ज वल जो न्नि अति षट निसिचर कारफो
५ आवत भेर घुवीर पहँ रंन कर हं भरि उर चोप। श्रुति प्रधर षमतो दरोम हं पार समघसत्र
वज्र दंन सुष सार न हुं सर थग हेव हुत्रात्र। चोपाई। सिंधु सहित सव अवां निकंपाये। गरजन
प्रेलेमे हुसमभाये। देष न देष दल मध्य प्रचारी। छीने प्रभु तिन सिर सा मारी। वां नर छिष जि
स्व दल छाये। सिर भुज पगन विलीन वनाये। वं चेभ गे षल धरत न धीरा। छे दे मर मन्नि रघु
वरनी ए। सर्प वुंरगनागत। अहि सरन नरनजित तं भरि न भदर। न हं भरजित रंन रस हिंस्रंग
हिं नर। स्रंग हिं त्रिदस हु वरम्नि वन जयरर। मत जिय जिसह न नर हे हिं न भदर। श्रमल भरी
ष ल घं न विन दिसा। सो हहि मन हुं सारद की निसा। भोर समै श्रोनित सरि वही। कच सेमा

रसोनित ह्वैरही दोहा रुधिर पांन का मुदित मन करन लता लव जाइ पहिर मुंड माल निचहिं नट
जोगिन समुदाइ चौपाई गजपद वहन विटप सम भ्राजैं परे उरग गंन दीप विराजैं महां रंन तिन लस्त
नम नाला करे कर्न जहं पुरईन जाला का क काकि का की का के के कूकैं कूकै की के के के की के के का
लो कं का लो कै कै लोल कलोले लालों निसिरे सिर सरीर सर नाना नासै निसा सारी सिसाना
छाये षल पुनि वहु दल साजे भेरी न रपन व बहु वाजे नेहि प्रतिधनि धिकूट धुनि धारे कहि प्रभव
ल जन जिन हिं ने वारे नम सम निसि चरत हं छिरि आये अतिवल घोर रंन रस धाये दोहा विर
थ कियो जुवराज को छन नाद हि षिसिया न कपि हि सर हन सव हि पुनि कुपित भयो वल वांन
चौपाई पूरुव जो न व्रह्म वरु दीन्हां अंतर गहि न के प्रगट सो कीन्हां सर्प पास पुनि कोपि चला
ई बांधे उ अति समरथ दोउ भाई निज सर विषित कियो दल भारी रन लषाइ न हि काहु सुरारी
जदपि अति समरथ उरगारी करन सफल विधि वचन षरारी सुमिरत जिन भव बंधन जावे
सो कैसे बंधन तर आवे पुनि रघुपति रसकपि न वुलाई कहेउ भीच कंहं हेरहु जाई हनुमन्त

नअंगदआदिकबंदर गिरिनहलेलेमहांभयंकर दसदिसिहेरिखोंमउडिजावैं (तोकैसेवंधनते
आवें) लागहिंसरयत्नकहंनहिपावे दोहा सबकेतनजर्जररहितकीन्हेंहंनिहंनिनीर फूलेमनहुं
पलासजुगसोभितदोउरघुवीर चोपाई वंधेब्यालपासहिदोउभांनी अंतरहितेतकहीअसिवांनी
इंद्रहुमोहिनहिसकेपरषी सकिरकेसकापछेदेषी तुमकहहुंनिनिजसदनपठेहो पुनिमोपि
तुप्रनामकहजैहो असकहिविहंसिवांनबहुमारे निसरिचलेअंगहथिपनारे राऊनहंस
राहिनरवमये ब्यालहथिमेअंगदगये पहिलेरामगिरेमहिमाहीं गिरेलषंनहूंकेयुद्ध
थनाहीं नजेवांनपनिषलरिसिनांधी जिमिरजउडतचलतबहुआंधी वंधेविधेकरता
सकोचू लषिकपिभालुकरहिंअतिसोचू दोहा करहिंसोकसबविविधविधकहिकहिवचन
नअधीर सरसज्जारषुपतिपरेधरिषडेकपिवीर चोपाई सहितविभीषनकपिपतिआऐ
रामहिदेषिदुसहदुखपायो दुविदमयंदनीलहनुमंता अंगदकुमुदसरभजमवंता हुनहीं
आदिकीत्तिबलीमय लषिलषिनाथहिंकरहिंबहुतदुख दुषितसुग्रीवेसहितलंकेसा कहहिं

चलहिहेरहिकेहिदेसा जद्यपिनाहिविभीषंननलषहीं सोअतिबलकछुकरिनहिसकंहीं अजेल
हैअंग्सावररांना इसरमटनहिनाहिसमांना जसअरुनेजमहांवलधारी अनुपंमधनुधरिवि
क्रमभारी इंद्रजीतविनस्वासहिदेषी तेउवंधुनप्रांनहिंलेषी दोहा क्षेप्रसनसवोलनभयेगा
तिनसुषहिवढाइ परमरामममदजोहसोपसोलषनरघुराइ चौपाई सिद्धसुरमुनिजोवांहिं
आई इनहिनकोउसकंहिउठाई इनकीत्रासपितानहिमोपा सोभारीभयकरहुमेवोपा ग्रस
कहिपुनिधनलैसरझारी सिगरीसेनविकलकरिडारी नोसरहनेनीलउरमाहीं हूहूंउ
विरम्यंदहुकाहीं जांमवंनउरतनेउपकसर हनमानेदसहनेवांनवर वहुनसरनवेधेउ
अंगदकहं पुनिहंनिअगिनिसिषासंमरषुनहं गरजनभयोमहांवलवंता करनचहत
जनुकपिकुलअंता वहुविधिवांननदलपावा षो सिंहनादकरिषलअतितरंष्या दोहा क
हेउलषुहहेनिसिचरहुभालुकीससमुदाइ मृतकहिअसदेषपाहिरनअंगनसवछाइ चौ २९
सेनमध्यमहंधांधेपरे तेउवंधुरुधिररजभरे लषिनिसिचाकपटैजेधकारी अ्यावरजिन

हैमसैसुषारी हनेजांनिरषुनंदनरोऊ लगेसराहेंननेहिमषकोऊ सोऊम्दनक जानिजुतसेनें
संनैगङोभरेचितचैने रामहिंलषिकपिपतिआनिसोचहिं दुषिनकपिननयननजलमोच
हिं कहहोविभीषंनसोचहुनाहीं अवतोधीरधरहुमनमांहीं होनेअवैवहुतानेअसहेसुमि
रहुरामलषनयेजसहें सषहमारीभागजोहैहै नोपहमारीइषरिजैहै दोहा रोवतकपि
पतिनुमकहाहमरोकरहुविचार जाकेहैंसवभांतितेएमहिलषंनअधार मेरेनिश्चैअस
हियेसत्तधर्मजुतजोइ ताहिमत्युकीभयनहीकहतमुजंनसवकोइ चोपाई प्रभुहिमनुकीसकैना
हीं तुमहुंविचारिलेहुमनमाहीं सुषधुवाइकतकपिपतिपाहीं सोककानकोअवसानाहीं वि
षमकालमहंजोकोउसोचै मरनोहोतकहतसवपोचै तातेंदलनाकहुकपिराऊ नायुउ
नकीकरहुउपाऊ सुषथवाजवनकउहनतराम नवनकनाकहुनुमयाहिठाम हमहिंसैन
कीरष्याकरिहैं उठिहैंप्रभुजवसवभैहरिहैं हैप्रभावववसैननमाहीं तातेंजानहुजियसगमि
नाहीं होहुनछोभिनसोकसमीरा देहुसवैधीरजधरिधीरा सोरठा पुनिकहजलभरिनैन

लंका
३०

नवलगिनाकहुवंधुहोउ महांभीननुवसेन सावधानजवलगिकरहुं चौपाई रोवनफूलिरहेहोउ
लोचन भूलेननहिंमरेअतिसोचन पवनतनयनप्रभुकोमुधिकरहेंहीं अतिवासिननिसिच
रजेअरहेंहीं भैसोविकलसेनसवफूटी देख्योमहांमालसीटूटी सुग्रीवंहिहेरेयहिविधसोषे
न रोकैभागनसेनविभीषंन पितुपहंमेघनादउगयो करिप्रनामअसवोलनभयो आ
येरामलषंनकहंमारि करिअतिविकलसेनसवडारि हरषितनिसिरसहेउदसकंधर क
ह्योमहाजोधरोनमसंगर जुद्धकथापुनिपूछनभयो रावनसुवनसवैकहिगयो सोरठा
रावनसुतहिंसराहि निरमैमंगलकरनमो कपिकुचहूंकिनचाहि वृलवांधिप्रभुपरेंग
ये चौ० घरघरातनिनचौंकनिहारे डरडरआवनकरकविचारे लंकापतिसुतसकनपण
ई कियेविचारिपकांनहिंजाई जोप्रभुअहेपकेनिकेपारे लघुवलमेघनादकिमिमारे गु
नहुंजोसोप्रभुसोनगहिहोई नोअसकर्मकरिहिनहिकोई जियनमरनकजोननकेकारन
कियअसमनकरिवहुतविचारन विधवांचलतनचेलनाविकांना पुहुपकमोरभलीविध

अंगना तुरत त्रिजटहिं निसिचरन्ह बुलाई कहत सो सियपहिं प्रभु पकाहि चलाई नपमिन हालरेखा इलेआ
वरु मेघनादकी कथा सुनावहु दोहा नैसयकरिनेलेगई सियकियवहुतविलाप सो सुनि त्रिजटनि
सिचरी भरी महापरताप त्रिजटा कह पुनि सीयपहिं सुना जियनपति तोर रोवइ सिय निसंताप त
जि परीज्ञ नदोऊ किसोर चोपाई मुषप्रसंन्नसजोधनके देषी ताजें निश्चे जीवन लेषी सेनापति
जो जूझअंत कोई सेननाउ करियाविन होई विधवयलयप्रभु पकनहिचलै ताजें मम मन निह
चे भलै यदोऊ हैं प्रानन लीन्हें देषहु भट सव वरस्याकीन्हें ताजें तुम विसुआस हिमानो मरीवां
चीसति करि जानो तुम मम सुहि अपने गुन वसि कीन्हे ताजें मे यह सवकहि दीन्हे निजस्वामी जो
अप्रियवांनी सो मे तुम सो प्रगट वषांनी अजे सुरहु असुरहु निसिचर सो लियेउनके लेहिं जि
नरेंन वरसो दोहा चहत उठं न सेष्ट्रन हि महं जितहे षलसमुदाइ अस कहि लेगे वाग पुनि
दुषछजइसमप्राइ रामहुं जागत भेत हांवंधे व्यालकी पास मुरछित लषन नहिं लषि लगे वि
लपन लेतउ सांस चोपाई विहवल षेन कहन अस लागे तीरसुसील लछन जनुरागे मिले

सीयअबकहांहमारो राजिहुकहाकहापरिवारो जगमहंसुलभैसबैलषारे दुर्लभमिलबलषनअसभा
ई उठिहोजोलछिमनतुमनाही महूंपैदिहोंअनलगहिमाहीं ऐसीभांतिविलापविविधाविधि
कीन्होंसबैसुनाइ आनंदनिधि फेरिहंसोएकसोचहियोंहैं जौंनविभीषनभूपकियोहै ताहुस
कंठतुमहुंआगारे करिआगेअबबालिकुमारे आगेपीछेकरिवलिज्ञाना सावधानह्वैकिहै
हुपयाना दोहा इन्द्रजितकपिभारीजुछ्वहुरे रेआपनजीव मेसंनोवित्रआनिअहोंसबऊपरसु
ग्रीव चौपाई विधिकेअंककोसकेमिटाई कहाकरेयहसबकपिराई हेउपकारमीनकाध
रम तुमकस्हिउकेसबैसोकरम एहिविधिकेप्रभुवचनसुनाये सुनिसबकेलोचनजल
छाये समेनाहिसबसेनसम्हारी आवनलंकेस्वरहिनिहारी गुनिरावनसनकपिसबभो
गे धरंहिंनधीरमहांभैपागे तांहउठायकहोकपिराज भागनकाहेकपिनसमाज अंग
दकहाकरतनुमधाई रोकहुवेगिकपिनसमुदाई कहहुजुवराजलषहुतुमनाहीं विकलए ३१
मरनअंगनमाहीं दोहा तातेंसेनासबभईकरनधारविनुनाव बहुविधिरोकोतुकतने

हिकरियेकहाउपाव चौ० पुनिकपिपतिकहसुगरपांहीं हैयहमैविनकारननाहीं जाते
महाविकलकपिभागे कटहिंयेकयेकनकेआगे नेकवीरनालाजनधरहीं लखैहिन
ह्यायलकपिनकचरहीं पीछूकहंकोउदेखतनाहीं गिरतउठतनोकनगिरिजाहीं या
हीसमेविभीषंनआये एमसुग्रीवंहुजेतिमनाये तिनविलोकिकछुकहहरषाई जां
मवंतसोंकहुकपिराई भागेजाहिंलंकसहिदेषी सवकपिइंद्रजीतमनलेषी अवतुम
महांवेगकरिधावहु सवकहंचरतहुलाइलैआवहु दोहा नेसुहिकिनेहंरिक्षपानिधरे
सवेकपिधीर लंकेसहुअतिविकलभो विकलदेषिरघुवीर चौ० जललैप्रभुकेलो
चनधोये पुनिअसकहिलंकापतिऐये जेयेकवहुंविघितनहिभये परेअहनिते
रुधिरहिछये वंधुतनेअतिपापीछली छलिलीन्होइन्हैंअसवेली हंमवलजिन्हे
प्रतिषांचहे नेअवयवचनदीनअसकहै होउवंधुविधेसरपरे हमनोजीवनहीहैमरे

लंका
२२

सतसंकल्प इंद्रजित कीन्हां रावनकहं अभय हिकीर दीन्हां येहि विधि विकल भये दोउ सरन
भे रावनहिं मनोरथ पूरन मिलि लंकेसहिकह कपिराई नेरे मन यह हनि सुनु भाई सोरठा
कहेसो नाथ जो राम हाइहि नहि मिथ्या कबहुं लहिहो लंका धाम हनिजे है बल दल सहित
चौपाई फेरि कहेसो प्रभु वदन निहारी देषहु प्रभु सुमिरन उरगारी लंकेसहि येहि भांति बुझाई
पुनि सुषेन सो कहेसो बुलाई जबन कमोहिन जन होउ भाई रछहु लै किस्किंधहिं जाई करव
बलन सो हम संग्रामा जाहु चासतजितुम वाहिं ठामा कहेसो सुषेन सुनहुं कपिराज मध्यो
सिंधु जब सुरन समाज सुधा संगन हं औषध पाई सागर मधि गिरि सिषर जमाई नेर
लेगुर रंन समरन जियावन देष्यो मैने इतुम महि वनावन तिनहिं वेगि ल्यावन हित स्वामी
पठय पवन तनय द्रुतिगामी दोहा देहौं इन्है जियाइ मै करिहो नेन वेपीर नजतवननत
संग्रामम हं तन करं नहिं कपि वीर चौपाई समै नाहि इमि आंधी आई गिरि कंपाइ
नहगंगन उडाई पन्नगारि जिमि अनलहु ज्वाला देषे परम गे अंग ष्वाला छूटें

धनते तोहि भाई पाहिपवँन तहँ गरुड खगाई अछत उहै दोउ राजकिसोरा कियो सवन तहँ जैजै सोरा रामलषँ
न पूछबुरखराजै त्राहि कपि भालु महा धुनि गाजे खगपति माया पतिहि उठाई सादर मिले परम सुर
पाई सावधान है राम सुजाना कह्यो गरुड सौं सुनु तम माना पुनि रघुबंस कमल सुचि सोहै दिष्यत
तोरक ह्यो तुम को है दोहा तव प्रसाद रघु बंस खग अहि पास भयो मे आनु होत हिये आनंद महा जिमि
लहि हरस रघुरानु चौपाई गरुड कह्यो मै सखा तुम्हारो नाहँ न अहौ प्रान सम प्यारो मायाकारी
इंद्रजित भारी बाँध्यो तुमैं सर्प सर मारी इंद्र हुता गहि सुत बन लायो के कदू सुत है सर्प न नायके
पूरन बिष है गढ कराला नेई तुव अंग लपटे ब्याला सो सुनि आयो आतुर धाई मोहि निरखन हैं
गये पराई सत्य पराक्रम पुरुष प्रधाना सब कोहे तुम्ह तम भगवाना तत्य सिंधु प्रभु लछन समेता
कहहु राम तुम मोद निकेता मे मन गुन हुँ तुम्हहिं न गहि चामा नदपि षल न कान हि विसासा दो०
कपटी प्रकृति हिने अहँ हि निसिचर सकबलसांन सावधान है चवल रेहु अस कहि गो हरि जान
सोरठा प्रभु माया बलसांन गिरिजा प्रगट रहित बहु सो गरुड हुँ संन सुजान रे तसी षन हिलुआ मो

दोहा रन उत्साहि नकपि सकल लागे द्विरन चारि महांसोर रांवन सुन्यो संचिवन्हि कहो पुकारि

चौपाई कपि करि सोर रहि उरथि हलाहीं छूटे होउं बंधु जनांहहिं तिन कहं जाइ देखि तुम आवहु मो कहं तेसी षवरि जनावहु ते चद्दिकोर वि लोकत भये अधन तसै वे कपि अति उषछये रामल घंन कहंहर पित देषी जो विधा दनेस हिजवि सयी रांवन पहं तिन्ह षवरि जनाई बोल्यो सुनि सो चितरि सिहाई लो हम ई सम नत निप्रकासा महां विषम घाल हुकी पासा ता हूं ते अनया सहि छूटे गुणो निसिचरन क मेंड फूटे धूम्राक्ष्छलेकटकमहांई हनहिं सरलत पासिन में जाई दोहा रांवन कंहं परदक्षिना करि सो निकसो वीर अति उत्सागहि न वाहिरे धरो भयो रनधीर चौपाई सेंनापति सो कहउ मुर माहीं अब विलंब को कारन नाहीं सेंन पदु निपहु दलन बुलाये आयुध विविध धरे ते आये मेघन सम धुनि करि ते हि हेरे चले अनंदिन वीर घनेरे वाजि न हांथिन पन सवारा अश्व जिनकु हे विविध प्रकारा कंचन कवच त्रिभुवन धारी धूम्राक्ष तिन संग भट भारी वेग वान षर जो हिरय लागे तेहि चढि चलनच हो जब आगे असगुन विविध भये तेहि काला

गिरहिं जनु कुरि गेरु धनमाला । लषि कपिसु विस्मित पुनि सउ भंगा । पछिम द्वार कहा जहँ गहि तजं गा दो०
पालित हरि सागर सम हिं निरषी कोसंन सैन । नाहिं निरषि की सहु सबै सोर कियो जनु बेन
सिंह नाद करि निसिचर रु मुद्गर पट्ट समतीर । लखइ गतो मर हनै भये कुपित कपि वीर चौ०
दंतन काटि सीस महि डारैंहिं । काहू के उर नषनि विदारैंहिं । गहि गहि पय धुज खंड गतु तोरहिं । हें
निरं निसि चरि गंन सीस हि फोरहि । पर कहि गज जो तुरंग भय जाई । निसिचर गज बाजिन महिछा
ई । कूदि कूदि फारैं हिं गालन गहि कोउ मुष्टि न कोउ परे भरे महि । रजनीचर धावहिं बलशा
ना । नल प्रहार जिन कुलिस समाना । लषि जिन मुरि उलटे आये । कोपित अति जव कपि
हयाये । तिन्ह कहँ गहि गहि चरन पछारैं । नहिं लातन मुष्टिकं न सों मारैं । भगी सैन लषि को
पि न बीरा । धूम्राक्ष धरि वरघन नीरा । दोहा धायो फरसं न मुद्गर न पट्टिस परिघ चलाइ । भिड
पाल सर सक्ति सों हनी कपिन समुदाइ । चौ० न जे कोऊ विह्वल है प्रानन मुर छिन भे छे केउ वां
नन कोउ विकल है रुधिर उगलहीं । कोउ वीर सव्रन मथि पिलहीं । हृदय विदारन कोउ परे

फारवूरगिरेरुधिरसोंभरे बाहूकी आनेकटिब्याई ऐहिविधलरनगिरतनभरजोर्ई धनुरंकोरकीनजनु
बाजे गजगुंजारगांनसमधाजें छोरेकैसकालिकानाचें गजचलअकतितालेजनुसोचै इमि
रनमंडलभौतेहिकाला मानहुंगंधर्बनकीसाला धमाह्मबिहंसतधनुलीन्हें सरहंनिकपिन
हमुरुदिसिकीन्है दोहा बिधितआपनीसैनगुनिहनूमानबलवांन सिलागहेकोपितचल्यो
तनजैहिबज्रसमान चौ० हननतसिलाबलकरिसोगयेऊ बेंचीगदाकररथगतभयेऊ पुनि
हनुमततनहुपेकउपारी सकलनिसिचरनसैनसंघारी फूटेसिरउरउगिलितलोहू परेअवु
नितनसुधिनहिकोहू कोऊमरछितमे कोउजमे एबनलोनच्चसनतेंतरभे सैलसिखिरलै
कपिपुनिधायो धम्राक्ष तहनतहंचलिआयो गहेगदागिरिवाहिसमाने गुरहुअमुरजाकेतव
लजाने सिंहनादकरिगदाभंवाई पहिलेहनुमतसीसलगाई कोपितकछुनहिगनेउकं
पीसा सैलसिखिरमार्यो सठसीसा दोहा धूम्रिमभिमहंगिरतभोचूरनभयोतिहिअंग गिरत
परतनिसिचरनिकर भजेबिकलतजिजंग हनुमतमथ्यश्रमजनिततजेलकनआतिरतसुहाइ

जनुप्रभातकलकोकनदाहिमिसीकरसमुदाइ चौपाई स्तुनितांवनधुम्राक्षविनासा लियसोकिनकपु
हीरघुस्वांसा वज्रदंनसोंअतिरिसिहांना कहेउअहोतुमअनिवलवांना दलसुग्रीवंहुओरोउभाई
प्रवलसैननलैमारहुजाई सोइकरिहोंकहिसीसनवाई चल्योससैननचैनअतिछाई गजवाजी
ऊंटहुघरहोरे विविधिभांतिकेजांनेजोरे वहुधजजुतरथकनककलितहै चलेवीरभूसनानि
वलितहै पहिरचलेसरकात्तउमाहू विविधआयुधनधरेसनाहू कारनमनोरथरनरसवाढ्यो
सोभटदहत्तिनक्षारेहिकाढ्यो दोहा मत्तउरदभूधरसमहिं चढेचलेबलवांन लीन्हेंअंकुसतोम
रोभिंडपालधनुवांन चौपाई चलतभयेवहुअसमहांना गजनतनवज्रदंनरिसिसांना ल
छिसनुपआवनदलघोरा प्रेरिदसंनकीसंनकिपसोरा लखिभेरहेउऊरलधाये मिलतमनहुं
जुगउदधिसहाये पेकपेककहंहंनहिंप्रचारी कोउचरननगहिदेइपछारी येकपेककहंगहि
गहिमारे नमृत्तभयोसंग्रांमअपारे भिन्नसीसभुजनिसिचरवंदर धावनसोलतभूमिभयेकर
वंडेहधिरभेरहत्साहे गनेनसत्तुनछ्तजेचाहें भजदंडनगहिचक्रचलावहिं चहूंकितमारुमा

लंका
३५

नकहिं धावहिं दोहा सोर महा संग्राम महं होत भयो अति घोर द्रुम गन गिरि न चलावहीं कपि निसिचर करजोर
चौपाई नेहिं रंग करन के उर दरकें हरषित मन नवचनाकर कें धजरं कोर भेरि धुनि छाजें हिं हंनि हंनिम
हां वीर रंन गाजें हिं कोउ हुं ख्रिपार गार चिर जाहीं मन्नजु क्षणं नहिं मुद माहीं करहिं प्रतास्चानकर फेरा
देहिं विविध सिरज भर भेरा रन प्रमत्त वंदर सव भिरहीं भग्न देहिं निसिचर गंन गिरहीं हं निहंनि तल
गिरि पुनि गहि मरदंहिं तिन कहं त हां मिलोंवरि गरदंहिं वज्र रत लखिमर दत्त सेनै चल्यो कोपि गरज
न खल अनैनै पास लियो अंत कछ रभा पो लोकंन अंवहिं संधारन आयो सोरठा लग्यो कान कपि
अंत प्रलै अनल सम वीर सो लखि अंगद खलि रंन लग्यो दलन ताके रलहि चौ० मन हुं सिंह
अति सैरि सभन्यो नृत्त गज निके जुष्य न पयो वज्र सरिस मुठि कंन के मारे पुनि सो परे निसाचर
भारे अंगद नव पर दा सिर भुज छोरे गिरि मन हुं तरि वर व हु कारे वांचे ते डर वे गि प्रचंड रन दिसि
भागे षल वर वंग चले जांहि अति व्याकुल थाये जन्न ह्वन पवन प्रचंड उडाये लखि दल नासनि

राम

सा चर नायक कोपि तन धायो धरि धनु सायक मुष्य मुख्य वांदर हु सि धाये सिलन द्रुमन गिरि सरनव

३५

लाये सो किय एव वहु विधि सब्व प्रमान होत भयो तेहि समय महा रंन दोहा पुरि न लिए सर वर छिव हव
हव हव दस सेन मुष्य निसाचर और हूं तेहि संग पिले सचेन उठे कवंध अनेक तहं फिरैं न वंदर वीर
लगे अत्य क्रोधित महा करी विपिन षल भीर छंद गीतका लषि विपिन दल सैन जे सर षर विंध
कीसं नन न किये घायन रुधिर को पीक निकरी गिद्ध गन हरषित हिये नतं चले सघाहि पिये स्रो
नित पत्त छाया पाइ कैं अति विप किन न हरैं न धीर कों हि विश्राम अति सुष ष्याइ कै दोहा वज्र रस
न भीषन महा किये ध नषर कोर विविध भांति के वांन वहु तजन भयो अति जोर चौपाई कपि
दल मह सो किये प्रवेसा जंग पिले जनु उदित महेसा छुरन लोकन्ह रच्चा मासो प्रवल वली सुष
दल निविरासो एक एक सर हं निसिचर ईसा आठ सात नो पंच कपीसा अधर रदंन गहि कोप
हिये पो सिंहनाद करि दौर न भयो भांजि गये कपि अंगद पांही विकल देषि हरि पहं जिमि जाहीं औ
गर परम वेग सो धायो दारु को पवसों लरत सुतायो हनन गिरि न वहु विधि के वानन लरत समत ग
जजेंन पंचानन वज्र रूप पुनि अति वल दांना मरमन हने अनल सम वांना दोहा श्रोनित बूसो

लंका
३८ ल

वालिसुतहनेउविटपयकनाहि अमेनिसाचरसरनहंनिषंडखंडकियताहि चौपाई अंगदवासववसंम
वलिवांना षलकोवलैषिअनिरिसडांना भारीएकगिरिवाहिचलायो क्रुदिवचायोत्रासनल्यायो
गिरिससनरथगरसमिलायो सोगहिगदाकोपकरिधायो पुनिगिरिहन्योवालिसुतगाढो गदाटेकसु
रछितरहठाढो धरीदैकमहं पुनिसोजाग्यो श्रवतनरुधिररनरंगहिलाग्यो पुनिठाढोअंगदहिविलो
क्यो महावीररनमहंअतिरोषेउ भारीगदाहननउरभयो टूटीगदालपटिनवगयो इनौमल्हां
क्रोधउरधारे लातनमुष्टिकंनवहुविधमारे दोहा श्रवतरुधिरदुनोचढेहैंसमरहिरंहिगीराइआ
गिवकमानहुंलरतरनमधिरहेसुहाइ चौपाई श्रमितभयेलरिगिरेयानकोउ स्वांसहिलेनजुरे
येदोउ अंगदद्रुमउषारियकलीन्हो पुनिगगहिगदाकोपसोउकीन्हो करनप्रहारदूरिदोउपे
षहुहिचर्मलेनतवभये मारगफिरहिंविचित्राहिदोउ मारनछिद्रलतेतिनहिकोउ पुनिप्रचार
किएवीरप्रहारन विविधघाउअंगकीनेंधारन सोनितरोउन्योनितभीने अंतरकोपप्रगटज
उकीने जानुटेकिकहुंबानिनकाहीं फिरजगफिरहंनेहंनिकहुंलाहीं एहिविधवहुतकालदोउलरे

५५
३८

फेरिमहांसोऊक्रोधहिमरे दोहा षट्वंद भीनक्रोधनिसिचरहं नेऊकपि नहंबालीदीन भुकन
नाहिं असिमारिके छीननासुसिरलीन अंगदसुजपूजनभयेहरषितनहं सबकीस भजिनि
सिचरसुथिरेनभेदुखितभयोदससीस सोरठा पुनिछनमहदससमाथ क्रोधितभयोऊ
तोंनसम गहिप्रहस्तकोहाथ पठवनकहेउअकंपने चौपाई अबसतमहंअतेप्रवीनो
अतिबलजाहिविधानादीनो सद्यहिसत्रुनजीतनहारो अपनीसयनबचाऊनहारो मे
हिंध्यागेकरिबतुबलबंता जाहिकरांहे कपिकुलकरअंता सोसुग्रीवंजननपसिनमारी अ
पनेमनहिंक्रोधजोधारी पुनिसेनपबहुसेनबुलाई नाहीहुरीसबेजुरिआई नानाआयु
धकरवतुरेषा संगअकंपनसभटअलेषा नम्पसुवरनहिंसमरधुनाको फहररहयोन
भमहांपताको जोरेहोरमेघसमानाहि निजजयजेनमलघुकरिमानाहि दोहा मेघारि
धुनिमेघहिवरनमयारिसंमजेहिसेन महांभटनकहंसंगले चलोमहांबलऐन दानव
देवकंपाइनहिसकेकबहुसंग्राम सोईअकंपनचलतभो जासुजथारथनाम चौपाई

चलनभये बहु अस्त्र गुनन ताको महांबीरमनमुरनन वाको पछिमद्वार रहितेक दिआवो सिंहनाद क
रि उदधि कंपायो पुनि भो बलीमुष नरलषलभल गिरि नरु लिये चले करि गल बल निसि
चर बंस भयो महारंन करहिं होउ अति जुद्ध भयावन जे जे करहिं राम अरु रावन समर हित्रा
जन निसिचर घिरे जे जुद्ध मह कबहूं न हि फिरे महां धूलि नभमंडल पूरी अंधकार नहं मोद्ध
ति भूरी सिंहनाद करि करहिं प्रहारा बहुविध आयुध द्रुमन पहारा दोहा श्रोनित कर्दम पुनि
भयो सकल पटं नी धूरि निसिचर औ बंदर सबै लरनलगे पुष धूरि चौ० बंदर महां भीम
भट भारी हरषे बिबिध निसिचरन मारी कंपिनसेन अकंपन देषी पुनि पठये बहु वीर र
देषी कोपित धाये नेवल नाना ईन हूं धाये की समरांना तिन हूं के आयुध लेहें नहीं एक एक
कहें न हिं कुगन हीं नल मयंद औ कुमुद रुधाये महां बेगि कर भटन गिराये लीलहिं क
रि निसिचर दल मरदंहिं द्रुम भूधर पाषानन बरषेहिं लषन अकंपन कंपिन सेना कपो
कुपित प्राप्त बल ऐना धनष कें पाइ स्नत सो कल्पो अवमे जद्धकान मनचह्यो दोहा

राम ३५

षबलबंनकपीसजहं लैचलुरथतहं मोर असकहिवेगहिंचलनभोवरसनसरचहुं ओर चौपाई मा
मनिनाकिहनेड्यगाढे हेनहिसकेकीसानगढे भाजेहुकपिकहूं जाननपावे पीछलगेवानवहु
आवहिं कुमुदआदिकपिलमनअधीरा आये अतिबलननैसमीरा कछुनहिगनिबलसर
नप्रहारा रामखिनभोमनपवनकुमारा रविसममहांनेजतननछायो धरंनिकंपावतअतिवल
धायो येकहिकरयकसेलाहलीन्हो ताहिभवाईद्वोररवकीन्हो हंननहेनकपिमनहिविचा
र्यो लखिसोउस्वतिरोसहिधायो अरधचंदवाननचुहमारी सोगिरिकासोवरधनधारी
सोहा अस्तकालनयकविटपनहंलियहनमंनउषारि पटकोमाहिवहुतनरुगिरिउछल्योवारि
धवारि महावीरकोपितचलनघनकनधरनीजाय चीनकारदिग्गजकरहिंसेसउठअकुला
इ चौपाई दुमजुतलख्यो कीसरितसांनो महारंडधरध्योतकमांनो छुटितचखकंपनमन
कछुभयो फेरिगराजिरंनरंगरगिगयो चलचोदहनाराचनमारे कपिनननिकेरहधिरपनोरे

लंका
३८

तनुजुत गैरिकगिरितंमसो हयै अतिपराक्रमी कपिपुनिको है प्रलैरुद्रसंमतनमुषधापो तरहंनिताकहं
गरदमिलापो गरजिमसिंधुनिपुनिहनमानां पंपोसेनप्रलयागिसमाना गजरथवाजीसहितसवारी
पैदलवहुवहुकपिपेसंघारी विडरिभजेरजनीचरकैसे विगाविलोकिगाडरनजेसे दोहा महावीरकेजो
सौकपितिसैं सवभूमि डारिगारि हांस्थिपारभट गिरेकंपिमहिघूंमि चौपाई पुनिउठिरलंकाकहंभा
गे पीछेविपुलवलीसवलागे गिरतउठतसवलंकहिगये सुधिदसमुषहिसुनांवतभये कनक
कसिपहंनिषीनरहातिमि सोहिरलोहतमततरनमहं ईमि पुनिकियकीसनहनुमतपूजा कहंहिं
नइनकीसमकोउदूजा पूजेंहिंसवकरंहिं उछाहे रामलषंनसुग्रीवसराहे पुनिदसकंधअ
कंपनतासें कोथितहेनहंलईउसांसें कीनेंअरुनद्रगनकीकोरैं पुनिताकोनिजमंत्रिनवोरैं
मंत्रिनकहेंउनिसाचरनायक सिथिलजरुअवकरननालायक दोहा हनिमनगुनिनहंरावन
हुंलमभटप्रहस्तवुलाय वहुविधताहिप्रसंसिकै सियसांस्तनसुषपाय चौपाई अतिवलतुमजव
जवधनलीन्हा सुरअसुरहुअपनेवसकीन्हा औरनलरैनघेमहमारो तातेपठवनतुम्हेविचारो

राम
३८

कुंभकरनकैमेनुथलायेक कैतुमहौंहौसेनानायेक केनिकुंभकेइंद्रजीतहे पठउवओरंनकहूंजीत
हे तातेसेनालेनिजसंगे जीतेंनजाहुमहांकपिजंगे तुवंजेमहैंखंरेहनमानो जानेपरमपराक्रमजा
नो जवलौतपसिननासनहोई जवलौआपनिकुसलनजोई करहुजुद्धनिजकुलहितकारी
करेहुनआलसमनुजविचारी सोरठा सुनतनहिंजुवंधुनिबार भजिहैंचहकितभालुकपि जिमि
हरिसोरकठोर सुनिभ्रागहिंकरिव्रानिका चौपाई रामलखंनदोनैद्धेजेहैं सहजहिंनवमेरेव
सकैहैं हितअरुअहितजोतोहिलखपरै कहुमोसनडरुनेकनकरई सोकहमेमंत्रहिज्ञास
कीन्हो सिगरेसंचिवंठीकसोइदीन्हो दीन्हेसियाहिकल्यांनहमारा औरिभांतिनअहेउवारा
तुमसबविधिममकियसतकारंन दांनमानप्रियवचनउचारंन नियसुनधनधामहुंपरिवारो
लागाहितुवहितप्रानहमारो मेरेउरनोयहदृढताई नीतिरीतिदियनुमहिंसुनाई दोहा हरषित
वीरप्रहस्तपुनिपरस्योरावनपाइ दलअधिकारिनसौंकहेउ स्यावेहुसेनवुलाइ चौपाई उआ
गतमारेवाजनकाटे गिरिहैंकपिगनपदुमीपाटे विविधदांनविप्रनकहंदीन्हों आहुतिलेकरहों

महिकीन्हें सेनसमुद्रसंगलैनिकस्यो रैनउत्साहितआननदिकस्यो धीरघननसमघहरनचाके लि
षेउरगनभलसतनपताके रविसमहैजेहिरथाहिप्रकासा चंदोलसहितेहिवढेउलासा अग्निवल
भटघेरेचहुंओर मध्यप्रहस्तवीरवरजोरा वाजंनवाजंहिंविविधजुआउ उत्साहितभटकटहिंअ
गाउ वाजतमारीभीमनगारे सिंहनादकियभटअनियारे दोहा फूंकोभेरीधुनिमहां रहीपुरि
चहुंओर प्रतिधुनिकरि चंचललहरिभयोसमुद्रउघोर चलेसमुन्हेनकुंभहनुनरअंतकसम
हनांद सेनापतिकेसंचिवेंयेअग्रगम्यमनुजाद चोपाई येहिप्रकारसोप्रहस्तवढारा निकस्योमुर
दलजीतनेंनहारा चलततांहिंवहुअसगुनभये गनहिंनवीरधीररसछये जाकोगुनवलस
वजगजानैं तेहिआवतलषिकपिवलवानें सिलाद्रुमनपरवतंनउषारे सन्मुषभयेको
धउरधारी हरषितहोउदलसोरहिकीन्हें अपनीअपनीजेमनदीन्हें होऊवोलनीवलवल्यां
ई महांभीमनदोलईलराई पेषिप्रहस्तहिप्रभुमदमांही विहसतकह्योविभीषनपांहीं
वढीसेनवहुलीलहिलीनो कोयहआवतरंनरंगभीनों दोहा कह्योविभीषनजोरिकरहेप्रहस्त

गृह बीर सेनापति सकल धक को अतिबल अति रनधीर चौपाई भीसम आग लंक की सेना एके संग अरे बल
सेना अस्त्र सस्त्र महँ परम सुजाना हे जेहि विक्रम विदित जहांना सो ऊदल मिलि गो नहँ कैसे उभय
सिंधु बेला ननिजैसे सक्ति सलक्ष्यो गदा कृपाना मुसल परिघ परसो अस्त्र बाना भीम निसाचर सक
लबल आये कीस कटक अति क्रोध हि छाये पाहन पुहुमिन द्रुमन प्रहारन हँनि हँनि नखरदकहिं वि
दारन लपटि लरन मद पावैं कैसे दोलि द्रोवुध घनलहि जैसे गज गरजन अरु हेहेहि हि नारी भ
रन हांक डंक धिधुनि भारी दोहा रथन व्योम अरु बाज बहु बाजहिं जे रंन मांहि रह पो सो रहे एक सो अ
लगन जानो जाहि चौपाई प्रलै जोर जनु ब्रह्म संस माहीं नवाजे मिलि लग जांन नात जाहीं महारं
नु न भमंडल छाई फतरिधुन्ना नतें रहे सो हाई लखि रज जनु विद्यु की कांनी मीचु वहारनि जनु ले
वटनी बहु विधि आयुध भट धावर खैहिं एक एक कहं गहि गहि कर षांहि कोऊ सिर कोउ छेवे
दारे परे कोउ भुख उदर हि फारे परे अछन खफोर हनमू का कोऊ षड्गन भेदे डूका हने कोऊ अ
रुपन पहारन उगिलन रुधिर रहिं नसंहि महारन पीसे वंदर कोऊ भ हिमिलें काहू के सिर रुंड
मिले छंद कपि महि धापा वज्र सम हति गिरे निसिचर बीर रहे बाट भयंकार रुधिर सरित्ता भये

नेन लनोरहे दोउ कुलर घहें रंदत हंसमर्क कंकरो भू बंन भरे हैं मकर आयुध चरम्क छत्र पदीपरथवा
रन परे दोहा कहरं हे कायल वीर तर विहंगन धुनि छवि देहिं जनु वंसी खेलत अते षेचि ज्ञानतव
गलेहिं चौपाई कटनेन सिर भये विदारें नि परे वीर भय रे आहिं भीरन जनु ते असमस्तानकपे
ना सोहें हि सोवन सुषहिसमेना वंचे जे षलने व्याकुल भये भाजि परस्त के पीछे गये सिं
हनाद करि अति वल जोधा फेरि पिले कोरकारि अतिक्रोधा सेनापति मंत्रि ब्रह्मचारी धाये प्रह
हा क्रोध उधारी हंन नल गेवं दरन समदाई आये भालु कीसरि सिहाई दुविद नारंन ककरं
लरि मासो दुरमुख उन्नत कर्त संग्रामसो जांमवंत महंना दरिंदलसो नारकुंभ हनुकाहं पुनि स

दोहा

ल्सो संचिय नहनि तराखि नहिये सिंहनाद किय कीस कीसंन वल अति देखि के रोषित सेनाइस
चौपाई हंसने असधनु लेसर झारी कीसंन सेन विकल करि डारी भोरस भे कपिदल फिरि
गये छुन्नि न उदयि समनो रहि भयो रंन दुरमद प्रहस्त पुनि धाये नरसमूह नेक पिरलषा
ये चहुं कि नतमें वतु पिलगहें वली मय विधे सानगिरि परहिं कलित उष गिरिगहि धावहिं का

नप्रहारा कटकटकरनगिरिपरहिंपहारा कपिदलकमलकरतषलबागी सबबनहिंआगिजिमि
लागी छं ननसहितकपिलसंहिंप्रानगत फूलेकिंसुकमानहुंपरवत भारीकपिनजुथ्थगिरि
गये चहुंओरभीटहिसमभये दोहा नेहिरनमंडलरुधिरसरभरमभयोअतिघोर वेधेसरमुष
कमलसमराजिरहेचहुंओर चौपाई लसंहिंलंगरनकेसोपांना कपिकचपरेसवारसमाना
नारीनतंजोगिनीनहोंहीं गृदमासकरदमनतेहिमाहीं करपदकैमीनसमराजे करपदधरावे
नकछपछाजे मुदितगीधगनहंसमाना मुंडपजलंप्रहस्तकरजांना रुद्रसमहिंसेनापति
अहई कपिकुलप्रलयकरनजनुचंहहीं चलतप्रहस्तवानआहिअहंहीं सोसरकादरदेषि
नसकहीं तहंतेविकलभजेकपिजोहीं प्रलेपवनजिमिमेघउडांहीं देषतहींपलकपिदल
दल्यो अतिवलनीलसेनपतिचल्यो दोहा निरष्योसोउसेनपतिआवतयहरनधीर रथचं
लाइधनुषेचिन्हिनहनोविविधविधतीर छंद नीलसेनपउरहिंप्रविसंहिपुहुमीमांहिंमा
नहुंदंतकरालकेव्यालवेमउरसमांहि चौपाई अनलसनसमलखिसमकोप्यो दनौओ

ननरँगारंगक्रोध्यो भारी नलगहि तेहि सिरदीन्हों सोउ कोपि तसरवरषेंन कीन्हों नहिगिरि सत्व
न अगनित वरषैं लरत दोउ सेन पतन्हँ हरषैं ग्रुधमहँ बहुछल वल को करँहीं मनहुं मराति मुरा
सुरलरहीं रनमंडल मतें वहुगति फिरहीं निजनिज अंगनि रसा करँहीं मारि लेत हेउ जेजि
य जाँनें हरषित अधिक अथिक जुधठांनें बल सानि दीर नीलन हँधायो वाषि विष्ठ माषि
व्रुषिर वभायो गहे सालका अनीतीसमी नो नहांमहांधु निगरजंनि कीनो दोहा करिप्र
हारर थहयहन्यो तेहि किय आयुध हीन धनुष तोरि हरषित हिये सिंहनाद पुनि कीन तो
छन शठ ननषंनाफि रिल गेविहारँनवीर अंग प्रवत भ्यो नितमेन हुं मत्त मतंगअ धीर
चौपाई लषि लागे गुरकरनव षानन मानहुं लरत सरभ पंचानन पुनि प्रहस्तनहँमुसलउ
ठायो अतिवल नील सिला गहि धायो हन्यो मुसल सो निसिचर घोरा सिलाहँनी कपिकर
अतिजोरा घलसिर फूटि कुंभ इव गयो धूमि परतत्त प्रान विन भयो छिन्न मूलतरु सम
महि परयो नमाठि निसरकपि जय रवकयो निसिचर विकल लंक भजि गये दसमुख सो

सब बरनन भये जाइ नील रघुपति पद परसे रामहुँ चख आनंद जल बरसे भाइ सहित नमि लिपु नित्ता
हैं बिबिध भांति सरनाम राती दोहा सुग्रीवहु औ सकल कपि सहित बिभीषन ताहि महां मोर
सो मिलन भेभांति अनेक सराहि चौपाई सेनापति बधि सुनन नहिं निसिचर बूडे सोक सकुहि
इत्तर रावन सो कित्तरो षिन भयो कहो फेरि अस आं उनछयो सतुन सतजे गुन भट लरे नाजे
कपिन तां घने मरै प्रात आजु जुद्ध मे करिहैं सब बन हिं आगि इब जरिहैं अस कहि भांजु स
मान जांन चरि किसोप यान रसालन मुरदमारि भेरि निसान पन बबुखाजे सेन पसेन साजे
बहु राजे हरखें हि भट घने सिंहनाद करि पटहि बिप्र सुत्तिन मोर भरि दिग्गज सहित सकल नभ
टमेरे ने निसिचर रण अनक हूँ घेरे दोहा ध्वटा समाठि जिन रूप हैं अचल चंचला नैन प्रसन
करैया ब्रमि षके जुद्ध निपुन बल औन चौपाई निकस्यो उन रद्वारे हि आई बल प्रताप जे हि बु
रनि न जाई सुनन हिं कपि रावन आगमन तिमिरि टिग पेस ब जहां सियरमन हांथन पार पसे
लउ ठये गरजें हिं नाजें हिं रन रस छाये कपि दल उद्दिं दसानन जो हलो रनउ न्सा हि नउर

लंका
४२

अनिकोसो तिमिचरसेनसमूहनिहारी लंकेस्वरसोंकहैखरारी आएभजिदिगकपिसमुदाई भए
करेंनबहुप्रतनघाई तिविधिबरनकेधुजापनाका प्रलेमेघसमघहरतनचाका बषतरभषनजुतनतनभारी
कालदंडसमआयुधधारी दोहा गिरिमेरुसमतुरंगनलषिदिग्गजकुलमाँहि अड़ैमहांनिरखे
कबहुभजएनजाहिंपुरमांहि चौपाई उमडीउदधिसमहिजनचैना कहीकोनकीआवतसैना
बरनहुंनामनजुतभटनाना कहैबिभीषनसुनहुसुजाना जोयहगजअसकंधहिचढोबडे
डीलरनरंगहिबहो उदितनरानिसमसुषजेहिलालो अपाअकंपनसुरजेपालो इंद्रधनुषसम
धनुहैजाको बरपंचांननलिषोपताको बिहंसतजोनचढेजोआवत महाबाहुगहिधनुषवकेग
बन बिधिबरबलसठगनेनकाह करतजुद्धउरसहितउछाह इंद्रजीतनयहअहैअजीता पाकीभे
सबभूतसभीता दोहा जोयहआवतरथचढेनिदरतमारुतनमेह बिंधमेरुद्रुहअस्तगिरिभि
लेहुनसमनेदेह तिनप्रतघातकअनिरस्थीमहांबीरअतिजोर नामअहैअतिकायसहि
करतधनुषटंकोर चौपाई प्रलेआगिसमजाहुसरीर महांमेघसमबोलगंभीर एककरबिजु

राम
४२

रीइवइअतिराजे एकफरधनुषभषानकछाजे भुतिअभेदपहिरेवरवषतर सीसहिं सिरकिरीटअति
ऽनकर मधरसम गजपरअसवारे आवतचलेमहांबलवारे हरसोंअस्त्रअमोघलिपाये ना
मत्रासमकरहसुहाये विविधवरनकेनिहिसंगभूता बीजेनासुकोहयपरदूता नामसुदर्शनकु
लिसअंगवहुबल निपुनसस्त्रविद्यामेंहे भल सुवरनभाषिनेमहसमाना सलालिपेकाबीन
महांना दोहा देषोनकुपहिनामहैमहांपराक्रमवान अस्त्रसस्त्रविद्यासकलजानेविदिनजहां
न चौपाई जोयहप्रनिप्रनिधनुसमाजे चढेलसनभारीगजराजे सिंहनारकुरिरंनमनव
है पहननमहामहोदरअहै कनककेविभूषनचंचुलधोरा तापरचढेलसनवजोरा संभा
धनसमअहैप्रकासा नामपिसाचलियेबाडपासा जेहिंतनप्रभादामिनीवारी सिवत्रिसूलस
मलहिधारी सामिरंगवलीवृषभअसवारा एहविधिसिरहेवलनिअगारा धंनसमआयतके
जेहिछानी धनुषकेंपावनतेंनेरंगमानी मत्तासपहैलिषीपताके अतिरथनामकुंभहैया
को रोला कुंभहिआगेलसनजोलियेषड्गधनुपास सेलसमाहिंस्यंदननवलफतरतधुजा
प्रकास चौपाई रनदुर्मदजेहिजाहिरजोधा अहैनरांतकपरहवडेजोधा जवविलरनक

हैं हीरन पोवै गिरि ढाहै मजकंदुमि टावै रतन जटित जो परी बहिल्लौनै नीलमनि नज तरोस हि की
ने मानहुं निसिचर सेन पताका नाम निकुंभ महा बल साका येब हु निसिचर घोर घनेरे गज हैं ऊर बाघ
मुख केरे पिंगल लोचन महां प्रेन बहु रन की भय सो त्रसित नदि गंन हु कर बर बहुत पेक है काहु कोउ
कोउ सम है के नहु राहू सगंन रुद्र समर रावन आवत मकुट विभूषन बचन भावत दोहा भारी गि
रि सम देह जेहि नर निप्र सत्त प्रकास रहां हि कंपित रैन दिन निहु लोक पर त्रास चौ० लखिल
खि एवं न नन रघुराई कहौ तिभीषन सो भुसकाई जस प्रताप तेज अ बलो का सांचे कोउ
नहि कोने हु लोका भागन हु द्विप सो पर पापी मैं सिय विरह जरपि संतापी हरखि न हैवै प
ड़ि सठ कह मरिहैं प्रिया सोक सागर तेन तरिहों लछिमन अग्रस अनुचर रहे जा को रन महं सबे
उत्तम हैं ना को असं कहि धनु घच ढावन रामै भये सगुनन तें अति अभिरामै उहां फेरी सु
मकहौ दसानन बहुत बुझाइ महा बल दानन ना कहु लंक धार तुम जाई पिलि है कोम सुछि
इ पुर पाई दोहा सावधान है बात रहु चहुं किन ना कहु लंक सुबस वांदर रन सेन यह हदलि है
मही निसंक सोरठ अस कहि तिन हि पठाय उत्साहित रावन चल्यो बाजिन कीस मुदाइ

ताहिवहतइमिलसततभेषु दोहा मघनउदधिकहंसुअसुमनिनसकेध्यरिधाइ मदांजोरसोलेच
लेमंदरजनुद्यसिलाइ चौपाई इषिदसांननकहंनतंआवत निजननसोंदत्तिनदिसिद्यावन
उत्साहितलेगिरवरभारी दूकदूककिएसोसरआरी पुंनिमेचोपकवानप्रचंड भूषिनसुवरन
जनुजमदंड कठिनकुलिसननमद्यनलप्रकासा वायुवेगसमजगकरत्रासा कपिपतिनासके
दनमनलायो येविम्रवनलगिताहिचलायो सरसुकंठउरवेधोकेसें वगसुषसक्तिकौचोगि
रिजैसें गिरनकपीसहारिसवनिसिचर सिंहनादकीन्होतेहिओसर छंद गयगवैसरभ
गवाध्वतोतीमुषदुरिषभसुषेनेउ नलआदिजुध्यपसकलधायेसहितअपनीसेनऊं
वदुगिरिनतरुजूहनचलायेसोसरनकाटतभयो मरकनकभूषितपुंषअगनितसवनि
कपिउरमेंहयो दोहा पुहमीभारीभटगिरेऔरेधायेवीर जिनहुंनकहंडासोअसनिहोनिहं
नितीषेतीर चौपाई औरोआवतनलषिवलवानन अवनिगिरायोवेधनवानन भगेवलो
मुषधरहिंनधीरा कहिजेसरनपालरघुवीरा चलेरामसुनिआरतवैनें ओरिपोनकहल

छमनचैनै महीजुधकरिहोयाहिसंगा पहिलेहिप्रभकहेउचितनजंगा सत्यपराक्रमपतिप्रभुबोले जैसे
सारदयानधजनोले अभुतपाकेविक्रमअहै तीनिउलोकडरतयहिरहै जोअपनेमनकोधरिधीरै
नीचमुभनकहैसतिसंधीरै गुरुअपनपौकिहेहुवचारै लरेहुनयासोकरिअतुराई छंद करिआ
तुरीनहिलरेहुनासोहैंनेदुछिहिहितानेकै सुनिवचनप्रभुकेप्रजिप्रभुपगचलनभोभटमाखिकै
गजमुंडसमभुजदंडसोजुधरिधनुबसरहरविनभलो रविउदितसमपुनिभयेलछिमनलखन
कपिदलबलरत्नो सोरठा चलनहिलखिनहि पवनसुतगयेप्रथमहींधाइ आवतनिरख्योए
बुनहिंछोडीसरसमुदाइ चौपाई पवनसुतसवसरननेखाये महांक्रोधघनिजउरमतेधारे वां
हउठायेरथलोगयौ डारितासहुँसमबोलनभयो सबनेविधिअवघकारिहिनहां नरवांनरनैं
अमयनकीन्हां मठिलगेप्राननजिदेहै तदिहौंमाददुजनहिंसरहिलेहे सोबोल्योरनरंगहि
वाल्यो निरभैकरढिप्रहारहिगाढे जगमैंजसकीलेहुमाना महूंचहोनैरोवलजोना पु
निततमैनाससहितवकरिहौं फेरिसकलयहसेनसंहारिहौं हनुमनतकहोअछ्छसुधकरो सुनि

रावनउरअतिरिसिभरो छंद करिरोसरावनहन्यौनलकपिवारवारगहैं लसमभो थम्हिरहोतहंजुग
वुरीलोपुनिरदिनघापरचलतभो दसकंधवेझोआपनोउरकोपकरिकपिनेतिहन्यो भकंपभ
धराकंपतजिमितिमिकंप्यो सो सुरजैभन्यो सोरठा दसमुखलेतउसांस कपिगहिसरातनविविध
विधि कपिकरुजोविनुसांस तैनभयोनोमोहिधृग रोला वलगनततजिदरवुद्धिअवकीलि
मोहिप्रहार पुनिमममुठीलागतेजेहैजमहिअगार चौपाई उठिकंनएंवनमारतभयो सु
तिवलकोसविकलव्हैगयो कुहेहरविनलखिहनुमनविहवल गयोनीलपहंअतिरघदसगल
परटपंखजेसर्पसमानो हन्योनीलकरतेवहुवाना नीलतुसैलशृंगनेहिमास्यो तीछनसारन
कारिसोउडसो महांवीरहनुमंतहजाग्यो निकटजाइतेहिनिंदनलाग्यो नजिमोहिऔरैसेजु
धलीन्हो तोनैनीचनीकनहिकीनो तिघरहिकाटनजुधअनुरागी तेनपभयोमनहुंका
लागी मारीतनउघारिवहुजानो लोग्योजुद्धहननवहुभांती छंद रनमत्तहननप्रचारिए
वनमवेतरुकाटनभयो सरवाषितेहिंलियरूदलघुवयुकियेकपिधुजचढिगयो लखिनील

लंका
८५

करधुजपरसांनन हंनन सरिसि पागिके दसमुषकिरीटंन वहुप्रहारंन करतहै कपि वागिके दोहा
भुजभुज धनुषंन सरन सिर फिरन कीसइमि लोल जिमि गिरि श्रृंगन सिंहसुत विहरन कलित
कलोल कवित्त करतउ पावै लष करि नहि पावै नवको पिषलरा पैउरआथि कैनचतु है व
लीजो कपीसनमय रावन के सीसनमै कारि कारि षीसंनमय षोरतनमचतु है दसमुष चाक्रि
त कपीसहु प्रसंसि रहे ना कीना हि ठौर कवि उपमा सचतु है गिरिमइ कंजवहु कंजनपै भानु भौ
भानन उपर येकभौरैं नचतु है चौपाई सिंहनाद अति कपिपति करई हाथिन सिरभुजहु न
हिं विचरई रामलषंन हनुमान हुसराहे विसमिन ताकु पराक्रम चाहे रावनहू विसमित ह्वै
गयो कपिदलमहं कुलाहल भयो धुनि सुनि वानरसौ अति सैं क्रोधा कतकपि सोंनिसिचरपति
जोधा भुजसिरभुज लहु कीन्हे कापा भागि फिरहु कलित नमनापा जो तुम रे याहि सरसोंवाव
तौ तुम नीलवीर हौ साचे असकहि सर लिय जनुजमदंड अनलमंत्र मंत्रित किय चंड
महा वेगि सोंता हि चलायो लागत नहि ये भूमि कपि आयो छंद उर दहयो अति कपि जांतभ

९९

ऐसहि प-यौ हाहा खर-यौ सुनअनलकोप निसिचरप्रतापतो कपि जियरख्यौ बहुराक्ष
नैं के चक्र रथके लखें न परे गो धाइ के तेहि देखि संग्राम हित रसमुख परमसुख उर धारि के दोहा
महाप्रतापी वीर प्रभु जनन जनत लख्यौ मरजोर आवत अहि सम लखि विलखें नका देखउ कोरे
कूर सर कटे दस सुख क्रोध करि बहु परम तीछन सर हये रघुवीर अनुज लु काटि ते सब बे गिसो
ऐसहि छये निज धनुष बान सरकनक भूषित मेघसम बरषन भये ते बान मृदे जो निराबन तन नहिं
पार हि है गये दोहा लखन तन लखें न कर लाघवी विस्मित भयो सुरारि पुनि प्रचंड बानन्न तजे महा
क्रोध उर धारि लाछिमन हूं तेहि विधन हिन कोड वर सर जाल बायु वेगि सम वेगि जिन छाइन
लज्वाल सम ज्वाल चौपाई आवत लखि रावन वलि बांना निज बानन करि तेवांना तिन वि
धाता जोन नराचा जा की काल अगिन सम आंचा सो मा-यो लछिमन के भाले कछु भे सिथि
ल लखें न तेहि काले पुनि लहि संग्या क्रोध हि धा-यो काटि सत्रु के धनु बान डा-यो पुनि तेहि सी
स नीनि सर हयो महाविकल रन रावन भयो मुरछित ह्वै रथ मह गिरि प-यो विविरं नखे गअं

लंका
८५

गरुधिरहिमसैं जागिसक्तिलियविधिवरदांनी बिगनप्रांनकरांनीयकप्रांनी लछिमनहूंपरकोप
चलाई पवननननवंअतिआतुधाई दोहा आवनवीचहिगाहिगहि गरीसिंधुमझारि अचरजल
थिहसकंधउलागेकरैंनविचारि विधिमनतपनिरुफलकियोहिन्होंठगिवरदांन जगतपितामहं
जानिमैकियनकवहुंअपमांन चौपाई असगनिकरिक्रोधहिउरधारन नजिरनचल्यौविधाता

५ हिमारन सकलंरविधनारदहिधुलायो तिनकहंअसमझायपठायो तुमहनुमंतहिलेहुवु
लाई रावहुनभमहंवानलगाई जवलगिरनमहंहैहनुमाना नवलागिनिहफलसक्तिन
हांना दिहेहुवुभाइखलहुकहंफेरी सक्तिविफलअवअहैननेरी मुनिनारदअजअसाकी
न्हो रावनवहुरिसांगमोहलीन्हो उग्रमंत्रअभिमंत्रिनकेकै छोडेनेहिउरक्रोधाहिभारिकै
सुपरनपछसमाहिधुनिधारी चलीसक्तिसवजगभयकारी छंद करिनिजरूसहुदिसांन
सक्तिअनंतउरवेधनभई निजज्वालमुरछितसकलकपिकरिपाराछिनकेहेंगई पुनिठ
नकिकछपपीठिपलटीवेधिनभमारगचली मेसकलकंपिनदेवदांनवगिरिनजंतुअवनी

राम

हनेसि दोहा मुरछित नहैं लछिमन गिरे धायो निसिचर ईस आइदाबिसंग्रारतिन गहतभयो भुजबी
स जाकेसबजग है अधार नाहि उठाव न कर न बिचार जो समरथ त्रिभुवनहि उतारन सोत
नलबंधन हसोई एवन तिल भरि लखंन न चलन न चलाये देखहु हनुमंत हु जब आये रदंनपीसिअ
तिक्रोधित धायो तेहि उर मुठिका ये कलगायो नीच जात भरि भूमहि आयो उमडि रुधिर नयं
न न महं छायो धूंमनजार गी सोरथ मांही तनक छु रही देह सुधि नाही तेहि बिसंगिल छिमो
हरि कीनो पुनि हनुमंत लखंन कहँ लीनो कीस भक्ति तें प्रभु हलवा न्यो जागि लखन कपि अ
वरजे मान्यो छंद लै गये जु रतें हिं राम पहं कपि लखन प्रभ क्रोधित भये धरि चाप सायक तीनर
लगति सों रंम रावन पें हगये तहं जोरि कर हनुमंत कह मम पीठि असवारी करी जिमि गरुल पर
असवार परमग वान निमिया सो लरी सोरठा तैसा हि करि रघुनाथ मेघगिरा बोलत भये रेरे स
ठ समाथ बचिहै नहि अब ठाढ रहु चौपाई छपिहै जो विध हरि हर पीछे न ऊका दिहे मम सर तीछे
सुनन न बच फ्रति कुलिस समाने अरुन नयंन करि रति पि भगवाने कोधित रावन पें चेष्वा ना

लंका
८७

महां भीम काला गिसमाना हन्यो जोरि करि हनुमन सीसा कछुक विकल तहं भयो कपीसा पुनि धायो कपिधी
रजगाढ्यो कूदि गयो तेहि निकट हिं तब लौ हनुमत छत नल षि प्रभु अति कोपित षे चे सर षर सां नाहिं लोपित
षल के छत्र चमर सब काटे धुज रथ हय सन हु सिर छांटे धनु षतन न मुकुटन हनि डार्यो बांन येक ताके उर
मार्यो छंद कटि गये चमर न छत्र उछत न भये षल श्री हत भये कच षुले लोचन लोम धप दल के मून हुं बे
कल है गयो पुनि कहो हौं हं सिर धुवी रे षल सत्ता आछो करी अवजा इहां कह हं सवत्त दल ले आइ
है औरि घरी सोरठा सुनि बानी दससीस लाजित तन कहिं जान मो लखे सब ये कपीस सुर मुनि जे जे
धुनि करी चौपाई एं महं पुनि लछिमन पहं आये निरषत लोचन नीर बहाये प्रभु सोचत सुग्री
व्रतु सोचं हि विकल विभी षंन इग जन त मोचहिं कह्यो नाथ पुनि सो कित बांनी मति रहि ठिकर
नार सम महं सांनी पीछे कर तब असन अनरुपांना अब कस आगे कि हेतु पयाना धो दि विभषनी
कहि आनि लाग्यो ताजे मोक हं रन महं त्यागो धौ मेरो बल लघु किय रावन्न रसर पयं हं सो जाहु
जनोवन तु मकहं मैं आगे करि दीन्हों रिपुसो न गहि पहिले हि जुध लीन्हों जरपि कहौ तुम लेन ल

राई लखन महँ अति इन साहवछरई दोहा वालवचनमयँ कानकीलश्रोननृमरहिं नेलारि सो फलभोग
न अहहुँ अब परम सोक कहँ धारि चौपाई जब जब मैं अनि सोक करि लहेउ नव नव बोध देत तुम
हेउ लखि लछिमन मोहि अब अनिडधी उठि समुझाइ कहा किन सुखी देह हु कहा तुमि
नहि जाई तुम सम अल भ जग न महँ भाई पवँन सुन हु कछु नीकन कीन्हो जो रन महँ नमक
हँत जि दीन्हां होत भरत जो यहि रन माही सो असद सा होति ज वनाही दसाँ लखँन विनाजि
यवह मारे अस कहि चाहँहिं धनुख पसारे लाज्जित पवन तनय सत्रु वनई अपने मन
व उ चूक हि गुनई सुनि कपि सोन वन हि र ति गयो जो रिपां नि अस बोलत भयो सोरठा बचीत
निसिचर वाम काहे कहँ धनजित जिस प्रभु सो सन लहहुँ जो रांम फोर हँवँ ब्रम्हांड हि घट हि चौपाई
प्रभु कर हनउ हमहि मधि गयेउ दसकंधर जय पावत भयेउ कपि कह प्रसंहिरातु जो सम्ति
हैं ग्रहनायक नाहैं चंद्र हिम महँ लछिमन दिसि तकि कह पुनि रघुपति स्रोमर विगति सरता
नहि सति जेहि लछिमी कहँ वंधुन भोग प सो मम नमतँ है सो सम रोग प हनुमत लाछिम

नकहँलषिवोलेसो आपनवलप्रतापसवषोसो नागनजीतिसुथहिलैआंउ कहोनोचंदनिचोर जिआंउं कहहुतोजमहिंवांधिलैआंउ दंडधामरोउतोरिवहाउ मुनिरघुनाथगुसोमनमाहीं अवहिप्रलैकरओसरनाहीं दोहा कीन्हेंभाषतपवनसुतयेहिमहंनहिसंदेह कपिहिंभ्रात रामपुनिवोलेसहितसनेह चौपाई येहिमहंअनरथहेकपिनायेक कहहंहिंसुषेनकारनसोइ लायेक सुनिउठिकहलोसुषेनसुजांना ओषधगिरिओषधिभगवाना रैनभरेमहँओ षधिलहै तोप्रभुलछिमनजीवतअहै जोजंनचोसठसहससोअहई प्रभुकहसवनिज मेगहिकहई तीनिदिवसमनलप्रथमाहि गावेहेदिनदुविदमयंदवनाये नीलसुकंठयेकदि नमाहीं कहेउलैआउवअचरजनाहीं अंगदकहजोप्रभुमेजैहों वारिजांमभरेओषध लैहों पुनिहनुमनदिसिरघुवरताके वोलेउमलांवेगवलजाके दोहा जवलोफुटनेसमरोसा परतवानतनदलागि तोलौसोगिरिआनिहो रामलषनहितलागि चौ० कपिमनभरतरीरखा जांनी वोलेरामविहंसिमृदुवांनी जाहुवीरसोगिरिलैआवहु वेगहिलछिमनवंधुजिआवहु

लेत अ.वधकी खबर हुआयउ सुनि कपि करि प्रनाम सुख छायेउ द्रुत उठि लिउ चीस वलंका ते
हि गिरिगो कपि पुस्न असंका लषंन मातु निसि देष्यो सपनो अहि लीलो भुजवां य़ो अपनो
जागि भरत सो बरनि जनाई पूछेउ भरत गुरहि वोलाई गुर कहउ सपन नीक नहि जोई कीन्हे
होम सांति ग्रह होई धनुसर सहित तहि विधि सिव ताप़ो होमसा जु लेहेम कराप़ो दोहा निज
लें गर लपेटि कै कपि हुउ पाप़ो सैल महां वेगि सो व्योम है चल्यो अवध की गैल दिव्य ओष
धी तेज जुत करहिं लषेपें नत्रास पुरनारि तन के ओसे भरत न तुलष्यो प्रकास चोपाई गुनउत
पात क्रोध उर धाप़ो वेंचि वान यक कपि सिर मारो रामलषंन कहि कपि गिरि परयौ उराछि
न विकल रुधिर रज भरयो सीघ्र न भरत वान को नायो वेगहि चलउ न प्रान स जायो पुन
नहि राम लषंन अस वानी भरत न युध्य अतिसय व्याकुलानी गुरजन आगत तं चलि गये
परन कीस के पाप़न भये पुनि वसिष्ट तेइ ओषधि लीनो करि विसल्य पीडा विनकीनो नवहि
नमन त सप्य व वरिष वांनी मनत भरत मति अति डबसांनी प्रभ वानीजे भरत सराहि ते तुमि

लंका
९८

त्नकियकपिमनमाहीं सोरठा बोल्योपवनकुमारअबकैसेमैजाउहीं नाकोकाहुविचार भरतकहे
अतिमोरसैं दोहा सैलसहितममबांन चढिछिनमहंजैहौलंक प्रतमहंकछुसंदेहनतिकपि
तुमचढतुनिसंक चढनमहांननआनि गरुयानो रामबंधुधनश्रुतिलोगानो नवकपिउनर
दंडवतिकीन्हों कह्योभरतमैनमकहंचीन्हों तुम्हैकतायहअचरजअतई जातिसगलनप्रभुमि
तिरहई मोकहंसोमनदेहुगोसांई जैहोंआपपवनकीनाई प्पढ्यकुसललैनमकपिधायो
छिनमहंसैनानिकरहींआयो सूरजसमलविसैलप्रकासा तेहउठेसबप्रानतहिचासा सो
धलेतनिसिनिसिचरभया व्याकुलतलख्योप्रकासअनूपा औषधिलैगिरिसिंधमझारी श्री
योकपियहमनहिंविचारी दोहा बहुरिरजनीचरनगननिरेधाइनेआइ मथनलग्योकपि
गिरिलियेप्रबलक्षजनसमुदाइ चौपाई कहुंलंगरकानगिरिलेई रजनीचरंनचपेटनदेई
जिमिरविउयेनिसिचरनमारी तिमिहनुमतसबसैनसंघारी भरेगिरिकोउसिंधुमझारी कोउ
भागेकपिकीभैभारी आयोकपिगिरिपवनाहिपरसे जियेमृतककपिउठिसुबतासे सेनापति

राम
९८

सवमोरहिपायो हनुमंतहुंलछिमनढिगआयो लेओषधीसुषेंनलगाई लछिमनकेतनसुध
नवआई गतपीरापुनिउठेहुंकारी कहरावननरंनहतोप्रचारी नवप्रभप्रमदितकीसहिमिले हनुमा
नहुंसुषसागरहिले सोरठा प्रभकहकलिनविचारवारवारपुलकितमहा हनुमाननवें उपकार
रिनीअहोमैंसर्वदा दोहा आनदजलमोचनतनवचंननगहेउकीसहेउपाइ महांमोरनेहितमैको
गिरिजावरनिनजाइ सोरठा पुनिकहनाथउदार सुधीरहोकपिसर्वदा करतुंजोमैंउपकार
असनपरेसमयोकवहुं चौपाई पुनिरघुनाथमुदितनिजभाई नवायोआसनउरलाई
गयोलंकपतिलंकहिकैसें सिंहससेटोकरिवाजेसें परीसिथिलसवईजीजाकी हरिसाविकल
बुद्धिजुवतिताकी क्रमदंडओगाजिसमाने सुमिरनव्याकुलप्रभुकेवाने लज्जितवेठेकनक
सिंहासन लेनउसांसरामकीवातंन वोल्योपुनिनिसिचरनवुलाई ममनपमिथ्यांभोअवमा
इ जोमैसुरओअसुरसंघारो सोनरवानरसोंअवहारो नरतेडरपुरुषविधफलपो सोमैपाहि
ओसामरलसो दोहा मेअवधपहोंसवहितमरिहौरामहिंहाथ संतनरंस्रोम्रापहिदिसोउकर

लंका
५०

पुनिरसमाय ममकुलमहंउतपन्निको उहैहै पुरुषपरेस सकुलसुरदलसंघारितुमकरिहै सुतलंकेस
चौपाई सोरोजहंतहंआपहिपायो नानैंतिनसौंवरनिसुनायो पुनिकहआपनमिथ्याहैहै ये
हिओमरमहिकुलजुतखेहै समिरिमयेअवकरहुउपावै जातेजुधनसोमननपावे नामजख्यग
धर्वदेवतंन अगुरहेजीनंनहारेजोरंन अतिगंभीरमोरलघुभाई सोवनब्रंलखआपकहंपासी
करिकठोररवलेवहुवारंन नाहिजगवावतुसुभटहजारंन आवतुममदिगकरहुनवारे बदहुप्रका
रननाकहुद्वारा करिमंचलिखिटमांसाहिसोवे सातआठनोमांसरहिजोवे दोहा नुरनसंघारिसेनस
वभयपरहरोमहांन है पताकममसेनकोकुंभकारनवलिवान चौपाई जवअसतसोसनदीन्हे
रावनं सोचितनिसिचररसलेजगावन गंधमालभटमछहुसंगा चलेवीरजिनकेवडअंगभा
रीप्रवलड्वाररुताको भारीपलंगजरितमनिताको अतिचौडीलंबीतेहिदेरी अनुपमफूलसु
गंधनभरी सीतलमंदपवनतहंचले रतनरचितछितिलीपीमले जाइनसकेंसभटतेहिमाहीं
लागतस्वांससमीरउडाहीं करेजाहि गहिसबसमिरनभये महालंकेससोभीतगये बाहसीसथ

राम
५०

रिपसो महांजंतु सोवनाछिनि जुत हिरन्याक्ष जन्तु दोहा करतिनो कछु निमिष सम बोले मुख हि पताल
महां गंधते हने उठमि जो भ्रम महां जन ब्याल चौपाई कोटिन सकर महिषम गाये अगनित अन्न समूल
लगाये मेरु सरिस धरि भोजन राती ऐसे घट निरूपि रउरवासी सब संचित न करि कै नेहि आगे पु
निभक्त निलागि जनगाव नलागे एक हि वार अघोर रवकी नो बंदन लिपि तनु पने गेही नो कुसुम हार ब
हुविध पहिराये पुनि करि सोर नाम गुन गाये दोहा निसान नभेरि बजाये जमैन नवहिं क्रोध उछा
ये देह नालन मुष्टिक सम्मारहिं सिंहनाद कारि नाहि पुकारहिं मानहुं सब दिग्गज चिकारहीं ओझ
निसोर विहंग गिरि परहीं दोहा नहि जायगो नव कोपि कर सिगरे बलाहि अगार गदा मुसल मुगरे
परिघासि रउर करंगहि प्रस्तार चौपाई सम हे जान और जो कोई पर न स्वांस मंडल म हंसोई है आव
जिन नेभ्रम मारे कुलिस हु कठिन गुने अंगसार हेलाधी वर उठन भागे नाद न उरहि धमांवन लागे
पुनि सब परिजन हुं बुलवाये नेनसिन बहु बाजे बजवाये आपुहि करन लगे सुनि सोर गहि गहि
षंम हुं नहिं करि जोर अतिरव गिरिन हालन लागे चीतकार करि दिग्गज भागे कोपे पुनि ताके

लंका
५९

नहिजागे कोटिनउंउनमारनलागे जुरिजुरिनाहिहलावहिं रिसिकरि कुंभकरननहिडोलतजिलभीरे
दोहा कोउअनहिंकेसघरिधरेरदंनकोउकांन कोउभरिकाजोरका हनहिंपरमबलवांन चौपाई
कुंभकरनकाहिनासाधारन जलठकाढ़िदेकुंभहजारंन आइरहोउनजोकनप्राना छोरोछ्याऐवु
हुवलवांना मागसीसउरमुगदरमारंहिं जगेनतबउरकोधसधारंहिं जागनहितबलुकराहिउपाई
गोलनमारंहितोपलगाई गिरिदिग्गजसमगजनहजारंन रदपदकरनकरापोताडंन आग्फो
कुंभकरनतबगनिमन छुवतअहैकोजमेरोतन सोजम्हांनमजउंचेलीने जेबलुवज्रबानसाहे
लीन्हे उठे वीरजेहिरूपमहांनो प्रलैकालकोकालहुमानो दोहा प्रलैघनलसमनेजजेहिजां
निछुधितसववीर भक्तलवाइततेहिभयेकंपितहेंरनधीर भोजनकीन्होसोअसनपिपोरू
धिरओनीर मरपीकछुनाबितभयोकुंभकानगंभीर चौपाई उनिफरिनेगहिप्रनामसववैरौ
कुंभकरनचक्रितचितहेरो कहिकेहिकारनमोहिजगायो कोनभयसंकरओसरआयो मिलेदेव
देतनतगवासव आये होहिगरबपीआसव नौरनमदिमैबांधिलेओउ उनितावनपगनीस

५९

न्हाउ निसिचर सकल खवरि कहि गये जेहि विधि जेज भ्रत भट भये सो सुनि कठ सोक पिनहं मीडो
ॐ पुनि दससमुख केसन मुख जाउं कहेसो महोदर सुनि न पवांनी तिनके गुन लेसन सब वखांनी पु
निकरि सो सपनो मन भायो असकहि नुरनहिं इन पठायो दोहा एकन पठंसोक हत भोजंगेसो भी
मभट भाइ आवय तुम्हो निकट के केजु यहि कंहं जाइ चौपाई हरषि लंकपति ताहि बुलायो निसि
चर गुर तें हि आइ जनायो उठे उपलंग ते सुनि बुल वांनो है हजार घटमर किय पानो केछुक अम
ल चष आयो जांनो उठि अस्नान किया अभिमानी दे किरीट सब भूषंन पहिरे पतसज ले
पित नि कस्सो बहिरे चंदन बिंदु [illegible] लि सिर ताके मानहुं घनमधि लसत वलाके रविकर कुंडल
मुकुट सोहाहीं बैरविजन उदयाचल मांहीं पहिरे वषतर महा प्रकासी बस्योबंधु पठंअ तिबल
रासी अस्मुत ताहि सरीरा है देखत भागे सब कपि भ्रत मन लेखत दोहा महाकाल ब्रंह्मांड को
ओगन करन संघार गिरत उठत ब्याकुल गये जहं श्री राम उदार देखि विभी षंन सोक हयो रघुवर
मद इमुसक्यार जाइ डील तें व्योम सम च लो लंक मथि जाइ चौपाई कहहु कोन यह जोधा अहई

जाहि लखन कपि दल पर भर्जई कहो बिभीषन पर ममभाई अतिबल अनै सुरन उ बदाई जीते देव
दनुज बहु निसिचर याको जस त्रभुवन महं धाय हे बिरुपलोचन नैनभारी कोउ नाहिं कहुं याकी अ
नहारी कालमान यहि लेवै डराने मेरु दरिन सुर रहै लुकाने यह प्रकितिहि नेअतिबलधामा कुंभक
रन जानी यहि नामा सिसुवय प्रजैनधान पर लाग्यो प्रलै काल नगुनिज गसव भाग्यो कोपितथा
सव व जहि मासे गरजि बीर बाको धहि धाये दोहा ऐरावत नर खेचि भट हन्यो इंद्र उर माहि
उगिल तरु धिर रहि महि गिरे रहोर तसुधि नाहि चौपाई गरजत याहि जोहि जै पाये देव दंन
व हु अति भे छाये सत्सलोक सव गये पराई विधक हेंसग रीषव रिजनाई कुंभकरन जो रोज
हि खेहे थोरे दिन जगत्र कसव जैहे सुनि विधि कियनिसिचरन अवांउन सकुलतलां पहुंच
न मोरावन कुंभकरनल खिवीधिल डराई कंपित थापाहि दियो मढाई सोवेल मनक समो नाहि
जाई सुनि रांवन मन अति अकुलाई असतुति करि पुनि के लयो बुझाई कोटन को उका बागल
गाई हम तो तुम्हरी है फुलवारी आपमोच नाहिं कर लुवि चारी सोरठा पलनो जानितुम्हार उचित

श्रापदीन्हेनही अबकरविमलविचार जागनकीकोरैये अवधि चौपाई विधकरएहमोइहिषट
मासा एकदिवसजगिहैअनयासा करिमो जनजगघालीकरिहै कोअसभटजोएसन लरिहै
प्रभुएहकुंभकरनहैसोई महाबलीअतिकायहैजोई तुंबैबललखिरावनडरपायो नाजेपाहि
जगाइबुलायो अपनेग्रहलै रावनऐनै जातअहैएहप्रभुजनचैनै प्रभकहुकपियेहिलषुन
देतोने कैसेलरिहैहैरासहिछैने कहेसोविभीषनकरिसहमाया एतयोबारउरहेतवनायो पि
रतुसबैभटकछुभयनाही धरहुहोसअपनेमनमाही दोहा पुनिप्रभुकहुसेनाधिपतिनील
वेगिअबजाइ एरुबइवस्थापितकरहुद्वारेनसेनबुझाइ चौपाई सुनिसासनपगपरिरघुराइ
करीनीलअगेसमजाई लागेकपिपुनिचारेउद्वार महाभीमबलतेजअगारा कुंभकरनहूंभरि
अतिचैनै रविसमनिरख्योरावनऐनै पुनिसुरपतिसमलखिनिजभाई कहेसोजोरिकरसीसनु
नाई रावनहूलखिनेहिरुसत्यागो हर्षीभयोअनुजाहिअनुरागो उठिउठापनिकटहिलैआयो
आदरकरिआनंदबढायो पुनिप्रनामकरिसोहंसिबोल्यो नाथकौनमतिनिजमनतोल्यो तोउ

लंका
५२

निरावनपुनिमिलितांही रिषासिंहासनदीन्हौंवांही कुंभकरनकछुकोपनेंकह्यौअतनकरिनेनकेहि
हिनझादरकरहुवहुनाथकहहुसोवेन चौपाई रावनकहभेभईमहांई सोवनतुमनगहिजासोभाई
कपिदलसंगतासाथिराम नेउदधिआयेयाहिठाम हेरेमहांसेनलेलंका नासकरतनिसिच
रननिसंका एमडेउकीससमुद्रअपारा वहुतवीरवूडेतेहिधारा इनकरनासनेकनहिदेख्यौ तातेनि
सिचरकुलछेलेख्यौ एमहिंसदलअजैमैमानौ तातेंउरभारीभैठानौ जुववलवंतमहांभैह
रौ हमसवकीअवरक्षाकरौ सोहिकारनहमतुमहिजगायौ कपिनखाइनिसिचरनवचायौ
दोहा सुनिसुरारिकेवचनअसकुंभकरनमसकाव परमपुरुषसोरारिकरिकिमिपावैकलसा
न साहवजोगेहैनिजहितजानतधर्मअधर्मविचारि कीवोयनकरिवोग नहिंनीतिरीतिनि
जुहारि चौपाई ऐसेनरपडवककहुनधावहिं अर्थधर्मकामहितपावहिं जोनिवुझिजेका
हिंअनीती तिनकहंनेहफलधर्मसवनीती कारनकाजकुभमंतिमंत्रगाहै नृपतितिजिनेकी
ततननसोकहि जोनेगिनापतुंनकीनाई हेअगत्सवलगरिवरिआई साहवनजानहिंसवि[illegible]
रनवीचा मिथ्यांकथनकरांहिंमतिनीचा सुंदरमंत्ररुचतननगहिजाहीं तिनकोकहतौकावनाहि

राम
५३

ढीठ अतिनकहं हितजेकहहीं मंत्रहिबाहेरबुधनिनकरहीं नामतनअपनेकीन्हें विपरीतो प्रभुहिकरां
तुहिंसचिवंसप्रीती दोहा हेअमित्रमित्रहिगुनहिं तिनकहँजेकोउभूप तासितसत्रुननेमहोंपरत
सोककेकूप चौपाई लघुगुनिरिपुनतवीरनकौरै राजसभाधृष्टिनेसोकाहि भैरे मंदोदरीसोंकहसोवि
भीखन तुमहठमेतेकरीनसीखन ताकोफलअबप्रगटहिआयो अबहुंनकाहुमंत्रमनभायो
तुनिसकोपवोल्योतवरावन देहिकहातेंमोहिसिखावन जेठोमैंनेरेउरसमहौं पुनिवहुतेनगहि

ल

कछुकमिहौं काहेधर्मकरिवचननकहो करोकहौममजोमन चहौं सासुननिपुनकैअहंहुं
अज्ञाना युध्यमानकेपरमअजाना मेमनगुनिअतिवयसबठायो डरअवकेसंसुनंउसिखा
यो बोला गावबहितेंकेमोहनेंकपटकरिविमलविचारि तुम्हरीसबकीसीवसुमसुनीनजोकरिप्या
र चौपाई भाईसोमोकालनहिनाहीं रचितजुध्ययाहिऔसरमांहीं ममअनीततेंप्रगटमहा
दुख तुमहिदुरिखावकरहुदेहुसुख गाटेकरनसहायहैजोई भाईसहितमित्रहैसोई ग्रहनकरेजो
बंधुअनीती भाईभाईकीपहरीनी कपटविभीषनहिंइखउनजाहु पाहीकरोकपटसहितनउछाहु

कुंभकरनरावनमनजांनी नाहिपियारिकहतमोवांनी हमरेजियतदीनजनिहोवहु सुचितहोहुसं
तापहिखोवहु तुम्हरीपरमप्रीतितोलरिहौं मैकपिदलनासहिखवकरिहौं दोहा रोचितमोहिक
पिदलरलन देखिदेखिरनमाह सुखिपहौंहिंनिसिचरनतिपजऊ जिनकेनाह भाईजोपिरोईस
नहिहोईसहोषरारि अतिबलवानहुंनउत्तेहिंडरिहौंरनमहंमारि चौपाई रामजोबंधुलारिकम
हंलैहैं तोमोसननरनजयपनहिपैहैं आयुधबिनहिंदलहिसंघरिहौं फेरसुरनजुतसुरपतिमरिहौं
दोनउबरहैनहुंनदलडरिहौं सिंधुसोखिछिनिरजकरिमरिहौं रविससिनखननसहितगिरैहौं
औरनमहंकोधितमैधैहौं बहुतकालसोवतनेजाग्यौ अबमैजुधकरनमनलाग्यौ तोहनम
हामलकहंलीन्हें भारीरूपभयंकरकीन्हें असकोजोदेखतनहिभागी रहीरनहिंडरिप्रानहिंत्या
गी कहहुंउकहांनगिध्रवबहुभाई चार्यौ [illegible] दोहा भक्ष्यमानसबभूतमम देष
हुमेरेजोर चलतअहौंजगबांनमयं किये रूप अतिघोर चौ० जेतेजीवबिलपतिमाहीं हयेंअ
हारप्रानकहुंनाहीं इहदलकेहैकेतिकबाता मुषसोबिहरौंप्रवतनमभाता कहरावनजांनहुंमम

रीती जाहु तान आवहु पुजौनी पाहि हिनमैन मैं जगपासौ भलो जय काओसर आयौ बंधुवली
ओमित्र मरोहीं तुम सम कुंभकरन कोउ नाहीं लिये पास कर काल समानो जाहु गहे सलहु बल
वांना जाहु निसाचा हुंन संगलीनें जे अति सुभट पीहिन हि दीनें निरखत डरे कपिगन भाजिजे
हैं राजसुवन हुं लखिमै पैहै दोहा असकहि परम प्रसन्न हुं दसमुष रहो खुपा कुंभकरन रन
कहं रहो हरविसवन हरषाइ चौपाई तेजकुलिस सम है जेहि माहीं तासकसुर ओ असरस
दोहीं पूजिन लालेषहु पनमाला उठतिर हनि आगीकी ज्वाला महांरिपुन केओ निनरऐ
मानिन जरिन वनि से जगभगऐ सल उठाइ लतनमोके मैं हदुपलेके ओसर जेसें रनउत्साह
वीरकरछऐ रावनसों असवोलनभऐ मैं संग्राम अके लहिजैहौं कोपितषुयितकपिनदलखे
हैं कहरावनसवआस्वनिलीनें लरे जेवहुरन सुरउषदीनें तिन असुरंनसंगलीनें जाहु सा
वुधानलोकिकपिदलषाहु दोहा सुनहुं नानकपिअतिचपलहें निसंकवलवांन कोरकोर गोचो
षिहें नोकरिहैं विनप्रान चौपाई असकहिएउ ठिनिजगलमें निमाला दसगलपहिराईं नेहि

लंका
५५

काला पुनि अभेद्य वर्तर परिहरई निरषि नाहि मो मुदित महाई करत प्रनाम ताहि सुष भीनी एव
न आसिष बहु विधि दीन्ही कर पाद छिन बलन विराज्ञा बजे गडगहे डुरन वाजा जजु नारायन
बल हि निकेता वाटे पगज गना पन हेता आगे लली कलस लै आवै चतुरंगिनी चली कुछ पाछे
मृग गज बरहि अहि खग घोरे भारी रथन माहये जोरे तिन चढि चले बहु न बल वंता करै न जागे
अनेक अंता देला व्यूह बांधि मिसि चान सौ कलपै भरै नैनं गंग मम क्रोधा नल जरत ये देखहु की
सपतंग सोरव असकहि नाको लंक कपि दल सागर लषत भो कुंभकरन निरसंक हरखो
म लोअ हार गुनि डगउठा वजे हिलोर उठि आवत तिनकी अवनि धसति धरति जेहि ठेर
धरीर हति नहि सिसकी चौपाई प्रलै मेघ सम गरजत भयो कपि दल हनत विकल है गयो
कटे विटप इव कोज गिरै माहि कोउ भजि भजि चले दिगनाहि कुंभकरन युद्धहि मन दीन्हो थेथि
पीरघ घोर कालीन्हो अहह हेलपवि पानल जावन डर भनत ने हि छनने हि धावत वारवार डोलत
रमि धरनी महा पवन जिमि जलल खुनतनी करि तर विविध वरन घन माला पहिरे जनु कांचनी

राम
५५

विसाला मर्दन जुनन निसिचर दल भिराजै मारन सहित व्योम जिमि छाजे कपि सब महां काल नेहि जो
नी डरे गुन हिन गहि व चिहै प्रांनी छंद अब वैचीन हि कोउ जग महं समान कपि सब भजि च
ले नल नील कुमुद गवाक्ष ओरी की सजे भर दल मले लखि भज नर लज जुवराज धायो कह
न अस सत्तां नीर कै कुल का निवल व जहि विसा सो लाज न हिने कहु नम्हे दोहा प्राकृत र
वृ भाग तक हा धरहु धरहु अब धीर ए हम रेव ल सम न हो फिरहु फिरहु सब वीर चौपाई सु
नित रुग हि गहि उलटे बंदर व उ लिये जत विविध धुरंदर भारी सैल न सिलन उठाई हनन लगे
ते हि को थिन धाई कंपत न सके निसाचर घोरा डगत न गिरि जिमि वरखन ओरा लागन मन
उछलत गिरि भारे मही सैल जनु घन गन धावे कुंभकरन का सोर महां नाधा वन चहुं ओर
सि अति विलखाना लाग्यो मथन भालु कपि दल तहें दहें दहन जिमि सूखे वन कहं फिरि कोस
वल भयो नित मरे अलन फूल जत नरु ख्य परे आगे पीछे भज तन देखे कपि ते हि महां मीच स
म लेखे छंद डरि भजे कपि दिसि विदिसि कोउ सिंधु महं व्याकुल परे कोउ वन न कोउ ऐ पवन न

कोउ गिरि नदरि नडुरे भरे सुख पीतत रचढि लपटि सा बंन रहे कोउ जनु मरे कोउ गिरहिं को
उ एहहिं मैं सो कोउ मुरछि नाछि निडरे दोहा लीलहि सोवि चला इदल कुंभकरन बल ओने
क टिआयो जे सेंकटन ग्रनमंडलनेंभान सोरठा अंगद लखि निज सैन भागी अति व्याकुल
भई टेरि कहत अस बैन तिनके पीछु चलत भो दोहा बलगन कीन्हे मयित भातनधन जी
वन लाइ जुध करन विसरे बयन व्याकुल चले हुपराइ चौपाई ठठ होहु भट भागहु नाही
अब करिहों जुद्ध मे रन मांही जिन परबंन सब धिग धग कहई तिनको जियब सोचु धग गअे
हई हंसि हैं नारि जब घर जैहो जियते अधिक मरेतें हैहो डरिरंन तजि भागे तुयहि जोहि
ना ते जुम सब स्वामी द्रोही मरे परम परथे पर पाउब जिये लंक की जय सब घाउब कोपि
त रामहिं जो प्रहजोई प्रभु लिखि अनल पतंग हि होई राम काज ध्यो जस जुध नाही ननकु
रने कहु निसे नही जे तुम त्रिभुवन वीर निवेरे भजे जानय कनि सिचारे सोरठा महा
वेगि तो धाइ अंगद आगजाइ पुनि राम प्रभाव उ न्हाइ सब कहं आनंदित कियो चौपाई

राम

फिरे मरन निहचै मन दीन्हें निज निज बल कपि बल गनि लीन्हें पूरब इक आनंद निभाये औसाते
हि हनुमंत तु आये मारुत सुत कहं मेर पाये आव तु वीर खली सब आछे सिलासैल औविट प
उपारी धाये कपि बहु कुंजभारी करन लगे परबत न प्रहारा कुंभकरन भट दरन नहारा पुनि कपि
चढत तासु तन छाये मन हुं सु गैहो पांन वनाये कोपेन कुंभकरन बल वंता आठ सहस कपि
का किय अंता फेरि सान से कपि दल डारे पुनि सोरह जुथ्थ्य पन पछारे छंद पुनि आठ दस सु
तईस नील कपीस भोजन करि चल्यो विचले बली सब विकल धाये इ विदल विषे दल दलौ
ये क महा भारी गिरि उपाटै पर मरी सहिथारि कै पुनि धाइ रन मधि कुंभ कानें हि हनो वीर प्र
चारि कैं तोरन पहु चो न तं भरि नांहि सैल से न चोपट करी कछो हं थिरं न मांहि लखन
कीस हरषित फिरे दोहा महोर थी क्रोधित भये छांडे विसिख कराल वली वीर खंडन सिर कोर
न चैते हि काल चौ० धीर कपि तु तह गिरि गहि धाये रथ न गजं न निसिचर नु गिराये जाइ अ
का स पवन सुत हरष्यो कुंभकान सिर बलु गिरि वरषेउ सो हं सिले कासु लगि माला षंड्यं डकि

परबतगिरि जाला पवन पूत न रुज्यप पवारे कुंभकरन ने हुंतुरत निवारे कपिदल दलनि बेग
पुनि धायो गिरि गहि हनुमंत सन मष आयो बिथित कपिन लषि क्रोध हिधा-यो सो गिरि मुहं
मोर सों भाग्यो मेदा रुधिर बहोने हि सोमा अति क्रोधिन भो निसिचर ईसा पुनि संभारि सो
उरोमन हि कीन्हों बिजुरि सम मल्लन हि कर लीन्हों छंद बहु गूद मेदा रुधिर धारा बहन मुरधनु
समलसे बक पंति दंतनि पंनगरंजे नि घोर निसिचर जो हंसै धन प्रलय सम सो बीर धायो
हंसी सल प्रचारि कै सोल गो हनुमंत मधि उर निज ज्वालन लगंन जारि कै सोरठा अतिबल
कपि उगिलित रुधिर बिहवल कि पधुनि घोर धीर बीर कहं बिकल लषि कियो निसाचरा सो
र चौपाई बंदर कुंभकरन मै पागे अति ब्याकुल रन न जि सब भागे सेन संभारि नील पुनि
धायो सेल सिषिर करि कोप चलायो मुठिहिं निकीन्हें उनेहि चूरन कुंभकरन हा के उ पुनि
सूरंन सर भरि षगवाक्त भटचोषे गंधमादनहुं नील हुरोये करपग्रांन पादप न पहारन

चहूं ओरतें करहिं प्रहारें न अतिबल इनहि आदि कपि जोधा पुनि पुनि हनहिं तेहिं जद्यपि करि क्रोधा
कुंभकरन किमि टरत न टारे मारी गज जिमि पुहुपन मारे फिरि गहि पुहुपन मर घो बीरा रुधिर
वमत महि पर्यो अधीरा छंद तेहि गिरत देषत सरभ धायो मुठि निसिचर तेहिं नी नल सो
गयो तेहि मारि एवन बंधु मति अति रिस सौं नी पुनि नील कहं छिति पार दीन्हो जांनु घाती
जो रिकय जुथ्थपनहं निकारि क्रोध धायो घोर निसिचर सोर कय दोहा गिरत जुथ्थपन को
धकरि धाये कपि करूह कुंभकरन तन चढि गये हं निहनि गिरि नरुजनु चौपाई सो हन
सहित कपिन के ठाटा ब्रंसांडन जुन मन हूं विराट हं मिहं निमठि कं न न षैन विदारें हिं दांतन
काटि काटि कपि डारहिं कुंभकरन तन होति न पीरा घातेज्ञात अगनित कपि धीरा मुषपना
लगहि कपिन भरत सो कालजो ज्ञविन जगत करत सो जाफी कांन नो ककी वारा कटि आवहिं
अति जेवक कपि ठाटा गहि लाषन सरीर सों मरदें अरबुद मीजि मिलावहि गरदे पीसत पा
इन सो पडुमन कहं षे चिविलत्त मल कपि षरवन कहं कुंभकरन की रितप्रसंग सो कपि८

लजगतमाहअतिजागी छंद सोनितनदिबहिचलीभारीमनहुँबैतरनीअहै बहुरुदमेदाकुंडभरिं
नभमिजतुनरकपिमैहै गहिमलदातुनदंडदबखलजमहिसमदुखदेतहै निसिचरमहाबहुभत
मानोफिरतनिनहिंसमेतहै दोहा अंगभंगपीडितमहांकराहिंबिकलकपिसोर भजिनसकौंहंस
ग्राममहंहरपसोवारनघोर चौपाई तरजतरनरघुबीरगोसांई प्रलयबलबलतकालकीनाईं
विथितकहतअसप्रभुपलंगए कोपितअंगदधावतभए सिंहनादकियश्रृंगगहिलीन्हे र
जनीचरनत्रसितकरिदीन्हे महांवेगसोंअतिबलकीसा मारयोकुंभकरनकेसीसा कोपितधा
यो निसिचरभारी ज्वलितअनलजरयसलहिधारी बलगनवलसोंनाहिचलायो कीसनपुनि
जुधवेगिचलायो कूदिनाहिनलनाडनकीहौं मोहितरनमहंगेछिकादीन्हौं सावधानहै पुनि
बलवंना हँसिचाह्योअंगदकाअंता छंद हँसिकियोमनवप्रहारसंग्यारहितकपिधरनीगि
र्यो कपिलखनसुग्रीवहेलनफनबहुकोटिनेहितनलपटिगे नेहिलातनलकेघातभतलमा
हवहुकपिचपरिगे दोहा लेसुकंठश्रृंगहिमतोआगेघिरहैताम कहोदलनकानीचकेपिमो

दिगआवेश्वास चौपाई महाअमर्षतानेंकपिनगिरायो हमरोभारीदलबहुखायो कुंभकरनमनोचुने
कीन्हें जगमहंभारीजसुकरलीन्हें नजिप्राकृतनवंदरनकुहं देहीं हमरोएकप्रहारसहिलेहीं बल
धीरजतेंसहितसुथीग्यो थांभीसुनिबोल्योबलसींवां हमकपिपतिहैंनातिविधाता धीरजध
मेंबलहिविष्याता केसनकहहुअसबचनप्रचारी वडीत्तरनातुवीनुम्हारी सुननचपलकामुं
गचलायो ताकेउपरवज्रसमआयो चूरनभयोतासुअंगलागे हाहाकारकरतसबभागे छंद
भागेसवेकपिकुपितनिसिचरस्यचल्योवक्षपसारिकें निसिचरनसेनाकीनधुनिअतिमन
हिंमोदहिधारिकें पुनिकुंभकरनहुंजगकपायो कोनधुनिभारीनहां सुरअसुरकिन्नरनाग
रिचकितकहेंहिकोपितखलकहां दोहा सहसंनभारनलोहलैरच्यो विधातातजाहि वज्रसरिस
तेहिकठिनतासहिनसकतकोउताहि चौपाई सोचसलकरिकोपचलाई दहनदिसनिन
भमारगधाई नाहिविलोकनहींहनुमंता मनविचारिकपिनायकअंता कुदिवेगिपीचांहें
गाहिलीन्हों कोपितश्रेरिहकचैकीन्हों दूरिचिसलदावकपिहरख्यो चलेसोरकपिमहाअ

मरखे निसिचरगनलखिचलेपराई सुग्रीवहिंभोमोरमहांई कुंभकरनरोविनअतिभयेऊ मल्ल
प्राचलकोधुंगहिलियेऊ सोकपिपतिकेसोसादिदयेऊ लागतहींमुरछितहू गयेऊ हरखित
रजनीचरकियसोरा धायेकुंभकरंनबलजोरा छंद बलखंनअतिकपिराजकहेंगहिकांषलेके
हिलेचलै़ो मुरछितहिनाकहुंनबंगहिंबलसोंनीच पनिपुनिआतिमल्लो समतरनिनरानि
कुमारकोंबलराहुइवरनननभग्रसेउ इमिनिरखिनृपकोहालनेहिछनविकलअतिकपि
दलवहेउ सोला धीरयराविसबनकहेंमलांवीरहनुमांन करोंकहाअवगुननमनकि
एपुनिइंमिअनुमान गहोनजांनतआपुकहुं मुरछितहैकपिराज बरीहेकजगघुरिहे
हरखीकीसलसमाज चोपाई अपनोप्रगटपराक्रमकरिहै कपिनकेरिभारीभयहरिहै जोमै
निजवलजाइछुडाऊं स्वामीअजसपताककहाऊं छुटिहैनहितौधाइप्रचारी लैहौंप्र
भुघगइबलमारी असगुनगिरिगहिसहितउछाहू फिरनउदयिजिमिआदिवराहू प्रभ
पराक्रमहिपरखतभयो कुंभकरनहूंलंकहिगयो गहनगोपुरंनचढीविमाननवरबनेउ

मननिअलीहजारैंन लावनवरखनसोंचितु गंभुन करैंहितहैते सवपदवरेन सोननलमंदपव
नासितलता लहिकपिपाईतहं चेतननता दोहा कुंभकरनवलसंनके भारीभुजमधिमाह
मनहिविचारोविधिनअनिमोतिनिपुनकपिनाह बलसोंकेहिविधछूटोलरौं वंदरनाहि
तयहिअहितेकरौं असविचारितहलघुतनकीन्हों निकरिरुपनिजपुनिधरिलीन्हों तीछ
ननखतें श्रवननिछांसो भीम नासिकारदननिकाटे चरनविहंगनिदोउपांजरफारे
निसरिचलेतेंनरुधिरपनारे है गो महांभीमतनजोधा कपिपगगहिपटक्योकरिकोधा
हननलगेनिसिचरचहुंओरा कंडकइककपिपतिवरजोरा उछलिनांघकेपासहिआयो
रामतुंलखिनेहिआनंदपायो सोबलनाककांनविनभयो रुधिररोषअतिलाजहिछयो
छंद अतिलाजउलट्योफेरिनकहें वृथाजीवनमानिकै भलअहैंहिअवहरि सांयम
रिवोठीकअसमनठांनिकै अतिप्रबलतप्योनितवठेतननेहिसमेभोभीमेमहै जनुप्रा
तिप्ररानननिगेरुभाएसैलकज्जलकोअहै दोहा आवतलखिरैंनभानुकपि पिलेसबंध

लंका
६०

रिधीर क्रुध जुध महं रुद्धहै चल्यो निसाचर बीर चौ० कालदंड सम मुगदर लीन्हें धायो सुरन
भयाकुल कीन्हो भहाति रिच्छनि कपि दल कैसें सनल जु गांतर्दलन जग जैसें भारी तनन घो
नि तनल पटानो सावनसां असमे घन मान्यो कोधित छुधित फिरन मनआो रनवे षवर कान
वुलआरे आगे आइपरे जे धाई मानर जानि चरहुन तिन जाई रिच्छ वलीमुख विपल हजार ए सस
नकरत ते हिलग फिनवारा रसनन गडे से कानन कीसा भीमनाक श्रुति विन थलईसा पहिरे
वुंआनन की माला जनजु गांनको है यह काला छंद जनुअहे काल जु गंत को कपि करक
जग संघरन है १।२।३ अब पाताल सो अनि भीम भालुन भरन है कपि जो रस्तो गिरि तरुच
लायहि प्रवल तपि गहि टरन है अनि कुपित कार नल लाल वाम प्रचंड रन मंडल रत है दोहा
कपि दल उदधि अपार जल उमडि उमडि नहं आइ वडवानल सो कुपिन थल भषपारि परि जर
जाइ घंटपद्धी १ निवलो कीस कोटिनहजार वहु को टिपतारन किय प्रहार नव खंड वंड हैं गीर

एम
६०

हिं आनु तनमल वज्रसम लागि जाम कपि अर्वि खर्वि कीर कोपि गर्जि अनि ताल चर्वि

न

तेहि न नहिं तजि कपि दुमद हजारें नवि पुलवन तिन जुत अनिसो चिन कुंभकरन जनु वि
विधवरन घंन ज्ञन अकास निज कटक विकल बारन हुलास मरकट निकर मिलिलेन
अंग चलरंग सो महां संग्राम रंग कपि विकल भयेन लिघारहिं धीर कहि सारन सरन प्रभुतरु
पीर हम परे महापरे काल गाल देहि हंनहुं वेग्गी न जीवान जाल सोरठा सुनि आरतपैवैन
लषेंन चले संग्राम कहें उरभरि संग रस्चेन कर कउठीव वनर करी दोहा लछिमन परम
पराक्रमी हैं नैसान तेहि वांन छेदि विसल तहि सरन लिय कुंभकरन बल ज्ञांन चौपाई पु
नि लछिमन बहु वांन मारे स्वरन पंष अहरा नन्व न्हं संघारे भे रे कनक रचित वषतर मांहें कुंभ
करन सो मित भाव ज्ञतितरहें फिर चनि जुक्ष प्रलया करमा नो वरहें सत्रु मिटि सरीर हिं ठांनो वा
नन पीडित विहें सिसु रारी कहेसो लषंन तु बंबुल ज्ञति भारी अंत कअंतक सम भुजभारे
देव्व हन्जकाज्ञ सतंगहें विचारे जो ओ राघुनर रसैमासो सुरपति अजहें नागहि विसासो तब
हम जो मो कहें देषत महांवीर नेहि जग सवलेषत जुद्ध करें ते गहेक हि पेकला सोभट अहहि

रवहन सोहन मन हुँ कमल प्रभात को दोहा की आनंदित कपि सपन कहें ओ फिर हु सब बीर
मर्दसद्रिस घने तोलि कै र घाये श्री रघुवीर चौपाई जुग कंधन महँ जुगल निषंगा रजे हिये
मरँगे रैंन रंगा श्रम सीकर तन न लसत हैं सोहाये वारकन गिरि जनु हेम कण भाये कोघिनके
मकरन रन धावत अगनित की सन सै न भगावत मत्तन करन भालु कपि ओका मानहुँ गा
लग्र सैं हि सब लोका नाहि निरखि प्रभु धनुरं कोरा चमवनु नभ छै भयावन सोरा सोन गहल
हि षल प्रभु पतें धायो भीमनाद कर जग न कंपायो अवत रुधिर मन सोहन के से बडउत पात
के रघुन जैसे प्रभु कह सोरह ते बल का है अवध छन मोह गिर नरन माहे छंद अवधि रत हो
न ये कमहँ मैर जनि चाकुल अंनहो अव सुधहे मन अध करु मयस डो धनु सर वंन दै सोजो
विरामहि सुनन वाली ब्रह्म तां सदि नर्तकि यो सो सोर घोर कठोर की सैं न उर वि दीरैं न करि दियो
दोहा वोल्यो प्रभु सों विहंसि सुर मैं नति अहो विराधु वर कबंध नहि वालि हो न गहि मारि चमगा
साधु चौपाई कुंभकरन मैं हों वल जोना नाहि रजे हि वल वे परवाना जी सो देवर दन जनि

लंका
६२

सिचरगंन कोअसमरजोरहत्तनमुषरंन सोरभयानकमुदगरदेष्यो ऋंनकदंडहिसमकरि
लेष्यो बज्रदेहमुषकालसमाना तेजजातुसंमतरनिकसाना लषिमुद्गविगननाकअनको
ना करहुअनारत्ननाहिभगझांना अवममअंगनितरनलगायो तोहिआपनोजोरदेषायो
निरषिपराक्रमपुनिमेलारिहै तुमकहुंरनमहंभत्तनकरिहौं बज्रसमानबांनहरिमारे भो
नछुत्रिनसोधीरजधारे छंद जिनतेहमेवहुषलननेसननजेबहुरघुवीरहै तेउबांननेगहें
बलबांननमहंसकेनहिकारेपीरहैं जिमिमहृगगिरिजलधारनिमिइषुधारसहिबल
वानसो गहिगदापुनिसरसवनिवारेगरजिमेघमहांनसो सोरठा पवनअस्त्ररघुवीर
गदासहितकाटिभुजा सालवृक्षलिपवीर सोरकासोकरजनतुरत छंद बिनबांहुरोस
हिधारिआननफारिचल्योधरारिपे अतिबेगिमानप्रचंडअगनितदैप्रभअमरारिपे
तेभरेनाकेवदनधावतवीरसोरहिकरतभो तेहिसमैमसिगरेभुवनकांपेतरनपतिअति
डरतभो सोरठा सुरमुनिहाहासोर करनभयेयाकुलमहां रोषितराजकिसोर सरप्र

राम
६२

चंडकरलेतभो चौपाई छेदेउतालनवेधेउवाली जानेअगनितहनेकुचाली तेउमरघ्यांडेरघुवीर
कुंभकरनतनकिएेनपीर ब्रंह्मअस्त्रधनसैचितलायो करतप्रकासअकासछहायो तोसरनिसि
चरसीसहिहस्यो धरतैंठरविनुहिनगिरिपर्यो चर्ण्यंनचलतपरवंडहिलेषो लषंनचपलरह
नुमतनुरिसदेष्यो बांधिलंगरारिसुतनपवनको तेहिधरिफेर्यौ पवनभमनको कपिनिविचर
सुरअचरजमान्यो रामलषंनहुवहुतनषांन्यो कहेपवनसुतअद्भुतकीन्हो बंडवचाइभर
नकोलीन्हो छंद रघुवीरफेरननीरअभिरेधनुषवरनमहेंराजहीं प्रमविंदुसुभअरविंदमय
मैजोसकनइवछ्राजहीं घनस्यामतनचकनरुधिरसोरनहोतअतिसुषमाघनी नवइछ्यज
कुरसहिनगिरिमनुइंद्वयुमनभाँवनी दोहा पुनिपुनिछकिछकितकहिंवपुकहंदेहन्यो
होतसूल हरषितनअस्तुतिकरहिंसुरवरषंहिंसुरतरुफूल छंद जेब्रह्मअनूपेअकथअरूपे
सोपहिरूपैनेजअहे असवेदकहे जेगुननअनीता दोननमीतापरमअजीनाप्रकृतिलहेंज
गहितचरे सवतुमअवतारंनहो प्रभुकारनजननउधारनहपलसे मनउरहिवसे तेसुमे

निचरननकरिअसमरननगुनिगनवरननविमलजसेरहमगनरसे जेअवधविहारीसब
सुषकारी जगदुषहारी रामहरे अतिसुषविमरे जेआनंदकंदाहरभवफंदा रघुकुलचंदा बल
हिहरे सुरअभैकरे जेहिनामसुरामे प्रेमनकामे कोनहुंमे कोऊरे भवसिंधुतरे तवचरि
नसुहाये मुनिनवताये नेकहुंगाये श्रवनपरे अघवोघजरे नगभूपनी नमामिभक्तवत्सलं
हरिंविसुधसुधरं समस्तदेसगंजनं नमामितंपरासुपरं महेसचांपभंजनं सुरारिदर्पगंजनं
प्रमोदकंजपदमसुजं महेसचित्तरंजनं तरंगनी भोविदितजसब्रहमंड पदहुनोअतिवरखं
ड नुववांन परमप्रचंड कपिबलहिषंड हिषंड अवहनउं निसिचरराज सबलठहिसुरसमा
जे हे रामपरमकृपाल अव कृपाकरियेहाल दोहा अस्तुतिकरिसुरभांतिबहु गवनेनिजनिज
धाम से नसहिनरघुनांयनहंकारनलगेविश्रांम चौपाई रावनसुनिअतिसोककहिकीन्हो
मनमहंमरनठीककरिलीन्हो निसराओआनिकायनरांतक पिताअनुजवधसुनतदेषां
तक अचरजसुनिसोकिनहुंगये करतबिलापविविधविधभये रोवततहांरावनहिनिहारी

बोल्यो त्रिसिरा सवे विचारी तुम मेरो त्रिभुवन जीतन हारो प्रा किन इक कपि मिस्तो कहि धारे सतपुर
वन की यह नहिं रीती नजहु सोच सुमिर हु मन नीती विधि दियसक्ति कवच धनु वाना वार हू
गार जुत अनुपम जाना ते हि चढि जव मस्यन्दन धरि लरिहौं विन प्रयासन्ह पवालक मारिहौं तोह
प्रथम हिं मोहि अग्यां करहु सकल निसाचर ईस जीतिकपिन नृपवालकन आइ नवैहौं सीस
हरषित सांसन देत भो रावन ताहि सराहि कोपित चारौ ने उठे महा जुद्ध चित चाहि अति
माय करु अतिवल सवे निपुन समर अजित सुरजे सुरन औरु महा सुर हुं न कुलिस काय दृग क्रूर
चौपाई महांधीर रन सव वरदानी वुद्धिमान अति से अभिमानी ते जनर निसमहै जिनमा
ही घालक रिपुदल अस हैं हि सदा हीं रिय मभुवन मि लि तिन पुत्र नकहं करगहि पुनि पुनि उर ही
लगायो सब कहं दै आसिष महि पठायो करि पुरदक्षिन पांयन परे चले वीर अति कोपित भरे
औरावत सम गज वलवाना नाम सुदरसन डील महांना चढो महोदर जन सव लोइप
ल सम तन मनहुं रवि अस्ताचल पर छंद त्रिसिरा चढ्यो वर जान घन धुनि करत घन सम घोरे

लंका
६८

साधनवधरिखतिकायसुनिवलमहांरथपाराजरे वपवजसमवडलो हवषतारचितकं चनछवि
छपो जनुलसनताधुमेरसंमजुधहेतरो षितहैगपो सोरठा चढेनरातकघोर जनुइजोउचै
शृंगा सक्तिसहितवरजोर समकुमाररहनसमर सोरठा देशांतकलीन्हेपरिघराजतवलहि
निकेत मंदरलीन्हेविसुजनुसागरमथिवेहेत चौपाई महपार्सुगहिगदासुहायो अनुज
महाइधनरजनुआयो चतुरंगिनीचलीतिनसंगे रंगीमहांरनमोदउमंगे चलेसुभटसव
उमडिअकासा मनहुंमहांघनकरहिंविलासा इंद्रधनुषसमधनुषविराजे वकनपांति
इवधुजगनछाजे वलगनिगरअंनिछवि उपजावे तिहेंसानिदामिनकी दुतिछावे पहेवि
धिमहांवीरसवभले जेनिहचेकरिआतुरचले होनचहेंहि पवयसकतेआगे सुभटसमेवय
रंनकहंअनुरागे नालदेहिनमप्रतिधुनिवोले दिग्गजडरहिंमेरुनीडोले सोरठा वाजिन
कोरहिंनारि घरहिंगजरथचिंकारहि वीरनवलकिवनाव वाजेहिंवाजनजुद्धके दोहा
घोरसोरचहुंओरसो विलगनजानोजात भयेगंभीनसवजगनजिमिपैकैकलपलभात चौ०

कपिदललषिसोनिसिचारासेना उतरीअवनिमरोरंनचैना रिपुदलभालुकपिहुसवदेषी भेआनंदित
अभुतनलेषी चरनजुगुलजुगअंगसुहाये वडेलेगएधुजनसमभाये मनतुरंगसाराधिउनसाहु द्रु
हीरघुरायतननसवकाहु सनहुसैलधनुसरनसमाना जीवंगहिंअहंहिरथीवलवाना निरेनिसा
चरहुविप्रचारी वंदरहु हंनहिंहुकारिहंकारी कपिसवसैलनविटपनमारंहिं निसिचरहंनिहं
निसारननेवारहिं सिंहनादकरिदोउदलहहैं येकयेककहंनहिकधुगनैं छंद मरकटविकट
करकरारवकरिहंनतरिपुगंनराजहीं गजचंदहिहंनहिंमहारतनवलझंतघोरगराजहीं
ष्ठिछरुनघनसोसमयनेहिंरजनीचरनउरफारही टंनिरषिनरपकहहंतिसवारनवाजे
दंहविदारहीं सोरठा चटिकोउकंधकपीस गजनगजनजोरनभये उचैयेकपगसीस लरहिं
पुछकरिटेटहने चौपाई कोउकपिकारिरदचारिउपारी निसिचाउरमहंछेदप्रचारी फिरिसी
रमहिमारुगिरायो मनहुंमोचककहंपलंगविछायो फूटेकुंभनिमुक्ताआहीं फैलनजरंनहं
छिनिछविकेरहीं वीरनवरनवेगिअपसरगन टूटहारविथुरेसतुमनघन रोपिनमठिकनह

नहिकपीसा छटदरषफूटहिंनिसिचरसीसा अतिबलहंनहिंनिसिचरहुजोधा बिपुलआयु
धनकरिकरिक्रोधा सलसक्तिसरगदामुगदरन पासमनहुबेनीबिडंपालगन जेहिनदो
उदिसबीरउमंडे हंनहिंपरस्परआयुधबंडै छंद अनगनितआयुधगिरिनतरुनेहिल
मेछिनछाईसबै हैदंडभरिपरचंडरनभोहोउदलमाथेतबै गेलपरियकसोपेकरंनउ
त्साहसोभरमानहीं दंपतिपरस्परसुरनिमहंजिमिमिलतभरछबिछावहीं दोहा नि
सिचरगाहिनिसिचरनकहंहनहिकीसरनधीर बंदरगहिबदनपरपरकाहिंनिसिचर
बीर चौपाई अपरिलपटिगिरिलेंहिछगई निसिचरहंनहिंकोपिनसमुहाई कपिहुछंड
इमासुगनलेहीं हंनिनिसिचरनउसरउषदेहीं सिंहनादकरिऐसहिधारे निसिचरबंद
रगिरिगनमारैं भेगिरिचलतब्योममहंभारैं पावसबेंनजनदोउरासिधावे हैसोहय
गजसोगजहंनहीं रथसोरथहंनिचूरंनकारहीं विकवचगिरेनिसाचरसे बिनकेंचुरज
नअजगरपरे पिलिकपिगिरितरुजर्तेनिमारैं सरतेनिहंनेनिसिचरहुनिवारैं यहि

विथि भयो दुहुन रन भारी ओनित नदी बही भयकारी दोहा आइ गये नेहि समय तहं अति कोपि
न कपि एज हंननल गेक पिद्योर रवुमर निसिचान समाज निजदल दलनु विलोकि कै चल्यो नराए
नकखोर नरलनुरंग कपिक रकमथि दिस्रो डरिरनधीर चौ० मरदं नेलगयो दहलके से मंदर मथै
महोदधि जैसे तीछन महारांसक्तिकी धारा छेदति अरिन अस्र असवारा सुमिरं नरंग नरांतक
सन्यो छनमहें की ससान से हन्यो जे हिजेहिमार गपलसो धावत नरं तेहं धो निनसरी नवताइन
निसिचर उर अनि क्रोध हिधारे मरकरभालु मारे महि डारे गिरे गिरिन सम कपिवल वाना
असुरवज्रकर सक्रसमाना जवलोकपि मरलखो चहै नवल गिवेघनसक्ति हिन है ते नल
गहिं पादपन पहारन विधेसक्ति गिरि परहिं हजारन कवित्त पुछहि कसर सोनाडि मारनं डवा
जिनको नरलमगावै नभपाल जालराजे हैं मेघन फंदावै नाम रेनषुर धारन की व्याकुल है देष
नभछोरि छोरि भाजे हैं चपलोते चपल चलांकी करै चारो और कीमो अति चंचल चलां की
लषि लाजे हैं ऽरिऽरिघुमिघुंमि गिरहिं उठहिं मंमि व्याकुल महा है सवतो नेदल छाजे है १ छंद

चहुँओर बेधत सक्ति सो मन वेगवाजी मेघ टर्यो कपि गिरत निरखत बीर हरखत समर आनंद उर बढ्यो
भागन न पावत सेन चहुं कित चपल गति सो भट हने जनु पौन पावस चहूं दिसि ने बेग सो रोकत
घने ॥ छंद ॥ सिंहनाद करि फिरि नारान करन सपच्छ सरसों स लरे भजो ठठौर हेर हजस को उन
कपीस ॥ अथ अस्वगति चौपाई ॥ घोर पदो र पचारे उघोर ए घोर पसो र यथा रे उघोर ए अथ
चित्र ॥ सहि न सकहिं कपि नाग प्रहार उठहिं गिर हिं करि होन कुमार ॥ कुंभकरन जिन कपिन
गिराये ॥ लहि चेत न तातें सब उ आये ॥ कपि पति कहं तिन माखन वायो ॥ अति आदर सुग्रीव ढिरि
कायो ॥ पुनि अति भट अंगद सों कह्यो ॥ तुव दल विध्वंत विकल है रह्यो ॥ नाम नरांतक क्रोध
हि कीने ॥ महा प्रचंड सक्ति कर लीने ॥ जो यह आवत तुरंग सवारो ॥ सो बहु वानर भालु संघारे
प्रान विहीन सबहि तुम करो ॥ तात वेग निज दल भै हरो ॥ छंद ॥ जुवराज सुनि सुग्रीव वानी चल
त अति हरषित भये ॥ कटि से न घन ते नर नि सम सरिस पद्रिसन्मुख ने हि गये ॥ हथियार विनहीं
निकट है पर बालि के वानी कहो रे छुद्र बंदर कहा मारन आव मो टि येग हीं ॥ दोहा ॥ कुलिस स

द्विसजोसोगनुहुँसोममउरहिलगाइ मेघनादेनुहमीचुसमनिजबलनीचदेषाउ रंनउमंगमोल
तनभरधस्योबालिसुतपाइ मनहुँमहोदधिवदनअनिलसौबललौजाइ चौपाई सुनतवचंन
रअधरहिधरिकै हयचलाइहियकोधाहिभरिकै परमजोरसोंबलेंहिंअंगारा अंगदउरकिय
सक्तिप्रहारा सोकपिवरउरनेकनफूटी अचरजगुन्योसक्तिलषिटूटी अंगदधापरहयकरहे
स्यो सामहिगिन्योनीचरिसिमेंस्यो मुष्ठिकाहनेकोसकेसोसा मोहिनउगिल्योहाथिरकपीसा
पुनिलहिचितनताकरिकोधा मुष्ठिकाहन्योवलीमधजोधा भयेविदारंनउरमहिपरो एकतनु
वनहथिरंरजभरो कपिपुरसुगनेअंगदहिसराहे भरेअजेरिपुभरेउछाहे छंद रामहुंभये
हरषितसराहतकपिहुँधायेनमुरे जोहयोनरांतकअंतेनयभरधोरसोरेपकिपउठे त्रिसरा
देवांतकमहोदरऊउठिनभैरंनकरंनको चढिचल्योभारिगजमहोदरकरनरददुंदवरंनको
नेहिचलनप्रवलदेवांतकहुसंगचल्योकरवरपरिघले त्रिसिरहुधनुर्धरवेगिधायोजोनिच
दिसरसाजिकै अंगरहुआवततताकितिनकोलियोनहयकगाजिकै होहा हननदेवांतक

कहें तुरत त्रिसिरा कहँ कोऊ नाहि गरजि गंगन कुंभगर गयेवर से गिरि तरु कांहि चौपाई लरत निसंक
कीसरन धीरा लियो धरि पुनि नीनो बीरा त्रिसिरा बानन कियो प्रहारा नरत महोदर तोमर मारा
मारयो परि ग्रदेवांतक जोधा बिगत विघा कपि कीन्हेउ क्रोधा डरत महोदर सैल समाना घाये
रहत्यो नाहि विलखाना कपि तब भूमि भ्रमि गिरि परयो त्रिसो देवांतक को धाहि भरयो टरत रहेउ
कपि लिये उपारी हन्यो देवांतक मस्तक भारी रुधिर भरयो भट अवनि न आयो मुंदित दि
ग मोहित भयो स्वास लेत पुनि परि ब्रउ ठाई मारयो अंगद क्रहं हेरि सिहाई छंद अंगद गि
रयो रंन जोतु भरि फिरि उठ्यो त्रिसिर प्रचारि के त्रिसिरा हने द्वे सरन रथ कहुं हांकि कपि हुं हका
रिके चढि उरत इजेसे कहआयो धेरि फिरि कपि कहं लियो जुवराज लरत अनेद सो मन सं कने
कहुं नहि किये सोरठा लख्यो नील हनुमान लरत अकेले बालिसुत दौरे हेउ बलवान कर
पहार पादप लिये दोहा सेनप सैल विसाल सो त्रिसिर रहि हन्यो प्रचारि आय तन निसो उस पु
दि कियो खंड खंड सर मारि चौपाई देवांतक गहि परि धहि धायो हनुमत लख्यो नीच पर आयो

राम
९७

पुनिकरनिसिचरकरककँपायो नाहिंमुठहँनिमनकरगोरयो ठाठासरनिसिचरनकीनैं जै
जैकरिसुरगनसुखभीनो त्रिसिरावाननविविधप्रहारो धायोनीलपरमारेसधारे विध्योसान
हरखिनुकपिकैसें प्रलकावलिजनतमज्जनजैसें चटोमनंगमहोदरधायो मंदरउपरमेघसम
भायो लाग्योवत्सविविधिवरखनवाने हरनरेजसेनापतिप्रानै महनसदननाकेवरलायके
कछुकविकलहैगोकपिनायक छंद हैविकलकछुपुनिकोपकरियकमहोभयालेनभो
अतिनरलनाकेसोसवलकरिवज्रसमहनिदेनभो सोगिरयो गिरिसमधरनिविदुधनि
वृंदनभजेजेकियो लाग्योहनिनहनुमंनत्रिसिरापरमक्रोधितभोहियो दोहा लेवहुपाव
नपादपनकरनकपीसप्रहार तिनकाटनमारनसरनसठधनुकलनअगार चोपाई हत्त
लाघवीतासुनिवारी उरसरानिहिफिरक्रोधहिधारी चारितुरंगवननखनविदारयो त्रिसिराको
पितसांगहिमारयो आवतउलकारवननभाई लियोलोकिमारुतसुतधाई ताहिनेगिरि
रजनभोवीरा हरखिनभेकपिसचरनधीरा प्रवलभ्रमरफिरिघाउप्रचारी कपिवरउरमा

रीनरवारी नेहिहि प्रथापर हनुमत हने उ गिरो विकल बल दल भे सने रु हरखित है गरजे उहं
नुमंता सुनत उठो निसिचर बलवंता मारो मुष्टिका कपि की छाती लागत भई कीस मति ता
ती छंद करि क्रोध ना सुकि पानले किय निन्नती नेउसी सकों सुरदेखि बुधि वल न भस राहें
वारवार कपीसको नेहि गिरत गिरि गन सहि न धरनी समेमहि डगमग भई हाखित बली
सुख भये सब निसिचरन सेना भजि गई दोहा महा पार्श्व तहं आपत है लिये कर गदा महान
महा ज्वलित निज ज्वाल जो चाहत दहन दिसान चौपाई सह सन्मुख सुकंठ के धायो रिष
भ आसु आगे तेहि आयो कपि उर गदा हनत तो भयो रुधिर वमन मुरछित है गयो जा
गि मत तो भट क्रोध हि धायो मुष्टिका महा पार्श्व उर मारो कटे मूल तरु ज्यों महि परो उर
छित महा रुधिर जम भयो आनि विसंग कपि नाहि निहारी नहि प्रहार कियो धर्म विचारी
गहि तेहि गदा रिषभ धुमं के कीनी हं नि अरि अनी विकल करि दीनी जग्यो महर तिमार
सुरारी मुष्टिका रिषभ हि हन्यो प्रचारी मुरछित है जगि रिषभ हु कोप्यो आनन रंने रंग

समगाहिहोप्यो छंद अतिरंग्योरनरंगरिपुमारिपुनिरगहनाडनकोकिसी सोइपसोपहुमीद्व
मिटेदंतफूटेदृगहिपो नेहिगिरतभाग्योविकलखलदलरहिनअग्रअनेगसो जनुविगन
वेलाअंवुनियवदिवहरिसाकिलखोवेगसों सोरठा दृगजेहिज्वलितअंगार हरिसमहेरविहे
सनमुख घेरभ्रनतहजार भवसमभासितभीमनन दोहा कालजीजिसमसक्तिजेहिविजुरीसी
निरवारि दुंदुधनुवसमनधनुषसरगोजमदंडनवारि चौपाई कहेसोविभीषनरावनसुतहे
तावनसमवलकियेवहुतेहे धायसमालनीनहेजायो सतिअतिकायनामजगपायो वा
लहितेंकियेवड्डनसंगा अतिमतिहेपुनिधर्मअभंगा सास्त्रप्रवीननीतिसवजानी संनीसो
नहंतत्रिगपानी अस्त्रसस्त्रमहंनिपुनसुरानिधर कहंलौंवरनौंदेसवगुनघर अतिमायक
अरुअजैअसंका अभैअहेयाकेवललंका पायेहैंविधिसौवरदाना सवनेहैंअवध्यभगवा
नामहांकवचवररयपहंभारी दीन्होविधियेहिजोगविचारी दोहा धनरगहाजमदंडहरि
वज्रवतनकोपासि पाम्हातिनिजसरसरसर अहिरन्यागहित्रासि चौपाई वेगिकरी

सवसोइ रघुनंदन लहे निधन जे हि षल कुल चंदन ननलषं न हिं म हं दल संघारी श्रव श्रम
मोह बुझे धनु धारी कुमुद नमग्र द्विविद नल नीला इन्हे आदि कपि अति बलसीला लहि प्रभ
सो मन आनंद छाये सिंहनाद करि धरनि कंपाये गहि गहि गिरि तरु चहुं दिसि धाये ऐकु वा
रते हि उपर चलाये सोमत जहां सिली मुष मारी षंड षंड करि दिय महि डारी सवकहं एक ए
क हि सौन रचा जिस्लै ग रजि मन प्रभ जुथ रचा चले कपीस भालु रंन त्यागे मृगपति भ
य जनु गज गन भागे दोहा होन न नममुष जुद्धकहं ताहि न जन न हि बांन ठाठे है नहं लंक
हन भो कलि न मतो अभिमांन नातो अजुधु मे कर हुं नाहि जान ति मोहि समान धनुषकं पा
यत मोह सी गो प्रभु पहं वल रांन चौपाई जो पहि दल वल बानहि होई कटि मुहि जयु ई इ अ
व सोई वे धहुं इ दुहि सहित सनाहं वंदरं न परास र न जतन लजाऊं प्राक्रिन सो मै जुरु नहि कोरे
हौं हरषित नमग्र ज वति हि सोलरिहौं सुनत लषंन अति क्रोधा हि भरे गे चलि आगे धनुसर धरे
ने हां बस गेहु धनुसरं कोरा बमवन नमसो मशान कसोरा सुनने निसाचर करकंडेरा मो

रम
६६

अनिका प्रभु अतुनिअ चरतु मानेसो को पितवोल्यो सो अभिमानी हे सोमित्र गुनकंतु मम वानी
नु मम वालक कान करन न ज्ञानो मो हि काल सम मनन्ह अनुमानो दोहा गिरिन सरिन्न छिति त्यों
महु सहिन सकाहिं मम वान चरहु जगाइन काल हठि हो तुम निपट अयान चो० जानेहु
राम हि दया विहीनो जो वालक मम सनमुख कीनो लछिमन मनु जधनु धरि फिर जाहु
समर विमुख मे हनौं न काहु हर विरंचि सम पेवर वानो सहहि जो जग अस को बलवाना
सो थितल षुं न विहंसि कठवानी बढिबढिभाषत तें अभिमानी वलगन कीन्हे बीरन
होइ करे कर्म जो भरहे सोइ मेरन सवडे गहे धनुवाना षल वल तमो हि लखाव अपाना
चाहहि सवजु सतन करे चाहहि अस्व न हीं हांल रे मम सर हन न हु सिर सुरआई गिरि
हि ताल फल परत पराई सोरठा नव जानिहै तें नीच जत समै वालक अहो सत नचीसो
सतुव सीच वलगनन न जिअ वजु छक रु चौ० वालक बाव पगजग नाथ्यो कालेस ह मो न
कर्तलयु घाप्यो लछिमन वचन हेतजु न सुनि कैं जुद्ध करन चाहो बलगुनि कै देषन

लंका
७०

ईस समान तेहि काला। छाये संग अमर निज जाला॥ बल एक लाएक कोपि चलायो। लषंन काटि तेहि
रज नहि मिलायो॥ कै रे बांन अनिको पितम यो॥ पंचनराच नसोज बद एयो॥ ते ऊ सिलीमुष काटे लछि
मन। पुनि निज सर एक छाड्यो तत छन॥ प्रविस्यो आसु निसाचुर भाला। जनु गिरि श्रृंग समा
नेउ व्याला॥ कंप्यो कछुक तहं असुर विधि नउर। हर सर सोंजन डुस्यो त्रिपुरपुर॥ छंद॥ कछु कोप
धरि धीरज सरासन पुनि धनुर्षे चत भयो। एक तीन पांच रू सात तसर कोटि षसो लषन हि
हयो॥ करि दिसंन दीह प्रकास तेपरचंड सर आतुर चले॥ रघुवीर बंधु प्रताप पुंज हि तिन दहि
निज बान न दले॥ सोरठा॥ निहफल लषि निज बांन अति रावन रांवन सुवन॥ सिव मुन
सक्ति समान हन्यो एक तरू लषं न उर॥ चौपाई॥ वहु न रुधिर लछिमन अति कोहे। अ
गिनि सबहं निरषमहं सोहे॥ सो ऊ रोद्र अस्त्र न व छाड्यो। करि प्रकास नभ मिलि जुधु
माड्यो॥ जरि दोउ वांन भूमि गिरि परे। फिरि दोउ वीर क्रोध उर भरे॥ अति विकाल अनि का
एपवाय्यो। इंद्र अस्त्र सो लषंन निवारयो॥ जाम्य अस्त्र सो न जो प्रचंड। वायु अस्त्र सो किए

राम
७०

बहुरि लखें नसरनिकर चलाए बरि ददुंदुभार छवि छाए लगि नेहि कुलिसक बचन दिफूटे मुरि मुरि नोक
बान बहु छूटे पुनि प्रभु हने सहस सर चोषे ते ऊ विधेन तब अति रोषे दोहा महा धनुष टंकोर रन छो
डे विसिष कराल मनहुं रोषसों फुंकरत धाए बहु विध व्याल छंद भुजंगप्रयात महा वेगसों ने
घने बान धाए जु तेसों न फूटे कै नसे ब्योम छाए सो ऊ कोप के कै नराच बे चलाए दुहूं वोर के घोर जु
द्ध मचाए पद्धरी छिति रिसिर रनसमूह न उरी आगि सुरथ देवि मानन लखें हि भागि जरि गिरेत
नभ रज गुल बोन जनु कूटे मेघ सों उभै भांन पुनि कोपि दोउ खाधनुट कोर सरत नजनि लगे
इति जोरि जोरि दिसि विदिसि विराजहिं ब्योम माहि मनु रीझिन के बहु रंग अंग महि छंद
घनसम सरि छाए कनक बनाए पुंष चमक जीगन मानो पूजे जेवांना चले मनतांना भ्रम रनफू
ल बकगन मानो बहु रंग मनि फूले कै लहरं नि पोके जु रिमदन लोग गगनन ई सुर धनुष समा ने
ते रइ तिठां ने गांसी छन छबिलछ छबिघई तरंगनी इहुं होर धनुट कोर जन अहं हि घहरानि
घोर ने बीर हाउ उछ भोभी नमारी जुद्ध दोहा अंधकार अति होत भो सुरमुनि सब डरा न

बारबारमहिहलनतभेलरतहोऊबलवांन किएमंडलरथधनुबाण रोसितहैंअतिकाए परमपताकाप
वनलहिफहरतहैंसोसहाइ पटपटसबद पताककोधनखचरपरासोर घुघुरघंटिनघंटधुनिचक्क
ध्वहरिअनिघोर चोपाई धुनियहरही निरंतापूरी निकटहोतभटपुनिकहुंइए बांनअनेक
थोंमपथछाये कोऊबहुसमबदनबनाए मुगरमखकोऊमुषचक्रे कोउफरसामषकोउम
षनेक्रे बरखनबीरबांननरकेसें प्रलयपवनचलपाहनजेसें तैसहिलछिमनबांनच
लाये मिलनउदयिहूसमहोऊभाये चकितबिलोकहिंनिसिचावंदर कुपिनमयेहोऊउ
दिनेदिनकर नरकसकमलनवह्निसिलीमष छुटेचलेनभवारसाहितनजुष हस्तलाघवी
जनसोबीरा पहिलेछोडनपेकतितीरा दोहा जातहिअसोमहजारसरसंगलगावहिंजासु
गिरतकरतनतेंहिलसरसंगछोणिबिपलसरआसु चोपाई कर्मदेषिनेछिलवंनसराही
छोडेनिजसरज्ञउछाही धायेसलाकारहिबांना छुरपुरष्यनालीकहुनाना निकसें
हिंवांनसरासनकेसें फेलहिंउदिननरनिकजेसें पावसवारिधारसंमवरसै हिमहिमक

रसोकरसेसरसे लखंनहिंसोऊत्तरा हसौवीरा पुनिछांडौ अगनितनिजतीरा लछिनसोरसर
अन्नलोयाई गंगंनगंगयातसमभाई नजेअनंतअनंततनराचा जिनकोकालअनलसम
मआंचा कुपितलरनलागेदोउजोधा हंनहिंवानअगनितकरिक्रोधा दोहा रहीअचल
श्रीमनकुलखिजुध सैनोसेन लखिनपरत छोडनसालभरअतिकायसचेन सरसागरअ
तिकायकोलछिमनबानअगत्ति सोखिलियेनेहितेहिसमैऊरनरकहंहिंप्रसति चौपाई
मोहनास्त्रसोछोडनभयो सोइसकलकपिरलतवगयो लखंनप्रबोधअस्त्रकहंछांडो ज
गिसवजेजेकारिसवभाखो छाडेनागपासधनुधारी धायेनभवहुअहिननमारे नेव
हकिनविषविषमपसारो लखंनकुपितगरुणास्त्रपवासो छवरनरंगसपनेवहुधायेसर
पनखारहरषअतिभाये पुनिनिगरुडमिटेतहंकैसे करघाकृपीभंगकरिजेसे पुनितमास्त्र
छाडेधनुधारी फैलीचहुकितनहनअधिसारी अंधकारव्याकुलखिरलरंन छांडोन
रनिशसस्त्रनवलाछिमन सोरठ अंधकारहंनमाल लखंनअस्त्रमाततसरद हरिकिय

नेहिकाल हरखेवंदरारित्रसव दोहा प्रगटभई सवसेनतहंतेमरविनेजसिरांन बुधिसज्जनकी
ग्यानतेलसाहिंमिटेअग्यांन चोपाई पुनिअनिकापक्रोधअतिधासो रहनरघुसअस्त्रप
वारो निकसेअगनितराकसभारी भीमदिग्गजंनसमतनुधारी विकटरंगनननधूमरधूसर
भरेरोमवदंनसमसरकर दंतनछेदेलोधिअपावन गरजेंहितरजेंहिंपरमभयावन धावं
हिचीतकारकरिगाढे बोहिवंदननरोमहिवाढे अस्त्रनरायनलछिमनमासो आस्त्रसो
गोनेअस्त्रसंधासो महाअनलअस्त्रप्रगटहिकीरकोधा छोरोरोनसंरावनसुनजोधा नेहिछ
नभयअभोभारसमांना दसहिदिसंनउठेलपरिमहांना दोहा लषंननजोवरुनास्त्रनहंधाइ
वहुजलधार संधप्रहिनासनिरैनजैसोंनिमिकियअनलसंघार चोपाई जलसोवुडरथकेचाके
पैरनलागेवाजीगाके सोषनअस्त्रचलावनभयो सवजलसोषितुरततहंगयो गरमीअ
निकपिदलमहंधाई ग्रीषमृतउइव गयोसवाई परजंन्यास्त्रलषंनपरवीनो नोनेसुमेप्र
प्रोगहिकीनो परंपराघनकीतहंधाई गरजतलपकतजहंअतिभाई वरसंनलगीभको

रअकोरी पुहुमि उखु मिनिं कसो नहिं पारि उठन बरासो धूम सुताये जनु धारा धरं नहिं तिधाये
संध्रिन जाति ग्रान जिमि पाई तिमि सव गरमी गई सिराई दोहा महाकपि घंनु अस्व हितं मोस्म
तिकाया अतिकाय घंनन समूहं न सो पवन ही नेहानुरनउडाई चौपाई बंदर सैन उडनु लखिलन्न
न छोडउ परवत अस्व तन तुछैन पवन आऽवहु गिरि गंन धाये ने हिरय परगिरि गिरि तैं भाये व
जु अस्व अतिकाय चलाये अस्व सो गिरिगन धूरि वनाये ई अस्व न वल छमन छाडे अस्व
सो तेने अस्व हि आछे नछोपिसांच अस्व सो वीरा निकसो वहु पिसांच कर पीरा कालरा
त्रि तम वत्र भेवारे जतेहें अंधकार तन धारे लेपित मल अंगव तुंन मलीने पुगटहिं डरहिं कप
रते कीने चारत सोंठ भसान कगाजे घात वंदरन रंन ते हिराजे दोहा लषन पूतना अस्व
न वृछाडो नेहिं संग्राम गहि पिसांच गन पूतना गई आपने धांम चौपाई छोडो निसिचर अस्व
स्व वेताला धाये सव उठि उठि तेहि काला विनसिर वंदर निसिचर भारी गरजहिं अति दैहै करमा
री सव सेना लरिक कपि सव भागे धरहिं धीर नहिं अति भै पागे हरषि कपिन दल भागत जो रा

छमअस्त्रचपलनजिमोई कुंभकरनतनसमतनघोरे धायेबहुनिसिचरमघफोरे भेसोमतकपि
नरलरेश्या रोषितलछिमनभयेविसेखी छाड्योपसुपतिअस्त्रमहाना सोकियदोऊ अस्त्रकोपाना
आपुसहितजगनीकनिहारी नहंअतिकायपेषेचिधनभारी ।घरे धनुषेचिअस्त्रमहानरापनच
पलसोछांडनभयो लछिमनहुंसोईअस्त्रछांड्योजगतभैमैहैगयो सबदेवजेजैकरनलागे
अस्त्रलरिदोउसोसिमे धनुकर्षिदोउभटवांनवरखेसहितीरलिअनिकोतभे सोरठा कहेराम
नअसआर लषेनछवनलगिपवनतहं अजेअहेअतिकाय शातीछेंनपाकोनिधेन विध
दियएहिवरदान ब्रम्हअस्त्रएकनासतेव करियेसोइवलवांन सोचकीजियेविधवचंन
चौपाई लछिमनसुनिटंकोरकोदंडे लीन्होंकब्रम्हास्त्रप्रचंडे सोवसायकधनुसंधानेउ
जासुतेजसवजगतसकोनेउ परमकोपकरिचपलचलायो गहलसमानवांनवरधायो
सोऊनिजवरवांननमाओ ओरोबहुआयुधनपवासो हक्योनसीसकाटिलियवांना गिर्यो
विंधगिरिसिषिरसमाना परयतसमहिगिर्योधरभारी भगेनिसाचरलोहपरगरी भये

लषेंनरविसरिसप्रकासा लषेभयोतेंममममषलनासा विकसेकोसेनस्योंनन घुलुका ष्युति
सोभायमांनसोदलसर दोहा कपिगनपूजितलषेंनपुनिरांमचंदुरिगआइ अतिआनंद
हिलहतिमेपायनसोसनवाइ चौपाई एव्रतनिसिचरगेरांवनपें मगनभयोसुनिसो
कउहयिमें कहनलग्योपुनिधीरजधारे येनरषंदरअछनहमारे जेकवहूंरनमेंनहि
हारे जिनकेहेंविनहीष्यमाहिसंघारे मरेनमेघनादकेमारे पातेयेईअतिवलवारे एमयें
लषेंनविसुवलवांना रघुहिंधराहिंयेसवधनुवाना वरदांनहिऊहिपामहिघूटे भागीभा
री भरगनकें मेअपनेमनमाहविचारो कोउनाहिंभटउनजोनेंनहारो सावधांनहे
सवमिलिमोहे रहहुलंकाहिउपवमनलाई दोहा पुनिअसोकवनकपटजुनजो कोउआ
वेजाइ नाहिचोनिमेरेनिकट वेगांहिंदेहुजनाइ चौपाई नैसाहिकरनभयेसवनिसिचर उधे
नकुपिनगोरांवननिजघर चिंताकरतनलोपलवेठो लंकासोकसागरहिपेठो लषिपितुउपि
तईदुमरदहारी वोलेएपमक्रोधउरधारी हमरेजियनननसोचुहुजाना येनरवांनरकेनिकवा

ता सुर असुर हुन हि लरि बेला ॥९॥ चं हर हुँकार हुँ बिन जि य सुर ना ॥१॥ आजु हमारे सरगन मारे लखे
हु सयँन ञ्ज राजकुमारे ॥ चलेउ प्रतिग्या करि अस जोधा ॥ भये अनल सम रोउ द्रग क्रोधा ॥ लगे स
गरल बेप र बाना ॥ नाना मुष वा हँन हैं नाना ॥ रोहा ॥ सेन निकर सो जाइ निज रथ चहुँ दिसि रल राषि
करन होम मारन भयो ॥ स्वरि सो जै अभिलाषि ॥ चौपाई ॥ अगिन सिषा रात्तिन दिसि भरी
ताकी बुछि हरषिन है गई ॥ निज जनन रथ धनु सर आयुध सब ॥ ब्रह्म मंत्र सो मंत्रित किये तब
रवि ससि नषत देव सब डरे ॥ सबै निसाचर हरषहि भरे ॥ धनु रथ जुन अद्रिस्य भयि चै नै
चलो जुध करहुँ सो बल ऐनै ॥ मेघनाद कहुँ जुध सब करो ॥ हैनिसं कबं दरदल हरो ॥ गरज
निसाचर जैकी चाहै ॥ लरे ता सुबल भरेउ छाहै ॥ मेघनाद धनु सर संधाना ॥ करंन हेतु बंदरं
नबिन प्रांना ॥ एक एक सर नो पांच कसाना ॥ बडे कपिन को कियो निपाता ॥ छंद ॥ समतर नि
सम परकास तेसर हँनन कीसैंन रोस कै ॥ बस कियो जो तिहुँ लोक तासों जुध करि रिंन को सकै
म हि गिरे बहु कपि भालु भारी सुभर जुथ्थ बहु तेन लरे ॥ बनचार हँ निहनि तीर नी ष तिन हुँ कै

पख्याकुलखरे सोरठ महांधीररंनधीर जेकपिनेहिसनमुखन कोंहिं भरिभरिआंखिनतीर
करनप्रांनविनतिनहिस० दोहा पाहनविटपपहारकपिमारंहिरोसहियारि इंद्रजीतसाधार
सोंकाटिदेतमहिडारि वानअठारहवज्रसमगंधमादनाहिमारि नोनराचमारेनलहिसातम
यंदप्रचारि नरंगनी वरपंचगजवलवांन दसवांनउरजमवांन हनिनीलनीलहितीर कि
यसिंहनादगंभीर संभअहैप्रलेकसांन बोलेकियेखरसान सरनजेमेहरिप्रांन इतिचेति
पवनजिकीन छंद सुग्रीवेंअंगदद्विविदरिखमहुप्रांनविनहींकरदिये पुनिसेनसवसं
धारिसकप्रलयागिसमकोधहिकिये वहवांनविधिवरदानजुतअरुएयश्रापयुधजेतवे
जुतलखंनश्रीरघुनाथपरअतिकोपकरिवरखीतवे कहलखंनसुखलरसोंदलसव
हमतेंमारनकोंचहै प्रभुकरनचाहतहिंजुद्धहमतौरामउरउपजनमहें दिसिविदिसि
नभछितघापसापकअंधकारहिंकोपकें सुग्रीवसेनसमुद्रसीपसेमैनहिदेखीपरे हि
कहरामविधिवरदानयाकोसतसोकरिवेभले तुर्येवानलछिमनसहस्त्रवअपमा

लंका
७५

नअंजनलाएकानेहे मोहितुमहिंसमाएविसंगकरिलहिजीतिलंकहिजाइहे अतिदरषिउरसर
षउरिकाटिदसकंधकहंहरिषाइहे दोहा करनजोहमकहंहोइगो पुनिकरिहेंहमतात नजरु
रोसधीरजधरहुसहहुसउमरबान चोपाई असकहिएमलषनमहिपरे निसिचरलषिअ
निआनरमेरे अस्तुनिकरहिंबाहुबलताकी सतित्रभुवनमहंनहिसमताकी जाइलंकसो
षउरिसुनाई सुनतरहोरावनसुषछाई लकलेसिइनितिफिरहिंविभीषंन जगेवंचेदेवंर
रनसोषंन डरहुनजीवतितेंदोउभाई जगिदलिहेंबलदलसमुदाई विधवादोनपूकिपच
हे नानेमुराछिनरववीरओं पठविचारकर ओसनाहीं धीरजधरहुसबमनमाहीं परोर
हेनिकटहनुमाना करिकेविधवरदंप्रमाना दोहा सुनतविभीषंनकेवचंनउठिवोसोक
पिवीर चलतुलसिंहिंहमसेनसवजीवनकोरंनधीर चोपाई फिरंनलगेदोऊतेहिंओसर
देषेवंडवंडकेवंदर पेचमभागदिवसकेनीचू कहंविकिसेषलकपिदलमीचू सठसठिको
टिमुवनदेवनके ओरअसंषकीसजिनरंनके निनकहंमराछिनरनेविलोका कहंहिनस

राम
७५

हिसमभरत्रैलोका जांमवंतकहैंब्याकुलदेषी उलकासोमुषनासुपरेषी कहैसोविभीषंनजोवृतअहै
धीरजधरिकछुमंत्रहिकहै धीरजधरैसोअतिवुधषांना कहैसोजियतरैकपिहनुमाना कहैसोवि
षंनयाहिदलमाही पूछेहुकतहउमंनाहिकाहीं दोहा जांमवंतबोलतभयो जोजीवृतहनुमान
तोअतिवलअतिरीकरीयतसैनाजुतप्रान चौपाई पुनिहनुमानजामानिजकाहिकै दीजेसांस
नकहैंपदगहिकै हरषितजांमवंतउरलाई कहैतातऔषधिगिरिल्याई वेगिजियावहुप
हकपिसैना तुमहोअतिवलवेगहिऐना सुनतवचनकपिविधसमांना निजवलवलकिउ
कहोवलवांना कियोभयानकसोरअसंका कूदतडोलउठीसवलंका मनमेंविचारहिंडरीनि
सिचरगंन पुनिअवहोंनचहतभारीरंन सोगिरिकपिउषारिनहेंल्याये वेगिप्रवलदलसक
लजियाये हरषितसवहनुमतैसराहे नहगिरिगहिगहिपुनिजुथचाँहे दोहा दसकंधरजू
प्रेमरतनसागरदेतउराइ नातेमृतनिसिचरनतनसकेनपराइनहिपाइ चौपाई पुनिकपिपति
कहहनुमनपांही आवनअसमनमोमनमांहीं मायाकरतनीचविनसंका हमहूंचतुंदिसि

लंका
७६

लाइहिंलंका छोटेवंदानकरआगेअव लैलैकरलुकैठधावहुसव सुनिलेउलकंनचारिदुवा
रान हल्लाकियहितलंकाजारंन वारनवारनहाटंनघरघर अनललगायोविपुलकीसकर ल
गीजरंन सुवरंनमनिमाला वसनविभूषंनजलजनिजाला धायतनहांलसतकपिकैसै
अगनितभूतनभयानकजैसै जिनकहंलषतनिसचरीभागी चहुंकितभईज्वलितअगि
आगी छंद कोउसुनहिलीनेंभगीनिसचरिजरनहाहाधुनिकरै दसवदनअनुपमसर
नवहुविधियरवरिटबरिठरेवरै कलसंनदियंहिंअंगारनेउउगगनमहंमिलिजानभेदीर
परेवुरजंनवज्रसुवंरनसैलसिषरनिपातभे छंद अतिकरनयहसघरंग कोउजेरजुमतिन
संग कोउकरनमासुअतार भेतहैंनेजरिछार कोउधरेआयुधवीर चिक्करहिंतजिनजि
धीर कोउकियेमरकोपान नेजरहिंसोहंकसान दोहा छायेअगरंनचंदननजेसुसदन
समुदाइ जनुनवउआपघरथध्वजानिविविधवितानिकाइ छंद छूटेगजवाजीघूमहि
वाजीनेनहंमकरमीनमनको सोअनलप्रचंडअंवरमंडलपटैनरलनरंगगनाचहुंदि

राम
७६

सभ प्रभारीरोवहिं नारि भागहिं लहहिं नकहुं मगहें जनुत जिमरजादेसिंयसनादेवोलतलंकापुरज
गहे सोरठ जरोनगरसबुजारे देषहिं प्रमुदितकपिनिकार रहीसोभ्रमिउहाइ प्रलेसमेकीजतुन
ची दोहा लंकाकेप्रतिबिंबसोअहनेउथियेस्वार जगउडिरिरावनतुहकाहथिरेसरउजाइ
चौपाई लरहिं सोरकरिषलजथजेरे बंदरतिनकहुंगरहिंते नहहिंने प्रभुवांनचलावे हंनि
हंनिसोधनसिषिरटहावें पुरमधिअतिकोलाहलभयो सोरउसलजोजंनलोगयो भारीनि
सिचरकहंहिनयारी पहिरसनाहनआयुधधारी चढहिंवांहननसंगरकारन सिंहनादकरि
कोधहिधारन कालरात्रिसमभेसोरानी निसिचरनिकसंहिफिरिजमानी कपिपतिक
हनचनिजनिजवोरे नाकहुसवेकीसवलजोरे रहेहुसजुगलेविटपपहारा कहिनजाइस
लकोनेहुंद्वारा दोहा काउकपितुम्हरेमध्येनेचहेभाजिजोजांन स्वामीद्रोही जांनितेहितुम्हे
करहुविनप्रान चौ० नेसहिकारिवंदरवलजाना वारनषंडेलोसिनठनाना उहांकोपिदसा
ननजम्हाना देखिदहनदससदिसनिकसांना सोसनकुंभनिकुंभहिदीन्हां बंदरनवहुतउप

दोकोनेसे लेअवभारीसुभटनसंगा इनहिभगावहुकरिजुमजंगा हुंहुंकेचलतप्रजंबद्धकंपन
थानिताछन्नपाछहेनरन आयुधविविधभांतिकलीन्हे चलेवीरवीरहिरसभीन्हे तिनके
संगभयानकसेना चलीविविधविधभरिरंनचेना एकएकजोतेहवंनकहें राजिरहेभारीभर
नेतहें कवित्त राजेगजभारीभारीलाजेदिग्गजहू देखिकुवेरलछोरसा गाजेमदधुमिघुमि
छादोविदमुंदसेनाहिहें पुरंदसकेसो मिरदेंहिभारतोनेरलघुमिघुमि कोपीरंनचापोगादे
ररनसीसमेसइगरतवनावेलंकनघुमिघुमि भ्रमिभ्रमि गंडगंधपाइगुंजेंमनहिमिलिंद
पुंजधारेमोदसुंडनसोआछोचरचमिचुमि दोहा देहिमहाउपजवलगेओखधगज
नवनार तोलोवहिज्यारेमहांरलधनिसुनिअनवार चौपाई अमरोनिसिचरसेनालागा
वहुभखनलोरननजाका भटनकोपवढाआगिसमोना वृंदिगिरिसमवारननाना आयुधम
करमीननहेंराजो धुजफहरनलहनिसमछाजे वरनअनेनसमजानसुहाये कुंभनिकुंभदीप
समभाये तेतेविटपकापितुनहेंआये तीष्छनकरजनवहुरवियाये नासिकऽभ्रबंनलकर

जहीं कोउकहतदिकुटिकुजुधरेकोउकहतआवतहैभलो कोउकहतभागेजोनकहिफिरकहत
सोउलरिवोभलो गजवाजिजांनसवारविननहंथकितथिरहिंविराजहीं वहुवसंनभूषनसस्त्र
वषनरपरेपुहमीभ्राजहीं दोहा भटविचारिअविचलसुजसमोलदेहिंदेप्रान रननहिछांहे
वजारपरसुकविकोअनुमान हननलगेकोउकाहुकहंनाहुहनेकोउआंन मत्तजुधकोउकरहिं
विनकोउवेधनवांन मृतकनिसिचरनहारजेटूटिपरेरंनमाहि रुधिरपांनकरहंसतजनभी
जुहिदसंनदेषाहि चोपाई लेयुनिपारपसिषरपहारा भालुकपिनकियत्रसतप्रहारा अनी
आपनीविचलतदेषी वीरधारिरररोसविसेषी लैप्रजंघअसिनरुगिरिकोर वलीभालुकी
सहसिरछोरे वंदरमालमेलजेमारे वाननतेजपाछनेडारे द्विदमयंदहुनमनपचारे धो
निनाथगहिगदाविहारे कोपिप्रजंघषड्गलेधायो अंगदपरेंअनिआतुरआयो अंगदअस
करनतरुलीन्हों सोनरिआरप्रहारहिकीन्हों अंगदनेहिदुममारवचायो पुनिमुठिकातेहि
वीहैंलगायो छंद तेंहिंहानेतेंनरवारिताकीथूरिछोनीगिरिपरी सठसंभ्हरिभालहिहनो

मुष्टिका बिकल भो कपि देह वारी जुवराज हू पुनि सारथी धन के प्रान सौं गहि तेहि दलो जूथप छ
सो कितउ तरि रथ तें को पि अंगद पहँ चलो दोहा धावन को पितना हि ला छि डु बिद धाय रहि ली
ने भाई एक रोज जानि के प्राणि नि ताछि रिस कीन चौपाई मारे गदा डुबिद की छाती निसिचर भट रें
न मह रस मांती कछु मुरछा डुबिद हि नहं आई जागि लई तेहि गदा छंडाई डुबिद हि एक सौ
न व दोउ भाई लियमयंद तेहि धाइ बचाई डुबिद धरे अति क्रोध धरि धाये नय सो खो नि ताछ
मुष्टि फासे पुहमि पारि पुनि तेहि मलि गये जपा छ हहि पूरि मयंद प्रचारे मथन भये जुन
हि गलि गत बल करि भये निसाचर दल मल न खल मल त्रसित निसाचर भागत भये सभिर
कुंभ पै लें आतुर गये सेन विकल लखि कोपि न वीर भट की सैन आओ हैं निसीरा छंद फिर
पिल्से वर घन अश्वारि सर गंन भार कपि विकल किये धरे चि सुनि लो वानेवर ले डुबिद भाल
हि महं दियो कंपि परे उपाउ प मारि खुलि बल नंन कत न सुधि न हीर ही लखि बंधु व्याकुल वेगि
धायो नहं मयंद मिला गहो दोहा मारन भोने हि जोर सों सोउ हं नि पाचक बांन का टि ताहि

कोपित भयो कुंभकर्न बलवान चौपाई मरम न जानि मारेउ रघुवीरा घन सुरा छूटि न गिरे कीस सनेन भीषंन
अंगद विभीषन तब देखि कै रोउ कहें परम क्रोध पुनि धायो रनमांहि सोआ वन अंग रहि विहारी पौचे
राचल नैनी सधारी रुमो नत वमा सोई बान जे आनि विषधर व्याल समाना पुनि अगनित नर
ते प्रचारी कनक पुंछ कुलि से अघ नुहारी जिन तें विंध मत कापि जोधा कंप्यो न नेक भयो अति
क्रोधा सिला पाहन तेहि सरवरष्यो कुंभकर्न निन करु काटि अमरष्यो एक न न लाघि अंगद
कहें बीर हन्यो ता सु भौह न जु गंभीरा छंद सरल गभू भो पलक अंगद इ गत हा होउ कहि गये
एक पां निशोउ एक रिपलकं न परम रोख तन नहि भये एक साल महा उपारि पल्लव भरा ऐ केकुं
भहि हन्यो सो काटि निज सर वीर निसिचर समे ने गिहि रोस हहि हन्यो दोहा पुनि पत्नि वानन नह
न नसो गिरत ए ठ न कपि वीर जाइ कही चार निष बरि बैठे जहां रघुवीर पुनि अंगद कहं विषिन
कपिक टक महा बलवान जो भयो नि आदि कुरि छन पठ्यो तहं भगवान चौपाई बंदर भालु
कोपि करि धाये अंगद पहं अति आतुर आये वेगि दरस रिछ सरछ नो बरसेन हगिरि ने हि

राम
७८

सिरसेनो सो हँ निसाकाटे सब द्रुम गिरि हँनि हँनि सर आर्यो तिन कहँ फिर नट सम मरोकि कीसर
द सागर हरष्यो निसिचर बंस उजागर आउ कपिन तें जाइ न सक कहीं आ गयेके अंगद लरहीं
धायो कीस ई सरिस धारी अंगद कहँ दिए पाछे डारी हरिपति निहारि स्रम क्रोधित भयो नर लकुं भकुं
भीप हरयो मार्यो अगनित तनु उपारी सो सब का सो भर गन झारी छंद अगनित सर झारी रोस
हि धारी कुंभकरन श्री राहि बिध्वंत कियो कोप्यो कपि जोधा करि उर क्रोधा धाइ धनु बनेहि छीन लियो
नेहि नोरि कहौ अस नोहि भर सावस धनुधर नें हौं सुभट मरैं जस बल नोहि माहो नस को उ नाही
नो सम सक दस कंध अहै दोहा सुनि क्रोधित रघुनेउ नरि लपरि गयो बलवान सुग्रीवं हुँ नेगेहि
जग हस्यो माल जु द्रुम हँ जोन चौपाई लगेल बैन सुख देविमानन लरहिं प्रबल जन जुग पं
चानन दोउ अंग सो अंग मिलावे एक एक कहँ चहँ गिरावे दीरघ तन दोउ दाउन करहीं
कज्जल गिरि सुमेर जनु लरहीं पग घातन उमग मे पुतमी बल भलासें धुउ ठवि बहु उरमी इहि
कोपित कपि उठाइ नेहि लयो सपदि सिंधु मधि फेंक तन चयो उघ स्रो जल निधि जल करि

लंका
८०

सँममंदरविंध्यहिदुहुँवोरा उठिनिसिचरपुनिक्रोधहिंधायो धाइकपीसहिमुष्टिकामायो फूटिगयोउर
स्रोनितवह्यो तहँकपिपतिअतिधीरजगह्यो छंद कुपितभयोअतिकीसज्वालमाला राजयतेंने
वांधिमुष्टिकाफेरिताहिमायोप्रचारिरंन फाटेउरसोवीरगिर्योनभतेमंडलसँम सगिरिडगी
अतिधरनिनिसाचरदलभोसंभ्रम तहँनकिनिकुंभनिजअनुजवधसोकितरोससमेतभोसम
तजगचज्ञ विद्रुमवलिततूजितपरिघहिलैनभो दोहा धोरगरजिधावतभयोजनुजुगांतकीआगि
तेहिभयसोतनसंकुचितसवैनमरकटभागि चौपाई तेहिऔसरहनुमतनहँआयो पीछुके
रिकपिपतिकहँधायो छातीवोडिकह्योहनुमंता मारिलेहिउनिकरिहौंअंता सोकोपितह्वै
मारतभयो लगिमनतूकपरिघहूगयो गिरतबहुतउलकासमभायो हनुमंतहुँअतिक्रोधहि
छायो मुष्टिकामायोखलकीछाती कछुकंपितह्वैपुनिरँनमाती कीसहिकोपिपकरिसोलीन्हो
हरषितसोरनिसिचरंनकीन्हों विविधमालुकपिअचरजमान्यो अतिवलवांननिकुंभहि
जान्यो महावीरकपिक्रोधितभयो दृढमुष्टिकानाकेकरहयो छप्पै छूटिकूदिहनुमंतनाकुउर

राम
८०

मुठिका मारि सो परछिति लंगूरहि भट पटि लपटि पुनि पहुंमि पछारै। फेरि अकासहि जाइ पसौ
भट हृदै मारि तो सो सोसम भयो मुर्छितो कपि दलभारी। तेहिं समै घर निडगमग भई
डरे कुल निसिचर निकर। सुनि उपजित कुपित दसकंध भोर दंत अधर धरि मीजि कर। दोहा
कहेसि फेरि मकराच्छसों नाग सेन लै जाइ। पिता बधेउ अवलेहु तुम हनहु सकल दल सठ भाइ
चौपाई। सो हरषित तुरत दल बुलवायो। कोटिन्ह हैवर रथ चढि धायो। उत्साहित पुनि कहे सो
पुकारी। आजु मारिहौं सब दल खरारी। बरहंनी मम मस्त लंकेसाना। जरिहै दल त्रिन सम बस
माना। कामरूप निनिसिचर बल खाना। उनि तरषित कियस मद महाना। तेहिं मधि कीन्हे आ
तुर बले निसिचर समर उमंडि न भले भेरी आदि बजे बहु बाजे। हेरे ताल बीर सब गाजे
अंगद जिन गज बन महिष समाना। औरो निसिचर बिबिध बिधाना। ता हीं समै अस सुभट
हैं भये तिनहिं नगं नि कपि दल ढिग गये। छंद झूलना। लखि रिपु सेन सब कीस भर चैन हि
रनपिले जे राम कहि तेसधारी। पिलि निसिचर हु भेट उद्धमत अति बिकट हंन हिं सर गर गमृद

कपिहुं न धीर बिन पीर सहि नोर तिनहं नहिं करि कोप तह गिरि उपारी ‖ डोरे लतुरुछ तहं कालिं ध्याति
गेंधु कहें श्रकुरसुरसुरजे छ्य मज्ञ मयो भारे दोहा नब मकरगन्न उमंग सों छोरे सान समह अंग भंग
वंदरन के भगे अनेकन झूठ अधाक मल वंध सरवीर पर पीर कर उठर वाधर खरवार भीरप्पा
र उर धीर का घोर तीर जरधार चौपाई चली रजनिचारि चमू बरवही चपरि कपि निधुनि
करन गह गही कुपि नराम तव सर निचलाये छंन महं रजनिचरंन गंन छाये बोले सोतहं म
करा हत प्रवीना दुंदजुद्ध मे चांहो की कीना तुमक हं देषन रिसि उर रहे हने बिना नहिं मोहि
कल अहे लेहों पितुको वयर निवाही अपने सानतु मेहमे राही पिते हनन्मे तुम्हेन दषेउ
नाते निज भागहि लषु लेषेउ वडी भागि मेरी अ चआई जो रनमाथि दियतुमहि देखाई
चाहो अखून सखून लरौ चाहु हुगरा वोहुं जुड करो छंद महरण प्रभु कल नाहि जेलपे
कालहि अलपे जैहो पितुपहं मूढ वहु स्वान षग गाला गीधनमाला षाये सेषा पलतूंढ

तुवं मांस नवीनो मम मसरीनो षेहे हरषि मराहि ‖ गोलेव हू वानी रे अभिमानी वीरन नेहुं जाहि

दोहा तजि बल गन पृथक जुथ करु निज बल मोहि देषाउ ६८ जुद्ध हित कपि लै मे निरभै मोहि गाआ
उ चौपाई रथ चलाइ धन धाम सम्भासो छन सैं मरो माहिं मृदि पिचासो सरन काटि रवि
सम कटि आये ७ निप्रभु अगनित सर न चलाये करहिं परस्पर संगर दोऊ होन न जांनि
परन तहं कोऊ ८ तनहुं नके कोदंड प्रचंडा भसो सोर भेहि छन ब्रह्मंडा हरन हार जे आसुरि
प्रांना निकसहिं तनहुं न तैंन सरनाना दोनो जुद्ध कपि नत तहं काहीं मर दसि दिसि दिसैं न छु
न मरहिं भरहीं कुपित राम ताके धन कासो रथ ममि विचारि उवाजिन छांसो क्रोधित थयो
भयो अभिमानी लीन्हे करत्र सल वर दांनी छंद तोटक प्रलयागि कि के सम सुल महा जे
हिने जदि गंतत निव्यापि रहा करलै षल राम हिनास चहसो प्रभु पौलषि कै जग ज्ञानर
हसो दोहा कलसा मन हि वरदान के मोने मोहि वहु वार लषं नाहिं भी कोल गन न हिं चहं
हि जग जन संघार चौपाई षल प्रचारि सो सल हि हनो भागे हर जग अंत न हि गन्सो राम वा
हु सर चारि चलाई चारि खंड करि दिया गिराई जैजै करि नभ करु सव हरषे प्रभु पर पाम

लंका
८८

७६ पचद्वबरषे मुनिबांधिषल क्रोधहिवाढ्यौ बलो कहत मारहुं रहुनाथो सरसंधानिनापक
हवांनी अवनहि चिचहि है मुनि डर्षरांनी मारयो पावक कान्ह तहं लिगुवा देषितउरभर गिरेउभूमि
पर हरषे सुरसब भगेनिसाचर कपिरलभोनव आनंदसागर मुनि सुथिरमननपोसोदस
११ कपिनितन हैं उनिकीन्हो अति डर छंदतोटक बननाराहि फेरि विचारिक ह्यो तुमपत्र
महां बरदान लह्यो है दिस्य अदृस्य हनो उनको अतिमाय कलापक जीतन को चौपाई
जो तोतुम अदृस्य है देवन येनहिजानहि माया भेदन नातेनहिजीतव संदेहू अब रो
सितहैकरधनुलेहू पितावचन सुनिजुथि मनदीन्हो सोई मारन मषक्रम कीन्हो बरय
चहि अदृस्य है धायो आनुरा गमसेनमहं आयो मनहिं कहत दलसकल संहारी आजु
करहुं गोपितहि सुषारी लोथिहु रनमहं रहन न पैहै नवको एकहि विधि रन्है जियेहै लषि
दोउ बंधु महां रिसपायो धनुटंकोरनजंनसरलायो चले चहूं दिसि महां कराला तीनिनी
निसिरकेजनव्याला छंदत्रभंगी अगनित सरझरी कोपि सुरारी की अधिपा रीगगनम

हो॥ नवचरथनधारी रोषबारि हितजुधभारी सुषनिवह्यौ रविसमप्रकासी अनिदृग्गोसी
सैंमजैंमफांसी भीषननी बरविसिषपठारे दिसैंनपमारेनभ उजियारे अतिहिछजे दोहा मेघ
नादबरबीररैंनतबहुँनकाकुलबात परतिचाउ्सहरबधुकौ सोरनजानोजात चौपाई बरषन
लाग्यो सिलापहारैंन महाबीरनमकिपो महारैंन सैंमजैंमरंडबांनलरानी सेउबंधुनबंधत
छलषांनी प्रभुमनकरहु अवषलकहेंह निहौ बारबारकरुदानिनमानिहौं कनकपुंषछोडेर
घुवासर छेदिछेदि निकससठधर भजिभजितलोइंद्रजितबीरा नजतविपुलसरअतिर
नधीरा कपाटबंद मतिगतिकुपितकालितबहधनुसर हतिलतिकपिनकरतनलेविभधा
बरषतसरलषपरतनकेसे छयेघननमहँपूषनजैसे गिरेप्रानविनकीसहजारैंन लषि
लछिमनकिपनकोधहिधारैंन छंदगीतका भ्रकुटकुटिलविरुध्यलछिमनअधरभ्रजफरकं
नलगे अहिकोलकछपदसहदिग्गजभ्रमिभ्रधरडगमगे कहतौलियधनुषअनंतक्षतिगु
नद्वंतमेअवतरतहौं पेसकलनिसिचरसकुलनाजिवितिअभुकहंसंघरहौं दोहा सुनत

लंका
८३

वचन२ मिलषनके आतुर षोले राम अर्थ एक के सब न को हन बने हे अत्रिएम भजो जात मनतेरार अरु
गुह करन न हि होइ उचित न हे ता को हन बक हन सुजन सब कोइ चौपाई महीं नजत तहीं वान क
राला हं न नहार स्त्रसु असुर विसाला जेहे निहुँ लोकहु जो नीचू लघु कालहि करि हो बस मीचु
सो तुज राम हिरा षिन जो नी भाजि भवन को गो छल षानी निज कुल अंत हि गुन तन सारी नहे
अति कोपित भये सुरारी बल माया की सिया बनाई दल संग लेत हिर याहि चलाई धहि मनहार
कढ्यो असि लीन्हें हनुमत आयो रोस हि कीन्हे माया सिय लषि भ्रमि समुझायो सोरा
मानि तेहि मारि गिरायो अति सोकित हुंहे हनुमत जबै कछु न पराक्रम करि न हं सको तेहा
जो निनिरर्थक सकल ष्रम बूडे सोक समुद्र मंद मंद गयनो गुनत किपो कर्मजो कुद्र चौपाई
कपिन तें सधि सब नार जनाई सुनत गहें दुषित भये दोउ भाई पुनि लछिमन प्रभ कहें समुझा
यो नाहो समे विभीषन आयो सोकित सदल राम कहें पेषी दुषि न हि कहेउ कहा यह देषी
सुनि लछिमन सब षबरि सुनाई सुनत विभीषन अति अकुलाई कहेसो रामकहें बेगिउ

राम
८३

नाई जद्यपि षग्गरि पन्नग अस्तन गाई हनेहिं निसि षाहि निसाचर राई मै जानत हौं तासु सुभाऊ हमय
हु बिधि तेब हु सम भाषो सीता त्याग न ते हि मन आयो सामादिक सो और हम कै हे कब हुं न सो उरे थन पै
हे दोहा माया सी षवनाइके सबकरै मोहित कीन अवनि कुंभला जाइके जे हित नन माहिं लीन चौ॰
करि मष अन्न जेहाड गो जोधा सबकहं मारिहै तुत अतिक्रोधा सरल पंथ पै अब निज भाई जगवि
धंसहिं मो हि संग जाई तजि पबे गहिं मिथ्या सो कहि तकि सो किन सो चित कपि या कहि भा
री भट को उभिरै जो आई आप हि रलररत्नघर घुराई नेमछ हे हैं जम सर मारी भये बिघ्न मष भरि
हि सुरारी तिय भये षल दे षिन पारि है कोयि न तीनौ लोक संघरि है सो सन दीजे वेगि दयाला
अब बिलंब कर अहै न काला धरि धीरज तब कहे षरारी विकल न बानी सुने उ तुम्हारी दोहा
सम पिय षनि जब चंन बर सषा फेरि कहि जाउ कह्यो विभीषन केरि सब सहित नमहो उत्सा
हु चौपाई उनि कह विधि कर पुनि हिवा सेना पाहि हतन को पठे विधाना पाके मेरे म्रत कहे रा
वन सुनि बोले भुज भार न सांवेन निपन ग्रंस अस्व हि षल अहै अति मायक धनुधर मरै
है

जीत्यो सकलसुरनरनरपति हं नन अर इसन जानि ज्ञाप गति सावधान है रिपुवल जानी लेअ
मोद सर गहि धनुपानी हनूमान आदिकवल ग्रांना सेना सहित रिपुवल वाना सषा विभी
षंन परम पिय प्यारो मम हित रत प्रवीन वलकारो इनके संग नात तुम जाहु अति अभेद वा पहि
रननाहु दोहा धरि करचले धनुषसर प्रभुपद सीसनवाइ वोले लछिमन रघुनन्द है हरतषि
प्रभु हिह रघुराय चौपाई आज हमारे धनु ते छूटे इंद्रजीत के तन ते फूटे परि है लंक सरो रजाइ
सर हंसनकी सम सरि पाई अस कहि अति उत्साहित चले मोदित कपि ननु पषु संग भले
पटि रघु वासु लिन चलायो लषन तवि भीषन अतिपुषमायो एक एक के आगे कटे भालु की
सगन रंनलषमटे तिनके स्लम थिमार्ग तलछिमन लष्यो निकुंभ लानि सिचर दल घन
लषी परन सो सेना केसी नवतन माल घन अरवी जैसी जाइ निकट निरष्यो वल जहा मनहुं
काल निसि जाम समहा दोहा कह्यो विभीषंन लषंन सों लषियो षिरअरि जहं जतहाति
निसिचर दल कह्यो समिस्यो पाप समूह चौपाई किये यज्ञ मन चहुं दिसिअनी रहिन सोरसि

धुहि समबनी इंद्रजीत मथ्यि नीलकमल मनु नेहि तंनमाज मुना प्रवाह जनु तासो पुरत दलको अंतर छपे
पेषि नहि परे बीरखर सेना भिन्न भये लषि परि है मषत जिज्ञुध्म यानक करि है सोमुनि दलगज जूथ्य
बिहारं न उतसाह हि कीन्हे उधारं न जटासु केसा मराहि मलोने नहनके सरील षं नलषाने किसो
कठिन को हंडं टंकोरा भ सोभ सान क प्रतिधुनि सोभा छूटे धनु नेषल्ल दलपर वानप्रकासी भ रंगे तरे
दोहा तजिनव ज्ञुअ रुद्धहर घनप्रले कालके घोर उपमा एरन करत भूतेन चहु किनत न दिठोर आवनको
पितनि सिचरं नफिरि मरन जेहजार हकिगे पी ठितपुनि समिटि धाया पे कहिवार चौपाई मानहुं रो
किन दससन बाहु छूटे चले नवर राप्रवाह कपे चहुं विधि पादपन पषानन करि प्रहार रज ब्रह्मना
नन सिलासिषर मुदगर सर पासा हनै निसिचर हकारि जे आसा अतिबल फेरि निसाचर धाये
लघु कीसं नकहं मारि गिराये सजब सपच्छ नील गिरिवेषा पिलत निसिचरन लछिमन रेषा
सरतें निहं निडरे सहि माही पवि हत बिन परै है लषाहीं वानन विरलकीन जो सेना भई सोपे
हि विधि इति की जैना जनु दल अंतर तासि कर आई भरे उत हनलनन मस मुदाई दोहा गुंनि भुय
रम्भ ननि सिचरन मारहि कीस उदाइ तिनके भारी डील सोल घुघलजो हि चपाइ सोरठा हिनो

अहित है जाइ राम विरोधा हि के किये सो रन प्रगट लषाइ निसिचर न न निसिचर चंपत चौपाई रिछ
बांनर रहु अतिरिसिहाई मारहिं आयुध परे उठाई अनायास पाउ वसे ख्वन को अचरज नहि कछु
हरिभक्तन को लाधि मन महा धज पट कोरा अरु की सन को आनर सोरा १ निपीडित अति
बांनन धारा भजी सेन को सर अपारा सुनिन सके उ अकुलाइ ने मन जि इंद्रजीत निकसो सनक
हंसजि बडे बिलोचन रि सिव सिला ले धाए बल चढि रथ हि विसाले कज्जल गिरि तें न धनुध
रि गाज्यो अति विकराल काल सम राज्यो ते हि लषि असुर धिन भै भाये प्रलेकाल के घन तसम
धाये छप्पै सभे ना हि वर कीस डील जेहि है सुमेर सम सत्रु न करन विनास समन कपि सकल
सोक भ्रम नाम जासु हनुमान मान नहि रामहि तागु मानि नि है बल वेपरमान अभे दाता सव प्रानति
अति कुपित लंगूर हि पटकि भट कर कटाइ सोर हि किये निसिचर न रूप दिन हं भरू पूरि गहि तरु
उषारि भारि लिये दोहा सोन तमाम सो जोर करि गिरि सुभट समुदाइ अनि कपि बरष्यो विटपग
न धावत धरनि कंपाइ गतागत सेलु उठाइ करै वरनास सनाद वरै कपचोडल सै सेहनिमाधसुह
तह आनन आसत तो मुख मानि हंसै सैकर ने हलकागज काटिरि काज गकाल हने रके से सेज

नकोपिकवेनिभ्रनेगगनेभनिवेकपिकीनजैसे चौपाई मुराछितविकलसैनसवभई मेघनाद
डरिरिसिअतिछई कहहोसतसोरथहिचलाई तहंलैचलुजहंकपिउवराई विलंमेमोहिपहना
सतिसेना अहंहिवीरवलअतिवलऐना मुननमततदियरथपहुंचाई कराविघनवसोमारसु
मुहाई पट्टिसपरिघमूसलअसिपरसा ओरहुआयुधकपिवरवरसा सस्त्रनिसाहिकपिकहंपे
उकारी रेरावनसतसठअविचारी सरहोइतोनजिधनुसापक मागिरपरहिओसकल
सहायक वाहुजुद्धतेमोकहंदेही मेरोमसंघातसहिलेही छंदगीतका सहिलेहिमोरप्रहारतो
वलवांनतेअतिहेसही सुनिकुपितमेघनना दमोरनचहेसोलेगहियनुसरगही लषिक
हेोलछिमनसोंविभीषंनहंनतवलहनुमानको हेसावधांनाहिवेगहींअवकरीआपपयु
नकोदोहा अतिउत्साहितलछिमनहिसंगलैचलेसोलेआइ भयेदेषावतजगत्रघलहाथि
निकुंभिलाजाइ चौपाई होतअदिस्सइहोसठमघकरि सरहंनिहंनिडारनसवदलहरि दिपा
पीठिपाछिघलकहंस्वांमी मारहुमतांवीरवरनांमी नेसमहिकरिलाछिमनमेठावे जुधकरन

लंका
८८

केआनरघाटे तोलनधजनेहिवारहिवडे लषनगहि देषिचदोरषवडे कह्योपुकारिइंद्रजितआसीकरहु
जुधनिजवलहिदेषाई पुनिकोपितलषिनिकटविभीषंन मनगुनिपहेदेनहेसीवंन कह्योअहो
तुमपितकेभाईवाटताहीकोधनुषाई तासोद्रोहकरतहोकाहे मेरोमरिवोमनमेचाहे दोहा तजो
जातअभिमानपुनिछोडिसहोदरभागि अनुचितउचितविचारितजिआयेइनसंगभागि
चौपाई इषवकधमेनिंदसवभांती सोचनीयहोपंचविपांती अगुनोआपनिजातिजोहोई
हितमाननहेवुधसवकोई तजेपछनिजलहिरिपुपंछे ताकहंजानीनीतनदेहेभयेपछ
छेहहैजानसोउ पातेंअसमतकरतनहेकोउ तुम्हारोमतिनिरदेमैलेषी पुतकरनासकरा
वहुदेषी कह्योविभीषंनसुनितेहिवानी रघ्याकेविनवुधअभिमानी जद्दपिभयोनि
सिचरकुलमाही सतोगुनीमेरह्योसदाही कवहुंनअधमनकरसंगकीन्हो रहेउअधमाहि
महंमननलीन्हो दोहा विषमवुद्धिपापीअनुजइमित्यागतिहेजानु नजहिलोगजिमिछुप
ननिजलागेमहाकिसांन सोरठा परधनपरतियचोर मनिदिहीअतिडवमतिकियअपमा

राम
८८

ननयोर ना स ज्ञान रांवन सकुल चौपाई तेहि दिन जिजो निज स्वामिहि पाये कंहांहि मूट मैं का उ हका
ये रहेंहिं मोहि नहि इषन सज्जन हूहैं हु न नकप्रा प्रभु रितमन अजचित उचित न चहो सो कहौ
नात कालके मुषतो अहो आवन यहि मघ्य लनहि पैहो जनक सहित जमसरंन सिधैहो
पूरव पुरुषक हे जे मोहि ताके फल अवलेहु हरोही सुनि उठि क्रोधित षड्ग उठायो घरेंरंड काल
हि सम भायो सो हि लषंन लख्यो षल कोहीं आवत कुपित विभीषंन पोहीं षिसमन वदन्ववान
धनुधारी मान न स्रुत परें चदेल यारी सोरठा लषि षल कठ मम बांन सबके तन अव रहत है
जे से महां कृसानु नलरासि जारै छनहि दोहा प्रले मेघ सम करन धुनि वरषन स्रस्त्र अनेके
हस्तलाघवी करहु अवलषतु रिफत कोनेक चौपाई पूरुवु जो मै सव कर मान्यो तुरमहि सो वल
अवहि विसार्यो आपुहि मरन चहो मे जान्यो फेरि फेरि जो जुद्ध हित तो कहो लषन कि पडरेत
राई सो नहि कीन्हीं कछु वरिआई नेरे किएम षहनहि मयो कपिन कीन विछे है गयो मेरो जी
तव कर्म मसो हे करि न सकै सेवकन कहांहे सो हनि षलमारे सरन लीछन मर्फ समानलगेञ्च

लंका
८७

निभीषँन खान्हित लेपित अँग है गयो लषँन अधूम अनल सम भयो सो कहु लषँन गए हु सब मारे
हैं हे सि गरे कीस दुषारे छंद गीतिका अति सोचि है लखि रामनु मकहं परे महि महं सर लगे पुनि
वचन षलके लषंन उ घात भयेंन कहं रिसि पयो वपु भयो महा कराल जनु वहु काल येकौहिनं
नध सो यहु भयो अचरज महै जो नहि नीच देषत हीमयो सोरठा कोउ नहि सकत परेखि
लेनतन नधनु नैंतज नु ज्वालिन वांन न तिरेषि संकित कपिबीर हु भये मान तभेते हि काल
सेस नाग को पित भयो मुषते अविरल ज्वाल करत महा प्रलय आग को चौपाई सरन विधि नको
पितषल लैके से मारनं डकिरानिन जु नजैसे हनन लागे आसुग प्रबंना लछिमन उ समारे बेगा
ना पुनि अगन्नित सर छोडे विहंसत धनु रथ वाजिन नतें ज उनिकसत रामबंधु रावन सुत
जोधा लरहिं परस पर करि करि कोधा होउ मंत्र जीन सोएउ वल वांना नेजवेन अतिसय
सु जाना हाउ हस्त लाघव अति अहंहीं उनसो हित सोउरेंन चहंही उपमा कहि न सक
त कवि कोई उनसम वे है उनसम कोई भयो समरा सैन मंडल वैसा चक्र पानि समर बिल सेउ जैसा
८

छंद ॥ सुनी सरतजेबिंबिधनुलगेकर्ने उरबिचघातनीचमुखभोविवर्ने हेमाघिनवोटकेधनु
सकोर दुरखरीनमुधिकपुविध्यिततोर लषिकहेंविभीषंनबहुसरा॥ असकिपोनकपहूं
कोउआहि हरखितरनमहंरसरथकिसोर फिरिजागिनिसाचलष्योओर कतसर्पधानवि
कमनुलोन जुधकरिचाहहुजमपरहिजांन जेहिबलउरपनहैसुरनराजु रनरिकहुत
घनसोलखहुआजु असकहिमारेउउरसातबान रसमाहुसोबंधेहनमान पुनिबुगि
बोररुसारंगवोपि सनसाविभीषंनहिहनेकोपि हंसिकहेोलषनतेजोरपोर सरकर
ननपीराअहेतोर तेहिमुरिलीनबहुबानबर्षि पुनिहसोवषतरहिधनुषकार्षि
मोरध करसोगिसेविसाल अतिप्रकासपञ्चनवलित मानहंतारागाल दुटिपरो
आकास देला हसतलाघवीकानपुनिनेोष्पनसोमासोमारि अजैपनगकानीचकोका
टिरिकोमहिडारि सरिछन्ननतेंनलपेटहथिरसोरंनमहंअतिसोर उरनसमासोजन
कहोरोमरोमनेकोर लषनहंसोउरवोनवरामुछितहेजगिकुंथ नजंनलगेसाग

जिबहुफिरननरलनेतहि जुद्ध सोरठा बारबनतनमान अनेक जउनिसिचरबहुतनधरे लहेहिंनको
पिकलनेक व्याकुल हैनहे असकहोंहि चौपाई ।। नागगाजासेनानासे मापापामा
सेभाभासे अहि सरथलमोरेबहुलबुनहि गिरेभूमिफूटेबुषतरनहिं जनभूमतेप्रभुछू
चेभरे छमाकरावन हिनषगपरे उनिहजारवरोननमोसे काटिलषंनकोबुषताग
से विगतकवचलाछि मन अतिकोहे केंउरतनेसस ममसोहे लरहिंपरसपाहेउब
लवंता चाहेंहिंपेकपेककर अंता धोसरनभतेंबुरषनमाये धोदिनमानिमंडलतेआ
वै के धोदसहुदिसनितेंआहीं धोएकवारहिधनबनिकरहीं छंद धोसेकवारहिंधनबषें
चैंक टनवानअनंनते धोरामरोमनइहनकेकटिरहेमटिभेवंनहें अतिज्वलितरूप
अनंतफूलेअंगउत्माठितभये जनुकनकमनिमय अतिप्रकासितकच्चजनफूलिहे
गये दोहा श्रवनतरुधिरांनिननसहित गैरिकगिरिध्धतिरिहे वरषनतसरधनधुनिका
नदोउबन्नेसमनालेहि चौपाई गिद्धपछ्छजनतसअनियारे विजेचाहकरिजोरपरारे

वेधि इनुनके अंगन जांहीं सोअ विहंग जनु विटप समांहीं निकहिं सरसरेत ने ऐसें कटहिं प्रभात
नीड खग जैसें इंद्रजीत रथ मंडल कौरें ग्योहीं पवनतनय गगन तिधरै कबहुं कहुं करि कबहुं निपरा रै
लरहिं थांम दाहिन कहुं लाई सरन सें घन न मरन पलछपे उ दुहुं रिसि भट नघोर रावन पेउ
घायल सेउ वीर हैं गये फूल किंसुक सें मन भये जित नअमल षंनहिं अमित जांनो तलीविभीषंन
रिसि उर आंनो छंद अमजित अतुल षंन हूं अमितन जांनी लंकपति कोपित भये अति आतुर प्रभुरे
न करें न कारंन कारमुक सर कर लये निसिचर नपर सम अनल वरसे वेगि सो वरषन लग्यो
मन विविध लागे ठहंन जनु वन दीह दावानल जग्यो अनचार विभीषंन के निसाचरने रुचे
आयुध हने असि सक्ति तोमर सूल मुद्गर गण परिघ पटिस साघने तिच आखिल असुरने
के विभीषंन वीर जनु मरें न रंग है जनु कलम गंजन चहु वोर नांके मध्य मन्त मतंग गैरें सोरठा प्रतिके
रु कोस नरे टेरि नीति निपुंन नल के सनहं ओसर मिलि हिन फेरि इंद्रजीत के हनने को दोहा तु
मेसि गरे निसिचर सुभटंन महं डोरे मारि रहसी पेक वां की पहे रावन सुवन मुरारि चौपाई

लंका
५९

राके आजु गिरि रँन माहीं तं बुन तजि दुजो भर नाहीं गोपद इव पह बल दल सागर तुम तरि आपे सब
बल आगर अब पे हिर न महं मारि गिरा पे महा सुजस त्रभुवन मह छापे मो हिन उचित बंधु स
नमरिवै न ऊ राम का रज है करिबो पेज बस मैया हिच लाऊ मन महं कारि अब मारि गिरा ऊ मैं
स भरि आव न होउ अघन नाते मोच होत सर लघन सुनि हरषित लंगूर कंपाये सिंहनाद के
रि वंदर धाये मन हुं प्रलय के पवन चलाये सिंधु तरंग सम हुलाये छंद जनु सिंधु तुंग तरंग धाये
भालु पति प्रफुलित भये अति कुपित सह दल सारि हं जुत पछ छोरे सरग ने जन महा बल ते सथ
निकसे विहंग अगनित जरे है रत कपि हु गिरि गन हनै जनु चल पवन बन न सम लहै हैं
दोहा रिछराज धाव न भको रल नल ग्यो बल सैन हनहि सबै निसिचर हने हि उगेन सो वल छे
न चौपाई पिलेनि हारि सैन पन भारी जोरि पानि रोस उचित विचारी हनूमान कह लछमन
पांहीं कछु न निवारि रघुमम सुर माहीं मे प्रभु को जो संसन पाऊं तो पर सुभट समर लष आ
ऊं लाछिमन कहेहु कत हम मम जीकी जाइ समहार करहु सब ही की प्रसन्न न हंनाय पउनाी

५९

धायेकपिकुंजररिसधारी हतसहायबिभीषंनकेरी पहुच्योकपिजेरघुबीरकेरी पायेजांननमेघनाद
पहें प्रबलनिसाचरघिरेआंनितहं रघुबीनलषिपायेलषंनहि धायेसोकपिजनछोड़िबिभीषनाहि
छोर धायेसोकरालबिसालषलतेहिकाललषितुरगनभग्यो कोदंडदुहुंदुनिचंडसुनिरहमंडमि
गरेडगमग्यो सरतजेप्रबलप्रचंडरोऊवारिरंउधारअषंडके नरषंडकेपसरउमयडलितिदिसेजि
मिजेमसंडके दोहा ससमसोचरनैकरहिं चहुंदिसिसोअतिब्रात लेनकरनधजुतेननननगरागन
नहिहरसात पहेरी भटकरैरहिंभीमरंनसिंहनाद ध्वनिलरहिंतजेवायनबिषाद सुरजीत
लषंनकोधजदंक्रोर तेहिसमेहोनलाग्योकठोर भटरजनिचरेनकोसंनरंकारि छितिदुल
नलगीतरंवारवारि होउतजेज्वलितसरअर्बषुबं संतप्रगिरिचारैनगंधर्व लषिकातअहे
अवप्रलैकोन मुनिनिकसनावहिंजगकल्यान पुनिकुपितलषंनषलकहिंप्रचारि सर
मारिबिथिनकियेबाजिचारि सरकनकपंषदैपैनकीन तेहिमारिसतसिरछीनलीन सो
वरंनखंगछनवागलीन ध्यायेतुरततुलक्ष्योकर्मकीन छंदगीतका षलकरतसारापिकर्मअ

भुजहँनतगांनअनेकैहे प्रभुहँनतबांनकरालकारतनहरतसोनहिनेकैहे फीरतजेलछिमनासि
लोमुखनाराचनतपरघोचले तेउकाटिनकितकिछुपुनिरिसैनजेपुनिनिजसाभले दोहा फेरिल
खेंनअतिकोपकरिछांडेसरनसमूह देखिसुतनहतविष्पितनेंहिहरषिकपिनकियकूह खरेंन
सराहेसोलखेंनकोसोऊकटिसवबोन कढिआपोजिमिकुहिरैनेंप्रगटहोतहेभाउ चौपाई
रथधनुकियेमंडलाकारा छोडतभोअखंडसरधारा ताकोदेखिपराक्रमभारी सहिनाहि
सकेकोसमरचारी सरभप्रमाथिरभसगंधमादन येजुबध्यपकूहेकोयिनरन वाजिनपर
भारीकपिपरे उगिलनतरुधिरतुरंगसबमरे तिनताकोपुनिरथमाथियेउभयो सलसैनातिक
रानतमासे कूदिचपुलगातिकोनबचाई खडेभयेप्रभुकेढिगआई मेघनादसवहुंबांननबरष
त धायोलखनहिसनमुखहरषत प्यारेलखितिहिलखनहुहरखे ८६ जीनसरसिरबहुवारखे
धरे सोमहिमहँगढेअतिरिसबाढेनिजउनिअनलसमानभयो कोपिनअतिलछिमन
नजिसरतनछनछाइचहुंकिनगंगंनलयो सेउवरथनधारीहंनेंतिचवारी किहंलनअसतत

समर करैं अति मत्त उतंग भरि रंग रंग मानहु बहु दिसि दुरद लरैं ॥दोहा॥ कोटिन बाटी रुधिर सरि
रंन भयो अति घोर गीध स्यार अरु काग पल बांटहि हरषि करि सोर ॥छंद तरंगनी॥ अति घुरहिं भ
नव ताल जोगिनि नचैं करि ख्याल अति भीम भयो संग्राम भट करैं हिंनुहि बिश्राम सोनित रंध्र
दै तीर चलिस कत नाहिं सुमीर भे आगि हू हित ज्वाल भ्रम मदयो सब सर जाल ॥दोहा॥ निज जनि
न सकौं मिटि न दिन जाहिं निसिचर वर बीर लरहिं परसपर कोपि करि गंनहिं न अहन पीर
॥चौपाई॥ इंद्रजीत न कपि दल खाई बोल्यो हरि बिभीषन हरषाई भेद हर दल निज वांनन छा
यो जांनन कोउ आपनो पराया एक निसिपु निसर अति आयि सारा आहवनि पुनि तमब
लहि अगारा रिकत हुत हिं सब सुभट प्रधाना मेघ बलेन जानत हौं जाना जब लगि मरिहै
सर समुदाई पहुचे जेतु रघुर लौ जाई तौ लौ रघुवर हित सुसमेना ऐहैं आसु हिं मे पहिये ना अस
कहि पुनि दिसिनि भ सर भरेउ अति आतुर लंका कहं गयेउ रथ चढि लै संग सुभट न छहा पु
हुच्यौ नेसाहिं समर सुभट्टा ॥सोरठा॥ अति वल अतिमति वांन महाबीर रावन सुवन चढोइ सरजा

न सुलनसरनसवहिनलष्यो चौपाई मेआवरजिनलषंनविभीषंन कहंहिकिपिहुअतसुवेउनदीषं
न अतिलाघवक्रम हियेहिकीन्हां पुलेरयहिलाइजुधकीन्हां अरभ्रजपरमपराक्रमधारे काहे
नहोइदुसरहारी मेघनादवरवांनचलाये प्रवलजष्यधपनमारि गिरापे मंडलभयोसरसुनना
को फेरतसतजांनवरजाको रंनमथिगरजिमहांवलवांना करनलगेकीसनविनप्रांना गयेलखं
नकेसरनसमिटिसव अतिकोपितमोरा जसुवननव हलतलाघवीकरिसरमास्यो ताकोकाथिका
रमकगस्यो छंद अतिचपलइजोधजसाजोलषंनलाघवतिहिहये पुनिपांचपामपुचंडसायक
माअउरमारतभये तेहिनिसरितेहितनअहनरहउनहिछे दिछिनिनीचेगये सोकुपितउछर
तहघिरपुदधनुगहितजेवरसरनये दोहा कोपितलछिमननीचकेकाटिनराचंनदीन सरनसर
लहंनितासुचंहुंदिसिसरपंजरकीन सोरठा एकेनलषिसंग्राम सुरनेहिभेनतहंप्रगरहेपायेपस
अएम सरअंतरतेलषतहीं चौपाई सवसरकाटिइदुजितधायो वहुविधिवांननवूंदचलायो ल
छिमनकाटिआडिनिजवांनन हुनेनिसिचरनसरतंतप्रांनन वांनसमूहविकलदलकैसे ससि
करलहिवारिजवनजैसे विषिन इदुजिनहाथितलाछिमनन राजेरहनेहिओसरतेहिरंन जे

लछिमनहुं इंद्रजितसेना जेजपीडितगनप्रबलऐना जातुधाननायककहि बिहाई भईअनंत
हिं आखिनआई धायेपुनिनिसिचरखलनाना प्रवलपौनचलसैलसमाना लछिमननीन
तीनि सरमारे तिनहिंकाटिरनमंडलडारे छंद हनितिन्हहिंडारेअवनि पुनिघननादकरैंसरव
हुहने सोविद्धसरसोविष्पितननबलवानअतिलछिमनहिंगनै हेंकुद्धउद्यविरुद्धकरिमन
कुद्धसरजुबरषनतजे तेहिंबानबीचहिंलषनकाटेनिरखिबुद्धभटगजे सोरठा जुगुलसिली
मुषलीन [illegible]तिलोचेचित्र[illegible]सोयलहि सतहिसिरविनकीन लियएघुननादहिंवागतव गुमल
भयोसंग्राम लरहिंकुद्धदोउबीरवर करहिंनछनविश्राम उत्साहितरंगनरंगरंगे दोहा हने
विभीषनकेवरंनवेमरमहा[illegible]एल घेकपेकज्जध्यपनितेंनिगरजै उषलतेहिंकाल चौ०
करगहिगदाविभीषनधाये तुरंगचारिहूमारिगिराये मरेवाजिलखिअपितसरारी नीछ
नसक्तिमेघानकमारी काटीदसकटूककरिलछिमन पाँचवांनमारेप्रमुदितमन नेतन
छेदिछेदिकढिगये अरुनषगनरबनसोभितभये इंद्रजीत अति कोपहिकीन्हो जमकोदि

लंका
८२

सेमरधरलीन्हों हेनविभीषंननजोसोसमे हाहाकारभयोतेहियनमे लषिलषंनहुंकरधरसाली
न्हों सपनेमहुंजेरजोदीन्हों दुराजेदेवदनुजहुनकोहै सबकहुंसहनेजनाकोहै छंद सोउसु
भटलियसरविकटतिनकीलपुरजगजरनेलग्यो अंगित्रसनिसिचरकीसदेवहुजानिप्रल
यानलजग्यो सोउवीरधरिउरधीरनतंदोउतीरछोडेकरषिकै तेसिरेसोउधरस्वांनविलसेज्यो
मुनिनगगनवरषिकै तोरनसहितसकेअंतिआगि विवुधवृंदअरुनषनगन चलेविके
लसवुभागि जहंनहंहाहाकारकरि सोहा सोऊधांननहंलरिगिरेलजितकुपितसोउधी
रधालनाभ्रवेशस्त्रपरिछोडेबलसमनीर चौपाई फिरेइंद्रजिनकोपहिकीन्हों महांअ
नलअस्त्रहिकरलीन्हों मानहुंजगतसंघारनचहे घलोतीसतरहरद्रगअहे लषंनमहा
रविअस्त्रहिछाड्यो तेवरअस्त्रअस्त्रकहुंभाड्यो अस्त्रनिवारिनदुषिनसोनिसिचर
राहनदनुजअस्त्रलीन्हेकर छोडनतेहिनिकसेलोलघर सलभघुडीगहावहुसरडुरानि
ड़ारिप्रभअस्त्रहिजानो नज्यो महेस्वरअस्त्रमहांनो अस्त्रनिवारितसोहुगयो मेघनाद

राम
८२

ढो थिन अति भयो बहु हुवर अस त्रुप्रि सोग निकोने बिलसे बीर बीर रस भीने सोरठा यछि त रहे सकल
अ मुत न मोरें न कुलन को मान हुँ षेलहिं धून प्रान हिं दाउल गाइकें दोहा सहित न सुरन सुरपति गन तुल
रि सतु पठें हिं सुत्तिन राम अनुज मोकु पितन हहें न आसु जे लेंन चौपाई परम तेज मेलिय सर नेहि
छेंन पू जिन देवें न नासक अरि गेंन जेहि लेइ छेंन बन जीता लखन करन निसिचरन सभीता
करन हार रावन सुत अंता सोई साजि धनु षेचि अनंता राम होइ जो पर धरमा तम सत्ति संध को
उनहि उनके सम तोय हसर छांने सिर पाको अस कहिन जेउ चांपतें ना को अतिजव सो ने ग्रेसि
रति गिराये सुंड सकुंडल अ बनि सहा पो सर जै जै करि सुमन सुवरषे सहित विभीषं न कपि सब
हरषे लछिमन कर सब करहिं बखांना नभा छिति जे जे सो रमहांना छंद गीतका जेजयति करव
लवंत हरि न तर परि निसिचर गंन लिये नभ गे आयुध गरि गे दस दिसंन अति डर पति हिये की
उगये वारिथ्य धूरि का लेक भरि पहुंचत भये फिरि की सप्रभु कतें पूजि अस्तुति को हिं रन जे सुष छिपे
सव पर कपि पर कि लंगर कूं दहिं गगन कों पलकित नवे कहिमि लहि पक सों पेकन य्यप महा रन

लंका
८३

बांधे सबै बैताल मुंडन ष्याल करि तेहि काल रंन मधि धावहीं ऐक ऐक सों कहि कथा रंन की सुष हिय
रन पावहीं भे अभै रिषि मुनि निर्द्वंद परमानंद मैं सुरराज भो किए नित्य नेम अपार तरन दिए सुर दुंदभि
नभ उछाह भो भय बिगत अरि सब लोक सोक बिहीन हनुमत हुंस कल भे सुरजीत को मुनि मरन
निसिचर राज भट सब अकल भे सोरठा सैनन षेत देषाइ गिरे इंद्रजित के अंग ते रहिन
किरिन कुल जाइ अस्त भये जिमि तरनि के जो जीत्यो बहु बार मीचु हि सो उभो मीचु बस प्रगट
ल बिषय संभार बल अबलै सम ऐंकौ सोरठा अस बरनन कपि पारस पर आऐ प्रभु के पास ए
मतुं लषि हराषित सपुन अनुपम भरे हुलास सोरठा देषत हीं रघुनाथ जामवंत हनुमत सहि
त लषंनन ताऐ माथ गहे बिभीषंन बाहु कर चौपाई एक रेहिं पानि प्रदाहिन कीन्हे प्रभु सप्रे
म गति गोद ले लीन्हे कह्यो बिभीषंन अति सुष भीनो लछिमन इंद्रजीत सिर छीनो सुनि
के मेघनाद को अंता हरषित राम पराक्रम वंता कह्यो लषंन तुम मारि सुरारी सब को अति
भारि भैटारि जीतं न जाइ करत रोन काहू अचरज कि सो लनो जो गाहू तुम ते हम्मनो चित है गये

राम
८३

निश्चेजसअवऩांननभये दृगनभरेसुषवारिषरारी सिरसँघेउतनपुलकनिधारी भरिभरिअंकने
हसोंदेषें नहिअघातरचषतजेहुनिमेषें दोहा सरअतिपीडितलषनननहें फिरिफिरिलेहिंउसास
कहपुनिप्रभप्रमदितपरसितातकिहेदुरिपुनास चौपाई मरेसुवनरावनहतअहै प्राकोनिध
नकरमभोमहै श्रमसहिहमकहँविजईकीन्हो इषसागरसुनरेकरिदीन्हा हेलंकापतिहेहन
मंता कियोकर्मवरसहितअनंता माथेजोतुमतीनिहिदिनमहँ अतिआचजेभये सोउसकक
हेंदहिनसुनरावनकोकाटेसो सबतिथिअंतरबलअवहूसो सुतबधसुनिबलछीनिश्रचे
ना एवकदिरेकोयितजुनसेना महूँसेनसंगतेहिसंघारिहौ लंकातिलकविभीषनकरिहौ
लछिमनसुरनविपतिहरिलीन्हीं मोकहँआजुजानकीदीन्हीं दोहा पुनिप्रभहरषिसुषेनक
हसादरकलसेबुलाइ करतुओषधिनआसुतमपीरलषनकोजाइ चौपाई धावलरीछबंद
रहुजेते देगिविसल्लकरहुपानितेते सुनिसुषेनओषधनिसुधाये हेविसल्ललछिमनसुध
छाये पुनिसदसेननिमरिसुआई करिविसल्लिदीन्होहरषाई छनहिविगतश्रमहेसबसै

सिंघनाद कियउ जन अति घोरा मेघनाद वध सुनि कपिराज अति हरषित भे सहित समाज पुनि पुनि सब
लछिमनहि सराँहें विविध भाँति की करहिं उछाहैं उहाँ दसानन सुत वध सुन्यो मुरछित है उठि कर
सिर धुन्यो कह्यो जाइ ग्रह वांधि लै आयो ते तिहि किमि नर पसु न मारि गिरायो दोहा कोपित जो तीसो का
लहु मंदर वेधक वाँन कातेल षंन्ह हिं समरमहं किहेतु न सुत विन प्राँन चौपाई दे वरत जमुनि आजु
असे भे एम लषं न सुग्रीवं जसे भे तुम विन त्रिभुवन सन्य लषाई अति कठोर उर फाटि न जाई
जीवन छेह्यो वाँ ननर विकहं मरेहु वेध ने हि गयो व्रह्मपुरं वेधे उमो उरव ज्रहु नाहीं छेर
भयो तुव सो काहे माहीं इमि वहु विध कहि सोच हि कीन्हों पुनि रावन अति रोस हि भीनो
नीच सुभाय हि को हीरह्यो हाहन सोक पुत्र पुनि लह्यो दसहुं विसाल वदन ते हि काला कठोर
धूम अनल की ज्वाला पुनि नैनन तें प्रगटी आगी मनहुं महा प्रलय पागि हि जागी सोरठा रक्तोत्पलज
हीं भीम कालहु ते विकराल भो अतिवल ने जहं सीम विलस्यो ते हि छिन नृ इसम चौपाई आँसु
वरन नैनन में ठरहीं मनहुं फुलिंग दीपन अरहीं पीसत दसँन सोर अति भयो खेंचि मंदराचल जैसे

गयो तकि न हि सकत न कोउ तत्तहँ तन तेहि सखि जात ताकन सो हैं जेहिं पुनि षल घन गंभीर धुनि बोल्यो आ
पन बल प्रताप सब षोल्यो नृप करि के मे सब हि अजीता देव दनुज मेरी भे भीता बज्रहु ते है कठिन कर्ब
चाम मम दिय बिधि मोहि को गुनि न हि मति संम टुट्यो सुरासुर रंनहुं न भारी हटे असुर सब आयुध मारी
पुनि दियअजहि अट्टहि जांना बाजी जाके अतिबल ग्यांना दोहा देवासुर संग्राम महं है प्रसन्न बरदे
न सोई सरासन सापकृत लेचहि हों जुथ कीन चौपाई तब कोरत हि सम समत्तं ठठे असकहि महतां बी
र सब ठाढे पुनि रावन सिय मारन कारन कीन्ही महा उग्र असि धारन पालत काल तर लने हि लेबी
हरषित निसिचर भये बिसेषी ऐक ऐक मिलि मिलि अस कहंही अब दोउ बंधु जीति न हिलतहीं
ती निलोक जीत्यो पहजोधा नब हूं उर असे क्षिप कोधा एमल षंन देषन दुष पैते सरनाविषत
जम सरन सिधै तैं नितं चेनिज जै मन गुनि लीन्हे जतंत तं सिंहनाद सब कीन्हे पुनि असोक बाग हि
मो गयो कलित कृपान पर मरिसि छयो दोहा छायातेहि सिय देषि के कीन्हो बहुत बिलाप कतनम
ई बांनी बिबिधि कलित मलोपर ताप चौपाई नंतं सुपार्श्व मंत्रीवर आयो रावन कहं कहि सो समुझायो
हे कुबेर भाई धरमात्मा नम न हि त्रिभुवन मंतं को ऊ तुम सम हो उत्पन्नि परम कुल माहीं रिसि बस काहु

पापप्रभनाहीं वेदतिहारेहैंसवजांने तिपवधकोऊनाहिवखांने त्यागहुमहांसुदरीजोधा छांडहुरामहिपर
पहक्रोधा लेहुसियाहिप्रभुतिनकहंमारी ग्रभवनमहंअतिसुजसपसारी सोसुनिषलपुनिग्रतापि
सिधैयो मैतनयाकहंकछुसमझायो फेरिसभाकहं रांवनगयो रंनकरिवोमनचाहतभयो दोहा सो
सुनिकैमंदोदरीसवसंचिवंनखलवाइ वधनिसिचरिनसंगगेजतां निसाचरराइ चौपाई जेहिवेल
इकहयोउनिरांवनमंत्रिनजुतआईकेहिकारन सुनिउठिकैकहयेउकरजोरी सुनियेनाथविनै
असिमोरी हेमानंदपायनतुवलागहुं एतवारदोनवारवतुमागहु जमेवडेवडेसवजोधा चाहहु
समरतुमहुंवसक्रोधा उनकहंकेवलनरनहिमांनहुं अतिवलहैंतेअतिवलजांनहुं षराहिअ
केलेदलसंघारयो एकहिसरवालीकहंमारयो कुंभकरंनकेहंसमरसोवायो इंद्रजितगहेजिनअनुज
गिरायो पतिव्रतातासोनुमनारी छिनकारनत्यायेछपकारी दोहा रतनवसनजुतसियपहिलेस
जहंमिलिस्त्रीराम हमतुंतुमतुंकरिप्रेतपतिजोनतुअवकेतिकांम जुझिगयोपरिवारसवसुष
करिचुकेउअपार नपेकरयप्रतिवयउचितेनतजिवरषामदमार चौपाई उरअवराधिरिसमवजांन

सांमिलेहुनकिनपरधाम रघुबरसनवादीधरमातम सीलसिंधुदृढव्रतपरआनम सरनागतपालक
हैनामी लखंनहुउनकेहैअनुगांमी नाजिहैंनहिजोमरनाति जेहोअभैसबैविधिपिपं नतेंहूते
वोसौएवननाकोकरगति मैजोनतुंसिषउपजीहैमहि एमहुंकहेंसमअतंहिंविचारे मधुके
टभकेमारनहारे जानोइतैहैकरमरिहौं नउनइनकेपापनपरिहौं एनमहंसनमयबहुविध
लरिलरि तांननसांप्रभुपूजनकीरकरि सोरठ सिगरेवलहिदेषाय अभ्रसत्वसोआपनो
लैहैंनाथरिस्राइ रेमंदोदरिमंदमति दोहा अतंकारनजिअमामेहूंहौं नहिंजितुंकाल जोग
तिलवतिनगोगहुसोलरिलतिहौहाल लखंननपैहैमोरपुरमोरेजीवतराम उनकेजीवननजा
इहौमेइनकेपरधाम चौपाई कहिअंतरपुरप्रियपहिपठायो सिंहठवनिकटिवाहेरआयो कह
नमयोसवसुभटवोलाई तमचतुरंगिनीसंगलैजाई धेरिएकरामहिकहंमारहु वरसिसरं
निअतिरोसहिधारेहु जैनातिपैहौजानमकोऊ भोरअमावसहंनिलैदोऊ सुनिउतसाहित
चलेवीरवर साजेचतुरंगिनीधनज्ञध्रधर पट्टिससूलमुगदरनधारी पहुंचेसमरभीमभटभारी

लंका
२६

रेखत धाये कीस हजारंन कीन्हे सुमन गिरिन गंन धारंन घिरे हाउ रूलके त तं जो धा ठंनत गिरिन लो
ठ खरनि सकोधा छंद तहं तु मुल भो संग्राम दुंहु दिसि मारि भै कारी मची कच खुले ख प्पर बंड़ काले
स ष्प्र पुलि कालीन ची विन मुंड धाऽत हंऽ अंऽ अनेक तन तं लासि परत है जनु छोड़ मस्ता केउ पासक
न्नि न्ह सीस हलरत है दोहा उदे काल रवि केत हां भो अद्भुत संग्राम अ रुन अऊंनि अंवर भयो
रंन अंगन अभिराम सोरठा भूरि पटां नीधूरि गिरे निसाचारिस्थ कपि बटी साथिर परिपूरि महं
भयावन सरित न्हं चौपाई संधन सिंधु कूल विराजै धुज गंन वलत तीरन ह छाजे सरस फरीन
सरह कंकरी रै आयुध विविध सकुल म करी हे निसिचर काठ सम्ह तहं हिं वहई कागगीध खग कुल
जहं अहई द्रिलिन हांस्क कपि षलंन संघारे माधसनाई जनु अंबु जारे व खत रर थ धुज तोरहिकी
सा गाहि मठिकं तहं नि फोरहिं सीसा लपटि ललाट रतं न सोकोटहिं नांक कांन चखकर पर छोरें
हिं पकपक कलं गहि कीस हजारंन बांटहिं पल करि रोस हि धारंन रन माथि प्रवल कपिन कहे
जोनी पिसले निसांचर भट अभिमानी छंद भट पिले अगनित भीम भूधर सं मरहिं धर आयुध

धरे अतिधीरगन नहिपीरकीन्हो माहजुन एकहियरे कपिकटकभाज्यो विकलकहिंनहंपोहिपोहि
हरेहरे प्रभुजौनिनिजदलविध्थितओरजनीचरंनविक्रमभरे दोहा कपिराजनसोंप्रभुकह्योतुमसत
वइतरहिजाउ पठयोयकमोलंननलरंनइन्हैनिसाचरराउ चलेअकेलेजुद्धकोलंकसेसुकटितुनीर
परमप्रतापीरामप्रभुसकैनलषिकोउवीर छंद पद्धरी रघुनाथसेनकेमध्यजाइ धनुधरोनि
सिचरंनकहंलषाइ किपक्रुद्धजुद्धअम्भुतविसेषि चकिरहेअषिलदिगदेवदेषि सरलगनकर
तदलपटतिभमि रथकतंहिंविध्थितअतिधूंमिधूंमि लषिसकहिंनरामहिंचलनजात निकस
तयकदेषहिंसरसमूह छंद गीतका मनमरनिनितचेजोनिरोसहिंतांनिनिसिचारिचिरेरघु
वीरतीरप्रचंडखंडितअंगआयुधमहिगिरे चहुंओरफिरिकरिसोरअतिवलजोरयकवारहिं
चले करकचंहिंउरसिरछटहिंकोउनाहिंहटहिभाएभरभले छंद तरंगिनी पुनिलषेषलनहि
ठांम चहुंओरअगनिनतराम समकोटिचक्रअलात सारंगनठांनवात फिरिरामदेषेएयकनहि
टरेनवतहूंनेक भेरामअंतरध्यांन कोपितलषंहिंचलजान जिमिजिफननहिदेषात तिमिराम

लंका
८७

नहिरसान सबलबिफिरिरघुबीर रनफिरतछोउनतीर दमिकीनकौतुकराम नजिअस्वगंधरवनाम पुनिषि
लेषलनतहंजुध अतिवीरचाहतजगु दोहा प्रवलपयादेलछ्छदोइकुंजरआठहजार सठसअठारततुरंग
दरकदेरामससधार भारीनिसिचरतननकीलगीरासितेतिठंम चित्रकुटसोहैगपोरंनतीरथअस्थिरा
म दोहा चक्रबंध नहंजेसरगुनिकदंहितन सपदितजेनेमान सुबधारंन कै वांहनीसोमित्रिदिजापेमां
न अथचित्रचौपाई सुररिषिपितरनिकरनेहितंमे हरषितसबैसराहेरांमै पेमटरहेमहांवलवांना
तिनकहंमासेरामसुजांना कपिपतिजामवंतहनुमाना अंगदउविदमपदंप्रधांना सहितविभीषंन
प्रभुहिसरांहेंहिं गनबलसुषसमइअवगांहेहिं तिनसोवोल्योहंसिभगवाना सतुजोदेषहुअसक्म
होना मेजानोकैहरयकजानै त्रभुवनऔरनकोउपहिचांवै उनमजिकादललंकहिजाई लंकेसहिदि
यबर्वरिजनाई पतिउषवंधुहनेउषछई विपलनिसिचरीरोवनभई कहंहिसुपनषाकोमवातिल
षिसुंदरसुबीर करिनक्रिपसबकतंउषिन सहिआपुहिअतिपीर चोपाई परमनपस्वीवरधनधारी
रहेराममदनहुंमदहारी तिनकहंनिजवसकरनविचारौ नहिजिमिमुषआरासितुनिहारौ कुलक्षय

राम
८७

हितरौं बैंन तिप हरेउ साधु विभीषन गुनि नितितिगयेउ बीर विराध कंबंध षर हु कहें अति वल वालि हु
हने हु समरम हं निज उन को वल गुनि नहि लीना रावन नाह कवु परहि कीना धरमान मारा नपतप
पी सव कहं हिनि वेपह मुनि निताषी केसें जौ ति सक्रिय प ते उन कहं आपहि नीच मारि हिल सिन महं
कहेसो विभीषन को नहि कीना असमसांन भोपर सुषहीना होता अजुजन नै परिवार निजहने
हुनमा नेहु नीच हंमरेहु पति सुत वंधु सव वैठे किपौ वसमीच चौपाई अस कहि सब निसाचर नारी
एवन कहं देनी वहुगारी नपनिज पहि रूषपार हसां नन सुनन सोई गारि निज कानन रहेसो नरे कै सि
रते हि काला राम विमुष कु पैहेहवाला रोदन धुनि सुनि निद्वर घार सब मुष ध्यांन महार निधसोक लिन
न इव पुनि आनि को थिकि छोडी सो सो गई लुगारिन भरि सवआसा अधर धरे रद सनन मषला ला
मानहुं काल अनल की ज्वाला दिग निदरत नअस नतं सव कांही पुनि पुनिता कहिं उपरवाही गि
नते प्रगट रहे तेहिन हिवै ना बोलत भयो वलगि वल अैन्ना दोहा आजु प्रभंजन सरिस रथ चदिरेंन
मंडलधार घन सम उदर मय लहरि चारितु रौर उनाइ चौपाई जोरि है अंप रकपि दल संसारा

नसेंनाथसुतसोचिन्हिहारा ९ तुम्हीपाटिप्रिनकेमास पौछिहौंआइनिसिचरीनिआंस असकहिपुनि
अनुचरंनपठाये चारितुजुष्यपभटनवोलाये विरुपाछदुरधरषमहोदर दलजुतमहंपारसजो
धावरआइसामहैसीसनवाये ११ दैलोकपालसमभाये तिनसोकहरावंनअतिहरषीआजुक
ढोरकास्यकरवी १२ लेकालरविसंमसरिनाना तिननेदरिहौंनरनेसद्यांग कुंभकरनवुनना
दप्रहस्तेहू हैहोंउरिनदहुंनकरिअस्ते दोहा पुनिप्रचंडनाराचमनमकरनभालकपिनासनभछि
तिदिसिविदिसहुउदयिकरिहैंदिनअवकास सोरठा भरिहैश्रोनिननाल रचिसनालसारसिसि
रंनिलोथिजुथ्यघनजाल अचलाअचलवनाइहैं चौपाई कछुभजकपिनमरदिमहिमेलि
हौं कछुभुजनैंकरिकंदुकषेलिहौं कछुभुजनेंनभसरसवधरिहौं वैरीवांनापूरनकरिहौं धनुष
जोंनममवेगिमगाये वांचेनिसिचरभटनवोलाये १७ नजजूथपानिमहिलिवोलाये अगनित
आयुधधरिसवआये अनुपंमआठअस्वजेतिलागे स्यायेसोरथरावनआगे चढ्योजोन
तेहिलस्योदसोनन जुध्दउमंगअरुनमयआंनन चढ्योमहांदलधरानिकंपाये सिंहनादजेते

जुध्यपभायेभयोद्वारपरराव़नठाढे गुनतसोकअरुक्रोधहिवारे ५ मरुवंदछंदसवैया सोकनि
धोनखरोतिनसोचिमतोवलदांनहनेनरसों सोरननेहैनवालकहुंभयोनाहिवनोवरवीरनसों सो
नरवीरयनेवरहेकलियोंगहिवाछमुसोदरसो सोरसोमुठवोहिमिनोसंनसोअतिरोषनधानिकसो
अपवित्रसोरठा वीसहुभुजवलसांन गहेसरासननसायकनि कालतुकालसमान चल्योरामर
लसामुहें सोरठा नरवितेजलतनहोनभयोंनकियोमदगोन तजितरंगतजिवासअतिभयोमहादयि
मोन चौपाई चलतनभयेअसगुनघुताको गयोनदोरवीरासछाको भागसमेकेरामक
पांहीं सवप्रतिकूलनहितेजेजांहीं रावननेननिरंनसवअोस छाइजातजनमेहिछनओसरतो
जेसलजतिछपतिसवासो नेमुरकेरनफिरनअकासो ओसपोछिभजवीरनिहारी तियउठार
धुनिरसधनुभारी रंनरुद्रवसदसभुजघोरा गतेसुभांयेनधंनुरकोरा कीन्हेसिंहनादसवनि
सिचर प्रतिधुनिहरिनिउठोजोहिओसर गरजेइनियसिंहधुनिगुनिहीरे वीनकारकीन्हेसव
दिगकरि छंद सोसच्चप्रतिसवद्धनवद्योमदिनमसुरंनेउपकानभो वहुरयनिकिंकिकोको

नि

लंका
९९

लाहलषलहिंनहिंसुनिपरतभो ॥१४॥ छकितउछाहभषितबीसभुजसोन्हितनमैं सुरकदोसमुदस१
छरतननिघ्रिंगमैनाकहिकैहै दोहा प्रथमहिअस्भुतरसमगनकेरिभयानकइ॥ करनलगेरघुना
थकीअस्तुनिमवधुरऊवि चौपाई सोकितकोधिनउन्माहितअति लषिरांवनहिंकहैंहिंनिसिच
१
रनति निरषन निरषत्तनरयंदेनिसिंघारी ॥ ५निदलहनतकिमोचुहिमारी कोउकहगुनिसंबंध
षरारी आजअवसहतीतिमिरारी निजप्रतापजगकसिप्रकासित सकलभ्नतराहैहैपहिआधित
कोउकहज्रिगपेगजपाके लैहैदिगकुंजरमरघाके कोउकहलषिसेनुहिपहरोवो छोडिसिती
मुषसिंधरिसोषी कोउकहरिपुपातंसकलेषी मारिमारिदिसपतिनविसेषी हमसबकहैंदे
गपालबनाई संचितसुकृतबरीअबआई छंद गर्वनेमनोरथकलितइमिरजनीचरनिकेउर
हहैं मानंदलीन्हेअमितआयुधाकेपेवहविथ्यिसूहहे आगमनगुनिहसवरंनकोकपिद
लमहांबलभलभयो हैविकलआतुरकहोसुधिप्रभुसहजहांहांसिसुवछपो त्रैलोकमहं
पेकेधनुर्धररामममनकेसहले धुनबषिकरहिंबिकारसोरितनकरतिनाहिजलनिधिजले
राम
९९

लषिनाथपकोतहूँअचलअतिहींकीसउत्साहितभये ऐकपैककांअसपरखिटेरहिंवीररंगहिसो
छये कवित्त डहडहेदलकेकपीसवहवेहेरे गहगहेसोरकरिआनेदहलोरतें नैसेरुद्रकेधुंभरवी
ररसवंतधायेउमडेप्रमोदघनेमानोचतुवोरतें नातोसमेरदवरउजारिकेएचारेवोलटेरिकला
गाइदसरथ्थकेकिसोरतें फरकोहेभुजभयेविहसोहेंरंगछयेतिरछोहेंनैननिनिहासोधनुकोरतें दोहा
अतिउतसाहितनहेंलसे धीरमुकुरमनिरोम मनहुंदेहधरिवीररसप्रगटभयोसंग्राम सोरठा त्रिन
होउरलेहरि रैनलोभीरावनसुभट आपुहिंसतनहिंप्रति आगेकृटिआपोनसों वंदरतरुगिरिवंर
हनेचपलचहुंवारतें गजतंनजिमिअरविंद लागेरावनगाततिमि धनुवंद दोहा धनुरधरनम
हूंअधिकभटदससहसधनुसरत्नोनि नेहिरंनमोतेकोतगंनुमताऽरोसउरठानि चौपाई कहिदस
नुजउनचासपवंनसर दियउडाइतिनिमहधरतरिवर पुनिमनिजडितवांनअनियारे जिनपेवारे
अहिमनियारे तिकरकदंनकाननसठलाग्यो कोपितमहांवीररसपाग्यो कपिकोउसिरविनउर
विनभये कोउविगतश्रवननहेगये भीमभयेकोउनाकविहीना द्विगंनकढेकोउभेअतिदीना कोउ
करकरेखडेनहिंटरंही मनहिंकढेदांतनमोलरही कोउउरफटेवठुतभये पदविनकोउअरन

हैगये काहूकेपांजैरैविदारे काहूकेसरीरमधिपारे छंद मथिगयेननतिरराहुसंमसिविगनधरजहंकेतु
है तेहिजुद्धकुद्धकरेधधाये द्वाइसनम्रुषलेतुरे मनदिये जनविरामकारजकिपेस्वर्गनजोर
कै विनुसिरहुपैरतधांनधारा जाइनाहिनिराइहै दोहा अथवांप्रभुकेकाजलगिकटनसीसकहें
जांनि करनचरुसोधरहुनहांमेंरआपकहेंमोनि चौपाई रिसितांरेटेलोचेनकीन्हे पित्सोर
सोननजुथमनरीन्हे चहुंदिसिप्रबलभालुकपिधावैं सरज्वालापतंगहेजावैं विचलेवीनुका
रकरिवहुहरि लगेदंवारिमजहिंजिम्मिवंनकरि नवजुथ्थपचलडुमनचलाये कटीनजुगेहि
उचवज्रलुधाये तेहिबलउरिनिहफलतरुजरह मनतुंभरेनिजउमनमम्हा सफलहोने
हिनपूजेकरहीं जलचंदननरुअतिजेमिरहीं तेजुगआदिदाहरथकेरे लपटिलुकेहैवंधवु
नेरे पातीतेमुवेलकेचंदन करिस्वांमीगहितगनेसफलनन दोहा प्रहुपुनशरिनरथतिलवि
कहमनिनिसिचरईस प्रुरुवरवममसेवकाहिहैयेवनेदियीस चौपाई अतिउनसाहितवर
सतवांनन कीससमुहकरनविनप्रानन चलिलंकापतिप्रभफंगपो वलवहवलदलधायेन

भयो लषत कपीस चर्ष्यो अतिमाषी अपने थल कुं षेंन कहं एषी चलत सुग्रीवं चलो सब सेना धायो बगलपी
छिवल अैना बटो विटपले कीसन राजा मरदंन लाग्यो सत्रु समाजा मरें नीच सहि व्यापन के सें पोहनपे
विहंग गगन जे सें मारन चहुं दिसि नह हिमें व्राई गिरहिं सोर करि सठ छिति छाई जेसे प्रले प्रभंजन पाई
टूटें हिं महा द्रुमन समुदाई दोहा सिंहनादन हं कोपहिं सब जुथ्थप अति रन धीर कालदंड धर सम फिरत
कीसराज अति वीर चौपाई भागे लषि रजनीचर भारी विरूपाक्ष्य छौरि सिधारी गतागत सुनि सुग्रीवं
नाम वलि ज्ञांना महारोस अपने उर अंन क्रदि ज्ञान नें सुरदु बदाई चढ्यो दुरद अस कंध हि धाई स बक
हं आपन नाम सुनायो भीम नाद करि धानि कंपायो महावीर जुद्धहि अनुराग्यो तीछंन सायक तजं
न तहं लाग्यो हनत मरं मत कित्त कि कीसन कहं टरहिंन अति भट गिरराहिं उठहिं तहं स तिन सुग्रीवं
हिं दल हं निवांनन करत हर षि भट सपदि दसांनन दोहा बांन प्रांन हं नवान रंन हनत न षंन रंन जांन
गनन तन मन हं न वांन तंन भांन सन अंन वांन अपर चित्र चोपाई भारीन रूख धारि यक लीन्हो ताको
मार धमनन म हं दीन्हो फेंकि ओस अति रोस कपीसा मा स्यो तेहि मतंग के सीसा दिग्गज हुं न ते व डवलवा
ना पाछिल चिक्का सोध नुष प्रमांना विधिन जांनि वारं न तजि दीन्हो चपल चर्म अरु षड्ग हि लीन्हो म

हावीररनआनंदगाठे कपिदलतिकेआगेभोठढो सहिकपीसनतहं नाकुप्रहार वज्रसेललियबलहिअ
गारा ह्रसोनाठिसोगयोवचाई मारीअसिकपिकहंरिसिहाई भयोमहूराति मुरछितवीरा जगिवां
ध्योंमुठिकारं न धीरा छंद मुठिकालगेउरकोपिमटसोंउखरूसुग्रीवहिहसे कगृगिसोवखतर
जानुभरिगिरिउठिन्निसोकपिरिसिछपो पकत्हसोधापासउवचायोकीतउरमुठिकाहसो
कपिमहांरोसिननाकिनाकहंवडावलवानाहिगन्से दोहा पापरमासोकुलिसतसकीसदेसनेरि
माय फूटेसिरनिसिचरनिसोहरषिनमेरघुनाथ चौपाई पिरंनाहिदोउदलरवभयो जतेज
गसिंधुवेलतजिहयो जुद्धकर्ममहंसववेसयाने धाइकेरिन्निरिगवलखांनें कहेपोमहोरररसोलं
केसा तुम्हरेकरजैलहीहमेसा अवकवउरिनलोनतेहैहो कवनिसिचरनिछ्रांहनुमधेहो
समैपहेअवसंम्पकलरौ महांवलीहोकापिदलजरौ सुनिनामनलागेपोकपिसेना हंनतसरख
नोसेगनचैना सिरभुजगलकरपदविनुवंदर होतभजेतोकेगिरिकंदर कोउसुग्रीवकेअति
नरहे कोउभरमहांरोसनतेनहे छंद नहंसगलनिजदलविकलखाविलंगूरतोलहिपटकिकेस

कसिलागहिंनपिलाञोंनदहिलाषलरलरपरिकै नहिंहन्यौसोनहिंगन्यौकाल्यौफेरिकपिप
तिरिससन्यौ करिष्यालसालविसालकरलैजुन्योसमकालवस्यौ दोहा हन्यौसालसोकाटिदिय
बहुरिसिलालियग्राय वंनिधेनजुनभूधरसंमारिकपकपिभारीसोर हंनीसिलाअनिरीसकेसोका
टीसरधार तिहमंडलीसमगिरीहूंकैइकहजार चौपाई सालरुछगगहिकपिपनिमान्यौ हूकरू
कनेहिसोकारिडन्यौ पुनिवेधेउकीसहिवहुसरसों लियकपिराजपरिघपककरसों कुद्धकीसप
तिहैहपहयौ गदागहेसोकूंदतभयौ परिघुगदालेदोउवलवांना लसेकोलहिरनाघसमाना
न्चलिनतरंनिसमारदाविसाला परिघदियेअनलहिकीज्वाला गरजहिंगदपरिघकरलीन्हे
छनछविजुतजलधावछीने करननादहोउतिरेदुखुमसम कोउवलतेंअधिकनहेंकैम
हेंनहिलोलमेगदापरिघहोए पेकयेककहंगननतनहेकोउ छंद नहिगननक्रुद्धविरुद्धहोउज
रिजुद्धधातनहिंनकनेहे रनफिरंहिमंडलवामरांहिनधातनहिकारसकनेहे करिकोपपिलिषल
गरामासी उचटिकपिआडनभयौ इहुंउहीतिनगारीमनहुंनेमदिनहुंउऽजनहैगयौ दोहा

हननलगेदोउमत्तमतंगकिमच्छ्यो चटाचटसोर नेहिप्रनिधुनिउठिपुंजमभरिरहोसोमहाररघोर चौपाई कवहुं
निकरहैसस्त्रलगाइन हुंडनभरिदोउघातनवचाउत लगलंनिकुटिकहुंमारनचहें अहकिसस्त्रन
आउहिंनहैं वहुकोपितहेंसस्त्रचलावैं कूदिचपलभटनाहिंवंचावें हुकेगिरतुकहुंआयुधमारे
लोटिवेंचाइउठहिंरिसिधारें हांथउछारनवगलंनहै महावीरदोउपीरनगेंकहुंचलावत
संधरिजानहै नाकिगयेकरहुकनगानतैं कहुंहननननभ कूदिजानहैं करनप्रहारनकहुंलखात
हैं कहुंहरिकैंधावैंजोधा पीसिपीसिरदकरिकरिक्रोधा छंद कहुंवोहथरिधरिकरिप्रहारन
आयुधनमहंलेतहैं कहुंफिरहिंतेरजगसोंहकहुंनभछीनिहुवलाहिनिकनहै फिरिक्रो
धकरिदोउलपरपुनिपुनियहापरिघाहिहननतभे लखिजुद्धउनहुंनकोवलीमुखनिसिचरहु
जैभननतभे दोउघूरितेसकैपुनिहनेआयुधदोउजोन आइतहींलागेगदाहूसोपरि
वमहंत नरलकीसपतिअतिवलीमाम्सौमसलउठाइ गदामुसलदोउभिरेटूटेलपटेन
वअनखाइ चौपाई मुठिकंनहनननलगेदोउजोधा भयेहुनासंननसमजेनकोधा घूरिक्ष

रि होउ हं न रहिहं कोरे लपटि जां हि कहुं रहिन टारे गरजित सि मारहिं कं हु थाप फें कहि गं छिभरा गिरैं हि धरापा
भ्रमित चर्म षरू हि पिरि लीन्हें क्रोधित अति हीं मंडल दीन्हें जेई छाकरि मारहिं सोऊ आऽहिं चर्म नि हनहिं
न कोऊ हनो जोर कै षरू महोदर गिरे चर्म काटन मे हि औसर कपिपति अति बल षरू हि मारो सो के हि
सीस छिन्न करि गयो गिरत महोदर भागी सेना गरजे उ राम मित्र बल ऐना छंद कपिराज गरजे राम
हरषे कपिन रोक न है गयो खर भीम मर्दै मि प्रचारि फिरे महोपि रिसं गर भयो हंनि हं नि निजायुध रजनि
चरि अरु कपि हुरन रसस नत भे न हं दे षिर समु षर षु पकारे राम हं सरल नत भे कवित्त कामधेनु सूर
स जे जहं धीर धरे मति मानि हिये अरि को पछरे मन हर गजे नहं वीर लरे रति आनि जिये करि चाप छयत
न कूर लजे वह नीर परे पति जो निलिये हरि चोप भ येरन हरि भजे म हं पीर भरे छति कां निकि ये धीरधो
प गये वन छंद सवैनो मुद सीस कहु नैन लीन बीस ताहु जे न रीन ईस नाहु चैन भीन बीस बाहु सेनु को
न दोहा सोहा महं पारसु नतं कोप करि मानहुं महा केसानु अंगद सेनाम थि परो छोड़त नीषं न वान चौ०
गिरहिं कपिन के सिर करि कैसें प्रवल पवन नर का फल जैसें परसु जपं जरें नवीन कपि कीन्हें काहु मा
स मिलत न हि सीन्हें गृध्र भेल भगे विकल कपि नाना मतं पास के वंधन षोना अंगद उछि जे दषि निज सेना

चल्यौवेगिसौअतिवलअैना धाइउठाइपरिवयकलीन्हौं वालितनैअतिनादहिकीन्हौं कलिनकोपप
रचारिचलायौ हनिनैहितरताँधरनिखसायौ धायौ जामवान गिरधारी महातमेघतमगरजनभारी
हनिवाजिनजुतरथहिचपायौ वंचिनिसिचरधरिधनुसरधायौ छंद धायौधनुधरिवीरअगनित
तीरअंगदकहँहन्यौ नैवानहँनजंमवानवहुतनगवाछहँनितनसवसंन्यौ सरविधितलखिहोउवीर
कहँजुवराजअतिकोपहिकियौ महँपासेवधदिनपरिघभारीतेहिदुहुँकरसोलियौ सोरठा फेंकिह
न्यौतेहिवीर गिरेउतासुसिरत्रानधनु महांपापीरनधीर फरसाहन्यौप्रचारिकै दोहा गिरतवान
कादेचपलअंगदगयौवचाइ वलीवालिसमवालिसुत मुठिकामार्यौधाइ चौपाई फाट्यौउरनि
सिचरगिरिपर्यौ जेकपिसुरक्षितरनमहमन्यौ सिंहनादकियअंगदवंका नेहिधुनिडगमगभैसव
लंकादेखेनीनिहुँनकेकरिक्रोधा कह्यौसतनसोंरावनजोधा रामहिंहनिकपिदलसरदाही वैरआजु
सवलेहुनिवाही गरजनप्रभुकेसनमुखचल्यौ वारवारमहिमंडलहल्यौ पसुपंछीसवनरहुसकीन
दिग्गजअहिराजहुअकुलाँने आवतरावनकपिदलधायौ नांमसाखदसकंधचलायौ जूरेकीस

छिन्नबहुउगनी पसीनपेषिअधमअभिमानी छंद अरविंदनैनगोविंदकेकपिवृंदचहुंदिसिभजिच
लेभरिरंगभारी जंगधरितारंगप्रभुराजेभले दोउबंधुलखिरसकंधकरिसरचुंधनतेंधावतभ
लबिभीरभागीतीरघरिरघुवीरकोचितहेगये दोहा मतांधउबघीरमध्यमहंकीन्हेप्रभुटंकोरि
झिलेबहुबहेरजनिचरिगिरिसुननहीसोर चोपाई कपाटबंद डगमगगिरिसबदिगगयभागेजंग
रंगहरिनचमिगिजयरागे रामलषननरपपमतेंरावन रविससिदिगजजराहुअपावन प्रथम
लछिमनैधरिघनधाये तीछनविविधनराचचलाये पुनिरावननिजसरनिअचूका फेलेबिसि
सनिकेबहुटूका नाकिलषनकतेंगोरघुवरपेंह हरखनिलागोगरजिसरनिनहि भल्लबानबहुजजि
रघुबीर काटेसवैनिसाचरतीर फिरिआसीविषसमसरनाना घोरप्रकासितहरिपुप्रोना एमए
तूनतुवरखनलागे षेविश्ववनलोधनुअनुरागे छंद वरषहिदोउसरधारपिफिरिफिरिबामदाहिन
तितिनहे मंडलभयेकोदंडसोरअखंडचहिकरिरहे जगभयप्रेवबिनअकासभूतसचासजियछा
सातजे रसवीरमयदोउवीरमैंअतिविकरज्वालाजुनछजे दोहा नासकालसंसारकेहितनिजनिज

अधिकार ह्दुकालिकालरहिं येसुरभ्रमिकरहिंविचारि चौपाई धीरदोऊनहिंपलअकुलांहीं वरसहिंविवि
धवानचहुंघांहीं तेहिछनननभअतिसोभितभयो मनहुंभ्ररोषनजुतहैगयो कहुंकरिसरतेंमदोउवाजोधा
रविसंमकटिआवहिंजुतक्रोधा गतिविचित्रमंडलकहुंकरें तरलपरसपरसरहंनिलरें दुनहुंसुभटचल
हिंनेहितेहिगति नेहितेहिवाननतरंगउठहिंअति महांधनघ्यझीकेअरहीं निजनिजजेइनौचि
न्चहहीं अस्त्रसस्त्रमहंनिपुनमहांना जगजाहिरदोउहैवलवांना विहसतवीरदोउरंननकरहीं
उमडिमनहुंजुगसागरलरहीं २५ नहंवीसवाहनराचचोषेचपलप्रभभालहिहंने त्रिदिगयेहु
अतिहिंधीरधनुधररामनहिनेकहुंगने कोरिदुद्धअस्त्रप्रयोगआपहुवांनवंदनिहंननभे ल
गिनासकेंकचअभेदनितफलभयेरोसहिसननभे सोरठा रंवननपटिअरास्त्रनवनजपोनरच्य
प्रचंड महांअनलनानेउठेउव्यापिरहेउब्रहमंड चौपाई निकसेप्रजुलितसरवहुभांती वाहतसिं
हम्रगमुषवहुजाती विगावाजगीदरगोधनमुष जिनकेदेषतहोनउरनदुष स्वांनवराहमुल हु
गसंमआनन मकरउरगमुषकिपरसांनन धारेपंचवदंनवस्याला धायेअतिजवपरमकाला

इमि असुरान्ह घेरि जब लीन्हो तब अनलास्त्र छोडि प्रभु दीन्हो कटे बान अनलहि संग नाना कोउ कु
जस मको उर विहिसं माना काहुँ मषउल काइ व अहैं कोउ तां मिनि सम दीपिन महे पहिविधि रामअ
स्त्र नमचल्लो आसुतासु असुरास्त्रहि दल्यो छंद असुरास्त्र नासिन लषन हरषित कोसदल गरज
त भयो बलदृन को थिन भयो नहं भयें दियो रुद्रास्त्रहि हियो नाने केर असि सूल मुदगर पास परि
स बानहै अति ज्वलित चतुरं कित अमित आयुध मनहुं प्रलेकृसानहै हाहा गंधरबास्त्रहि छोडि
प्रभु सो सरजसोकाटि सरजास्त्र रावनत ज्योरि सिसो गल फुरचारि चौपाई निकसे चक्र प्रकासि
त भूरी रहे गंगन जनु रविगन पूरी उइव रहे जगनासहि भाई येवहु कहिजे नच सम तांई प्रभु निज
सर सठ सर ठट काटी औरिहु सेना सास्त्रनि छांटी रावन दससिर मानि मोरे तब प्रभु उरक छु क्रोध
हि धारे वेधे मर मनि सरन समूहा गरजि दसो मुख किय अति कूहा कहिये लछिमन तेहि अवसर का
लै साध गाता सुसानि सर मनु जसी सजुन के तुगि स्योसो गुनि सुन घानी कुछु नि स्योसो नहं लछिमन
सु न तसु सिर छीनो इक इक सब धनु खंन कीनो छंद पुनि पांच सससोल ज्यो तुरगंन मरन गुनिने हि

समकुलिसपरमप्रचंउसक्तिहिआसुहींवरकरलई नहंतजोनाकिविभीषंनहिं अतिवेगसोंसनमुष
चली लषिलषंननाकहं किपतिलतिलछोडिसरअवलीमली सोरठा कापिनकिपोजेतारलषंन
हिंवहुपरसंसिके सक्तिलईनहंघोर विधितेलहिजोमेरई दोहा परमप्रकासितअरुकरानिपेफेवीर
करअंत नेहितकिकछुसंकितभयेलषंनअमेप्रदसंत चोपाई छोडिसक्तिविभीषंनपरसोआव
तआडिलछिमनसरसों रावनभुजपरिघनकीताडि अतिहिअमोघअडिनाहिंभाडी सवकव
तसलषीरधुराई कहेंसोनाहिनिरुफलहुंजाई लषंनविभीषंनहिपीछेंकीन्हों सनमुषसक्तिआ
तसहिलीन्हों रहीछेदिआयुतउरमांही मुराछितकिपालिप्रानहिंजाही एमरउनाइअनुजक
हंलीन्हों पुमिओसरगुनिधीरजकीन्हों परसोंपोंछतलोचनआंस तजेवांनआसुहिकरनास
हरषेकपिलषिविकलनीचकहं दुषितभयोलषिआसुनाथनहं छंद लषिविकलषलरघुनाथ
आसवीरकरुनारसछये सवजुथ्थपतिवलवंतकपिसोंसाक्तिवरषैंचतभये आईनषेंचीकाहुकी
तवरामहींनिजकरधरी लंकेसतेहिछनसरनलीछनहियोभरेहिपरीहरी दोहा सत्रुसरगननहि

रामतेहिअैचिआसुदिरनोरि अनजतहिकोपिमुजुध्यपनथडेभयेसरजोरि हनुमदादिमुनिस्वामि
धंमसकुचनमेतेहिछंम उनमाहितबोलतभये परमधीरधरिराम चौपाई जेहिहिनमैअनेवनरिआ
ग्रो तेग्रहरांवनकहंरनमहंपापा सुनहुंप्रतिग्यांकरहुंपुकारी करौआमुअवजगहिमुखारी लहिसर
परिसुपरनिहनजैसे मारहुंखलहिषेलावननैसे नाकेलखंनहिं जदूंदमम लखहुनिवारत सबकी
सधंम परममोररामत्तनकहुसव हेहैकीरतनिहुंलोकअव धीरजसमसमरनासागर रामभुवनना
पकरुनाकर अमकहिकेंछोडीसरधारा रहेव्यापिरघुव्यालअकारा अस्त्रगति नरलहिकरग
त्तिनहुंहरखितहिय वरगहिसरनतिवेहैवराघितकिय छंद अतिकुपितनहंरावनहुंआयुधवृंददु
रधरखंनलग्यो दहुंओरप्रज्जुलितअस्त्रसस्त्रनगंगनअतिहिजगमग्यो वरिवंडदनहुंनकेकोदंडन
चंडधुनिषंडनिमरी अतिक्रुद्धजुद्धविरुद्धविसिषंनितासुतंनमटिदिसहरी दोहा सांसलेननहिव
ननतहंवनेलेतनहिंबांन महाविकलनजित्यदलरंनदसगलपेलिपरांन कहेोरामतवअनुज
नकिउठहुउठहुअवतान भाग्यमांनकुलप्रांनममपेककालहींजान रामहिंसोकिनलखनहीं

लंका
१०६

हारि मरुत सुत नवीर ॥ लाइ अहि द्रोण थिकि ऐसे उठेउ लषंन रनधीर ॥ चौपाई ॥ लषि आनंदित भे सब सेना
राम बुलाए जल भरि नैना ॥ गए निकट तब प्रभु ऐसे कहेउ ॥ तुम बिनु नहि मम जीवन रहेउ ॥ सीय सहित
बड़ बिजै बड़ाई ॥ लगत रही अहि तें मोहि भाई ॥ बोले लषंन जोरि जुग पानी ॥ कहि एनाथ एके सीवानी
उचित न भूमि पति सोक करिबो ॥ तिलक बिभीषंन को है सरिबो ॥ कहेहु हंन न रावंन कहं भ्राता मेरे अ
ब केहे असवाना ॥ सिथिल प्रतिग्या होत तुम्हारी ॥ प्राकृत इव जनि कहहु षरारी ॥ तिलक बिभीषंन
सिय जे चाहो ॥ तो निज सरंन नीचक हं दाहो ॥ दोहा ॥ पहे सुप रुष नरीं जिहे पाले बचंन बिसेषि ॥ प्रभु
पंचांनन हनहु षल तुरत इरइ रवु लेषि ॥ चौपाई ॥ लषंन बचन सुनि प्रभु सुष मांनी ॥ कहेउ तिहं सिर
तिहोउ इह हांनी ॥ रावंन हूं सोर भ्रम हि निवारी ॥ दूजे रथ चढि को धाहि धारी ॥ धरे धनुष प्रभु सनमुष
आए ॥ बांनर भट समूह चलाए ॥ छोडे अनल सरिस सर रघुबर ॥ छन महं जरे निसाचर केतर
सर्प गाति ॥ सो उभट हंन हि बिउलन तं सरनानि ॥ कीरि कर फिरहिं तल अहि गति जाति सर्प गति ॥ बिहु
रथ बनरथो बिरथ भित बिराम हिं ॥ बिकल देउ अतिभेन हि तं मारि ॥ तरपनि अपनो जांन पतए लेसा

राम
१०६

नंदसारथीधायउ महांमनिनमंडिनचहुंपासा नलनलतरनिसमजासुप्रकासा दोहा मरकतमनि
दुतिसहसहसलागेनरलनुरंग भ्रषितचौरंनभ्रषननानिजोरेजेवहुजंग लषिरांमहिंमानदूषि
तरिजोरिपांनिसिरनाइ कह्योआयुधनजुनिकिपहिरिथचढिपेरघुराइ चौपाई देरनेकारिदस
गलकहंहरिये निजजसमोहसामिलिकुरिये वेंचिधनुषरघुवरलगिकानन लीन्होमुहदिद
संननवोनन पुनिप्रसन्नरसवीरतिमदे परदहिनप्रनामकरिचढे निजसोभास्वंदनकिय
सोभित हिरेभालुकपिप्रभछविलोचित हरषितसुरपानिभोपुरगंनजुन लग्योहोनहूदर
परंनअभ्रुत गंधरवासुनज्योरघुवीरा सोरतजिआउसोसोरनघीरा राक्षसकइहुलिनज्यों
मुरारी धायेउरगमहांभयकारी जिनकेमुषनदहेनफंनअरहीं निजविसवासुकिनिंदहिकर
हीं छंद दिसिविदिसिऐसेसर्पछायेरामलषिरोससहिसंने नजिगहलभ्रस्वाहिदियोरंनहि
सुपर्नेन्वहुसर्पनहंने जेमदंडमदिंसप्रचंडसरदोउकपिकोदंडनन जे वह लछुउरगसर्पछइव
करिलछननतेहिछनछजे दोहा धनुवंरवीरथीर दोउवेंचिधनुहंनहिंसरंनिरिमिहान संकुल

लंका
१०१

हि कछु मानि मन गुनंन हीं नछिदितें नबांन चौपाई अग्र चित्र सरल सपत्र बांनमें लोहे नम्र सगुन
धनु सज्जन लोहे प्रगट रेषात अहें रन पेहो हरि औसेन कतें अस संग देहीं नेररघुवर सारंग नेछु
टे सिर पुप्रसपछ धार नाहि टूटे छोउ छोडीस रधार प्रचंड भयो कठोर सोर कोदंड दुहुं दिसि अति
जन समाप्र कच लंहीं वादि नवदन वचन जन कहहीं घुरट पंख मख स्यांम सुताया किरतकर
नरव इंवरछाया सधुनि सनडितप्रलै जनुचौ आवरत कसाद्वरनक अहे विधन सरंनद्य
नभरंहिं अंबुकंन जनु पीडिन आतिरोवाहि दिसि गंन दोहा सरतें निकारे सजु सार घुवारन
र सछाकि देप्रमान्न खंडन करें हि जनु प्रतिवादी वाकि छंद त्यागना फेरि रामसर चोपचपेहे वेधि
रेनचर गात गयेहें जोननासन हिप्रांन लयेहैं हेन नाहि जनु अवनिन येहें नरंगको भुज
वीसमो जोजोर करि नीच हांने सर बोर नेहि भुजहि द्वै परिहार किपस माराजकुमार छंद
मन रावेर त्तमुषतें पराक्रम रामकपिले बृत भये हरि चक्र षाल हकदीन हि षलड राहि डगी
र हि गये सर दिव्य नाअ नि प्रभ परत्त हु टोर नेहि प्रगटे भयो पनि कि पोप्रभु हरि नाद सुनि सि

राम
१७

पहिरो उनकों छोहिं छयो दससीस ऽ गमगमुकुट थोम्हन निराषि कौतुक पुरहूंसै नषिलगी मंदोर
री विलपैं नसवैं निसिचरगन त्रसे फेरि हूं नेवासर निकरसन को गात भोम्यो निनमयो प्रभु दरसं
नि उन ताहसों नहं परमतोष्मिन हुगयो पधरी नृप पार जानके प्रतु पववर्षि अतिपुलकित तन
मन हर्षि हार्षि कियेरेवृदंद जैजैति सोर नाषिकर्म जो कि पदसर थकि सोर कवित्त परसनबंध
सवैया सोरठ नाकै मऽयो घनहै दसकंधर रोस महोंसरसो नाम उनाऽ एकादिक हौहेंसि मोल
हुमान हनूनरसो सु छूनहीं ऐरमेहं निहोंक हिवातकेनी जेंमसोदरसों सोरठकै नरनाह सुकेतु
नुकेसु हनारनकेचरसो सोरठा अतिक्रोधित रघुवीर लरनसरलनैनेसमै निसिचरधरहि
नधीर अद्भुतरूपविलोकिप्रभु गतागतचित्र रसनरराजमनरखरनोकी रनजेमनाहिंकतन
तियसोकी कीसोभतितनें कहिनभजेनर कीन्हेंरखांनतजरांवनसर एमरांवनहुंबीसिघन
जाला नजेविविधजतुव्यालकराला बांनबंध सरवरकरधरभटचरदोरे फेरेहुंनितन

मुषननमोरे वांनवंद रांवनवांनवृंदनहंवरसै बारवाररघुवरकरं भरसै रामहुं काढि कादिसरना
के वेधहिनिसिनवांनउर ग्राके पुनिआनिक्रुद्ध रामहेगेरा मुद्रिसरननेनेडिहरापिनभये विकल
भयोरांवंननचि दिमरमन छनकरही कछुसवरिनिनेहितन दोहा अजेपताकेहु काटि दिसवविकिरा
हाहाकार पुधिलहिसोउरषुहुंनोहिं यांनिकियवांननअथिपार सोरठा मरिरावरघुनाथ लषि
नपारहिं स्वंदनसहित व्याकुलभोजेहिहांय विदुधावभीषनभालुकपि दोहा सरजलगोरासिन
कीचंमकउठहिं उनंगनरंग रावनसागरउमगिजेननिवारनचलनपतंग चौपाई नेहिछंनछुटिन
पयोनिधिभयो जलतरंगवेलानकिगये रामसाधरनिनरनिभे स्यांमा प्रलेचिंन्हसवकेतेहि
रांमा प्रभुसोवांनलेननाहिबने बीसवांहसरमस्मानिहंनै ।कीन्हीं किंचिनरेटीमोहे राजिरहेश्च
कंजललोहें अरुनरामभुषकीछविलसी जरुनजिअरुनअरुनिमांवसी कहेंहिकीसपतरूप
नयोहै अतिडगमग ब्रह्मांडभयोहै होतकापिनमेअजिउनपाता ब्रासिनभूतभयेचलगातो॥के
हंहिप्रलैअवहोंनचहनतें रामवीरबातीरगहमहे छंद वरवांनछोडेदोरुसुभटनदिसनिअंध

रिसैभरे सुरदैत्यकिन्नर उरगगिरविरंचिचढेचकितअतिडरे नहिलहंहिंकोउअवकासनिकसंनिवि
षंमविसिषंनिसोछिर करमीजिकहंहिंनलषंनआउवरामरावंनकेसिरे दोहा हरिजाइ[illegible]न
लषेलहिंजोअंतनेक विकलसवैचाहंहिंमनहिंहटेइहुंनमहंधेक चौपाई वडोरोषराववनपुनि
कीन्हो मत्त्वकुअमोघभयानकलीन्हो जोसवुसत्रुननासनहारा इंनलअधूमसकुसजेहिधारा
भारेगिरिवसिंहसमअहै कालहुजाकीआंचनसहै वरहंनीदारुनतिरसूला सकलजगत
कोजोउग्रसूला चलनिजदलहरषावनसंगर सिंहनादकियभूनभयंकर वारवारमारहिगोल
नलागीरिसिविदिसनप्रगटीप्रलयागी हरिपछीनिजसकतलगाई कहंहिंसुलनिहफल
होइजाई तंवनपंछीकहंहिंपुकारी मारेरामहिरंनअमरारी सोरठा रसमुखकहलेपुकारि ल
षनलषंनकेकपिनमयि पहिचलसोजारि उरिनहोतहौंनिजभरंन तरंगनी रंनरिकहु
रानकिसोर मेनजहुंसलहिछोर असकहिचलापैनाहि वडुगाजिकीडनिजाहि वहुधांन
मारेरांम जरिगपैलागिनेहिठांम जोसकिवासवदीन हंनिनाहिसफलेकीन ननतेजवंदासोउ

लोरनिफलभेनभरोउ महिगिरिअख्रमहोन जुगप्रलेलकसमान गीतका पुनिक्रोधकेदोउवीरअगनितती
रनतितहुंनजतभे पुनिवांनवृंदनराम ताके घोरघापलकरतभे हुंनिफरिवहुनाराचतीकोहियोतहुंभ्रां
भरकियो पुनितीनिवांनकरालप्रभतेहिकालतेहिभालहिदियो रेसा सरनविद्धसरवांगषलजुक्त
रुधिररसराम जनुफूलोकिंसुक विटपहरिगिरिपरअनिछाज चौपाई पीडितकोपितषलधंनकाधी
प्रभुपरसरधारावहुवाधी सहतरामसधाराकेसे पावसविपुलवुंदगिरिजेसे पुनिरघुनंदनषेंचि
कोदंड छांडेविपुलवांनवरवंड ताकेसरतेंनिकिरिनसम चलतरामसरहरनिसिचरतंम सोउनि
सिचरपतिअतिवरवंड छोडेवहुसरजनुजैमदंड धुंधकारवांननकोभयो निसिचरअधिकपरम
रिसिछयो हस्तलाघवीकरिजुतरंनमध प्रभुउरमारेउसहसामिलीमुष रघुवरउरअतिरुधिरहि
छायो तरनिविंवजनुतनभसमभायो छंदरूलना पुनिकोपिरघुवीररंनधीरअतिवीरकरतीरतनि
ताहिमारीप्रचारी सोउअतिरोसकरिकरनदसधनुषधरिलियोमाहिव्योमवहुसरनआरी परेवहुहिदेषि
कोउभुदेसरवृंदहोउकुद्धतेहिजुद्धप्रभुकहीवांनी नीचरेचोरवपुजांननहिमेरपुरूहरीममनारी
रिमतिमूढमांनी सोरठा विनामोहिअहलछमनहिंवंचिआयेतेहिठोर अरेअल्पवलअधमषल

ररहुं रखे अव तोर चौपाई काटि काटि बांन नने अति जब वांटन होंप छिनकहं पलतन्न अस कहि रघुवरसा
न चलाये नाहि विधिन लाघिक पिसव धाये फूले फूले तनरिल्ला मारे तिनने नेकरे फूल छविधारे देखि मुदित
मन रांवन कह हई धंनि धंनि निजु उकाल परे अहई धरिल्पा वहु सव मंईन सुरनिप वर नरेतनेन पहुप दृष्टि
किय तेहि उर हन्यो कोसपति गिरि गहि लागम उठी आगि गेगन तदहि निज विभ्राति सिव भ गत हि भषि
त करे के मेने परम अदूषित दुगुनरी स फिरि मन महं धारे अनिक ठोरसर रघुवर मारे छंद सर तें नेप
रम कठोर प्रभ तेहि ते अति हा पित नहि ये किय सिंहना द करालतह देसवदंन उरनन्नहि किये हेखिक
लअतिमुरछित गिर्सो रथमु जेन न साधन खेन गहे दसघ्रिंग गिरि जनुवज्र हनत नेहि निकसि चहुं किन
अहिरहे दोहा मुरछित ने हि लखि सुनत लें आपने नध रमावि चारि परम वेगि सो ले गयो रंन मो स्पंदन
टारि नहो निसाचर जाइस वद्धे रचहुं कितनाहि वाषसम्मनन देव गनरां महि वतुन सराहि चौपाई
उहांवीर दसकंधर जाग्यो मनहि वहुविधि षीज्मन लाग्यो हूकारा मोहि रंनहि छगये त्रिभुवन महं
मम अजस कराये कीस नुहि मिलि के कछु लाग्यो धिंग गने निंद कर मसन्न को नो पहरिप जहकारन

केलायक परमप्रनापीहैं जेहिसायक पूजनीयपविन्नमनेतहिअहे असरिपलहि जुधकोनहोचहे जीतेत्र
भुवनंजे नसेयेये मरेनासुपरपुरहिसिधेये देवनकेसवदंनदेषेहों रिपुसोंजोरतडोठलजेहों सोगहिप
दनिजधर्मवुझायो पुनिसजिएवनरथचदिधायो छंदगीतका चरानलित्र रंनरंगवलितहिवेमुहो
रिसिसंमरकहेंएवनसजो नेहिलषतकलहिसंमविकलसवदेवदलभेभरिभजो नेहिचलतडोले
धराधामोरहेनहिंअहिपतिलजो कोदंडकरिटंकोरगरवितजोरिकैवरसरगजो दोहा दिपरांघ
ननिजठांपकेसत्तहिकेउतारि नमस्कारिकसोलियोपरमहर्षउधारि सुरनसंगदेवन
समरसहितमाधुरीभाउ आयेम्रमितविलोकिप्रभुश्रीअगस्तिमुनिराउ चौपाई कहेसोपुका
रिमहांमनिग्यांनी एमरामसुनियेममवांनी परमगोप्प अस्तोत्रअनुपा आदितहृदेनामरवि
रुपा जपनहिंजेकोदाताअहे करअकल्यांनअघजारकमहे चिंतासोकहिकाटंनिहारा आपुरेत
हेसरनप्पारा एतअस्तोत्रपाठप्रभुकरिये फेरिवलीएवनहिसंघरिये पुनिरविहेंकुलजेठआपुके
नांमसकमंत्रिनसकलनायके तिनकेनामउचारंनलायक तुमकहेंहैसवविधिरघुनायक सुनि

॰ुगस्तकीबानीरघुबर नरनिहिंकियेप्रनामदोऊकर सोरठा पूजितरनिकहंराम हरषितहेमनृ
पकरि पटनलगेनेहितराम दियअगस्तिआदित्तहिदेये दोहा सोनिसारनेहि पाठकरिकरिआचवंनै
हिफेरि लसेधनुषसरहाथ लैछकोमुनिनपतिहेरि सोरठा रामरूपमनराखि मुनिपतिगोजहंकुसकल
रावनकरकछुमांषि निपुनसतसोंनेहिसमे चौपाई रथचलाइअतिबेगहिधारे फिरिहोनेनहिअब
विनअरिमारे पवंनवेगिसोंरथहिचलायो कपिहुंवलछायो। नीचपुनिआयो अतिआतुरपके
पेकाहिटेरै दलमथिखलभलभयोहनेरें पवंनप्रचंडपयोनिधिछोरा चलततिरंगकरतजजसो
रा लेभूधरमध्यासंभमाल गहेविटपकपिजनुबहुकाल निजनिजमनअतिरोसहिधारी धा
येजेजैरामपुकारि निसिचरभटहुपिलेजरहेंवांके भारिडालवीररसछाके पहिलेगिरिसतवनिहंनि
लरे फेरिलपरदोऊदलपरे छंद लपरेसुभटनतेंभुपरिधरिधरिदपटिसठकंनिमारहीं कोउलरहिं
गहिगहिकेसदसंननकाटिनषंनविदारहीं विनचर्मकोउवीरआंनेगिरतअतिहीभीममे नृव
हं रिपुनपरघाउघालेसूरताकेसींमभे दोहा गिद्धराजजनोनेसमरगहिगहिआंनउडांहि जनसप

लंका
१११

नलीन्हे सरपचलेअकासहि जांहिं सोरठा भयोनिसाचरनास रावनमनहि विचारिकै छायेधानिअका
स अतिऐबिनछोडे सरन किरवांन जहंजोगिनीनजालभूतभैरववेतालभूरिधावैंकीखालभर्यो
रारिरोमहांन जहंरावनवांनहृमनोमेघनगरहूभरेकीसहूहुमरुधरादिग्गआसमान जहंलुंड
नकेभुंडगिरिराजेवहुमुंडभरेघावनितकेकुंडगीधस्यारकरैपांन जहंरावनरोषवांनज्योंनभाजेआ
समांन नहंराघवसुजानभुकिआरेवेसवांन १ जहंकालिकाकरालकरखप्परविसालमोद्दैदैक
तालकरैघावनितकोपांन जहंभूतबृणछोरकरैभारीभीमसोरचांपकोटिनटंकोरभरैधुंधभांन

धुरि

जहंतोपेवहरानीतेगतेपीभ्रहहनानीराजेसूरनकीवांनीमुभ्रैपरनअपांन जहंवासवसफांन
भयौअकतकहांननहीरंनमेसुजांनरामभ्रारेवेसवांन २ जहंगीधआसमांनआंतमासलेउ
डांनकाकघावनितकोपांनकरैस्यारकूरगांन नहंवीरकेकलांनकरैभारीहमसांनसूररंगज्वाथि
फांनभ्रमकारेमेसोकेपान जहंकालीलेतितांनकेसछोरेभयदांनकूकछाईस्योदिसांनका
लमानहमैअघानजहांजुबेप्रमांनभयोअकहकरांन नहंवाडूंसमांनरामभ्रारेवेसवांन ४

राम
११२

अम्रतधुनि भरिभरिवीरहिरसम्मो निसिचरकीसविहथ्थ एमरावनहुं जुरिगये उध्धथ्थन परिक्रुध्ध ७
ध्धथ्थन धरि क्रुध्धनि उनुध्ध ध्धरिधरि मुक्काक्काकरनिअचुक्काक्कपवरतक्कक्का किकरि षर्वेघउसापर्व
व्विपतविलंबघ्वरिवारि नभ्भभ्भभरिस्वपंभ्मननअचंभभ्भरिभरि दोहा एमरावननहुंकेमहांसात्ब्
तिअहंहिंप्रचंड करतछनकमैउनन्लमेपनभछितिजुतनवषंड अम्रतधुनि दरिदरिदंतनोरसिभ
रेभिरेकीसपरचंड पिलेनिसाचरअतिवलीमंडद्दि डिलनउदंड मंडद्दिलनउदंडुटि डटि षंडडुरविन
कुक्कक्कपितनतक्काक्कारसअचुक्कछिपतिन उछ्ध्ध्यवीरविरुध्धध्धानिकवन्यध्धरियरि मई्दहल
नप्रमद्दुरदंनरद्दरिहरि १ जिनतितसोहतसभटकपिलरतनरंगेरनरंगु मानमानकेभिरोहिभ
रअंगग्गिरतसुजंग अंगगिरतसुजंगगगारवप्रसंग्ग गाननतन छदृहटेहंसुमदृहृटंनिकुभहृट
रतेन रघ्धाष्घुरतसनष्ध्धष्ध्यलनिसुह ष्घाष्घिरकिन भज्जज्जलानिनिभज्जजोगिनि विरज्ज
जितुतित जसजंगजग पतनसनहीकहंकहिकिपसुकुक रहनीस्पारिभयांवनीकीक्कारिकरिम
क कीक्कक्कारिकरि मुक्कक्करनअदंक्ककियमिन अघ्धब्बल दल्लनघ्धघ्धपंचतलघ्धवापरिन कुध
ध्धवारिविरुध्धघ्धारंनिसनुध्धघ्घ एिअंग छज्जज्जरिभरगज्ज ज्जधमहंसज्जज्जसजंग दोहा

लंका
१९२

बलीबलीमुषभालुसवऐकऐककहंटेरि रांवनपरधावतभऐहंननलगेतेहिघेरि फिरननजुतगिरि
हंनहिंकपिमारनमुठिकानीच चूरनहोइजलसांनिंनेमिलहिंधरनिहेऐकोच महामेघरावनघुरे
सरखुंदनमऐलोक वज्रपातटंकोरघंनउलकासमसरनोक निसिचरसूवंनभरंहिंनहंअंगारहि
समरेषि संकिनसिगोसरकहिंहोतनासखवलेषि भक्रंपतेसमयविनुकरतनुदसंग्वार जे
वलोयुग्राइननचलेहंन वलोहैअधार सोरठा एहिविधजुधदिनराति वहुतकालतोहोतभा रांवनरो
हिमहिंमाति रांवनअभ्दुतकर्मकिए चोपाई सरनसमूहंननभछिनिधावत लछमनताहिनिजसेन
नगावत इंद्रजुधरघुवरमनआयो वालइंद्रवधजघनगायो एमचंद्रमातलिसोंकहेऔ सार
थानहोइन्यागेगहेऔ अववयहकुंभदसांननआवत हनिहनिसिगरीसेनभगावत नजिविग्रता
सरताधारहु इंद्रकुरंगचहुंवोरनिहारहु सतसुतकेपरमपियारे ७निअगनितसंग्राममनिहारे
मानलिनमकहंनाहिसिवाउ सूनरीतिकीसुरतिरेवांउ अवमेमहांनुद्धकिएचाहो एहिकुं
रंनउत्साहछकाहो छंद सेचलोमेछोकटकरघ दसगलहिचाहनहो इलो दसकंधरघदेदाहिने

राम
१९२

श्रोनितरलरथसोलेचलो ॥ अतिचलतचक्रनउठीरजतेहिसमेदसमुखरजभरी ॥ जनुकिपोरामबि
रोधनोनेनासुमुखछारहिपरी ॥ सोरठा ॥ लषिलषिहैनोरथनकेधुजमिलिमिलिछविदहि ॥ निजजेसा निज
मिनिहेतुजनुनेऊलराइलेहि ॥ चोपाई ॥ भिरिभिरिगेद्धोरेनसोंघोरे ॥ सनसूननतेनेननजोरे ॥ सुर
पतिसुतपलककिमिलागे ॥ नासुतगेपलषलरिसिपागे ॥ रथीरथीनहंजोरेलोचन ॥ चलेचषेन
ऐंअनकरिसोचेंन ॥ कोपितछांडेसरगननाना ॥ कालदंडसिवसूलसमाना ॥ नासबकोधनुरामहुं
लीन्हो ॥ सिंहनादकरिकोपहिकीन्हो ॥ छोडेनररनिसिरिनसमसायक ॥ महांभीमनिसिचरभेराप
क ॥ दरावधिकरथिहेउवीरचलावहि ॥ अतिप्रकासरविमंडलछावहि ॥ अवेनीअसहननतंनअधि
पारी ॥ सोइरहोसोइनिसिअनिकारी ॥ सोरठा ॥ मंछिकपिनकेमुखअरुनसांझसमानसोहन का
लविभागविनामनहुंफ्रिसमयदरसान ॥ गरविनहूनोवीरवरनिजनिजजेकीचाह ॥ विविधजा
तिकेसरनतेजेउरभरिपरमउछाह ॥ रावननमरसुमनावहिदेवा ॥ सुमनमिवराधिकरहिप्रभुसेवा
रावनरथपरश्रोनितवरषे ॥ लषिलाबिरघुवाआंननहरषे ॥ रावनकहंअसगुनवहुभये ॥ र

लंका
११२

सुरसमूहबिलोकेतैसे तिनकहँलखिप्रभुनिजजैजांनी रांवननिजमीचुहिउरआंनी गोमुखिका
गरजततरमटरंनकुधध्याये वरषतमरठरघ्यनमिखमापे अयचित्र विपुलरामजनुविपुलाहि
रांत्रन बरखेंहिंचहुंकितनसानमपांउन आगुधलीन्हे कपिनिसिचरनिति चित्रलिखेसलखेहि
चकितचित च कितरविहुतकिरहेनिहारी धीरसुवरगाढेंनरंनभारी टोला छुरछुरमरेवेनामतिको
रंनदवक्रनननपर्व बन्नसदंतसकाकोनेअर्धवंदवहुधर्व लेनहिंतरकेसतेदोउतुरतेहिंकारेहिती
र करेविलापनजेमिविधेआबनमनमतिधीर नजहिंदोउसरजाललगिकदहिनीरनमाहि
गिरिनिकसेवहुजातिखगचरनवेगजनुजाहिं चौपाई नेसररदोनोसेनानासे विचरिविचारि
नेहिबेनहिमाने रांवनकुकटकुधमहँरागे निजवलप्रभुहिदेखावनलागे त्रुगिनितबहु
नकिपेप्रहारा प्रभुनिजत्रत्रनिकिपेजनिवारा पुनिकिपरहस्तलाघवीसरगंन छोडेप्रोरावन
रंनहिसविमन फोकतिकोकनिजुरिवोन मयोपन्नगनिफांनिसमांना पुनिपुनिसरनसभ
टचलावे दीडिसमनेतनमपथ्याये पुनिकरिसिंहनादरघुवीरा धनुटंकोरहनेवहुतीरा सोउगर
जिधनुसटंकोसो कोचिनदसननपोषनतेसो छंद रनदीहिधनुटंकोरलोनननजोरिमासौ

राम
११२

धुजहिकों नहिंगि-ञोरामप्रतापतेघ्रिगदिशेसोनिजभुजहिकोंप्रभुचापचपलाहिबेधिबोधेदा
हसरमारेमहा भुजवीसकोधुजगिऽोमहिसबकीन निसिचरदलहहा दोहा धुंजाकटेकरव
रुनचषकोपेउदसमुखवीर नकनजराहनकपिनजेनछाडेउपुनिबहुतीर नरंगिनी तेहिसम
रसरकोराजि किपविद्दरघुवरवाजि हयविधिनताहोहेरि किपमहामायाफेरि सरसक्तितो
मरसल असिगदावहुउखमल वरचक्रपरिघसमूह गिरिशृंगविटपनजूह मीनकाप्रभु
सहितकपिदलउपरवरष्यो विकलसबकहंकीरदियो दसबदंनजेकाहिमदंनेअरिकोक
दंननतंभारीकिपो करिसक्रमयसवपुहमिपुनिदसधनुषसरभ्रारतमयो तिनरंदनिसि
चरइंस्मदिमदिबोमदनोकेदयो नोटक वलदेविनिसाचरकेरमहा हंसिरांमनरामनमा
हकहा प्रहज्जमंनकोअवसुक्षमयो सरज्हनछाडनरोसछयो पुनिरामकोदंडहिहायलिये
हनिवाननचोदहव्योंमकिपे जनजांनिविधातेहिवेसयहा भवइसरकीन्हेउरावनतेहीं दोहा ९८
भक्तिसोाउमननहुं प्रलेकालसिवलीन हंनिहंनिवाननअनलसम जारिरामसरदीन चौपाई

चपल दोउ रथ तुरंग नचावैं होउ बीर धनु बीन बजावैं जोगिन जरठ कहह करि भावैं ने जंउ चुह कित
पांच रिगावै विधिन वांन तन षो निन वहै लागे मनहुं कुमकुमा ऊसे है षमन जल दोउ भट सुषं तु सोह
पे भोड र कंन च मकत जनु भाये रुधिर पोक कहुं निकसन भारी मनहुं चलावत है पिचकारी करहिं
जुध दोउ भट सम जोरी मानहुं षेलत हैं हैं होरी हं नी हं निसरन भाहिं दोउ स्पंदन वाजिन त
नन करं हि बहु रंध्रन कोधित तड् मो भये भयंकर प्रलै उदित जनु भेजु ग स्कर छंद दोउ सरन सों
मुरि ज्ञांइ पुनि छटि जाहिं हं निहं निसरन सौं जिमि गरं नि मुदाहिं निहारि नि कसं हिं नासि अप
पने करन सों रघुनाथ रावन के तुरंग न सरन हंनि व्याकुल किये सो धीर बहु विधि वांन वेधि
त राम राजी करि दिये दोहा होउ वीर वांन न नवधि राजं हिं धनुटं कोरि जनु अषंड धारा स
हित मिलहिं प्रलेघन दोरि चौपाई रावंन कहं पीडित प्रभु कीन्हों पीडित सोउ राम कहं किरि दी
न्हों अति कोधित दोउ भेने हिय ले कानन हार जेन [illegible] छंन प्रलै ने सरन हां अने क चलाये रंन
उत्साहित दोउ भट धाये धुज धुज छोरेन छोरे नर थ [illegible] अ न्हिरि गये दोउ भट समरथ सर

नसमरमहँहतेरघुवीरा बिचलेरावननतुरंगसधीरा तुरंगनफेरिक्रुद्धदसकंधर बेधिपवनलोहँनेतानबर
अतिबलरावननकरनेछूटे सरकुसालरघुवरउरफूटे रामहिंतऊविथानहिंभई रावनउरमहँअनिरे
सिछई छंद रिसिछयहिसरवरुवज्ञसारहिसमगेहिमानतलिउरदियो हुंकारकियप्रभवानवरनाहिं
सतकहपीडितकियो हरिकोपकियसरधीसनीसहिसाठिसोसहसंनहने नेनिकासिगदसबद
नउरसोउबीरकछुनहिंमनगने दोहा गदामुसलपरिघनहँसौबरबानननकोदड रामहुँमोरबि
पुलसरतिनकोभोसबव्हड चौपाई विपिनकरहिंसबहाहाकारा भयोभुवनसबभयउठिजगारे
लहिजिमिभूमिभेभोनप्रभाहत समैनाहिंपवननहिंभयोगम सुरगंधर्वसिधरीखिचारन किन्न
रगनकरचिंताधारेन रावनडरसोंसगरेकपे मंदमंदरघुवाजेजये लोकनकोकल्यानकेहिसब
जियेनोचकेरहवनकोउअब असकहिनिरखेंहिंजुअचपा लरतअराधपतिनिसिचरभ
पा पुनिसवकहँहिनिमुनानेरया एहसंग्रामअन्नपमवेद्या अंबरसमनाअंबरलहे सागरसम
जिमिसागरअहे छंद निमिरामरावनजुद्धसमहेरामरावनजुद्धहे पुनिकोपिरघुवरनोपिसरसों

चौ० पुनितेहिविधबुधभई तेहिकालनजिमिमय्यालबाननजालसिरगनहरिलिये भुजबीसकेपुनिसीसजा
मेकीसअरवनमेहिए पुनिहतेप्रभुबहुमुंडतेबहुभुजअनमधावतभये कहेंरामकहिसिरखंडराजेंद्र
अतिअचरजछये जुतमुकुटकुंडलछेदिसिरसररामतहँकोतुककरो जनुलगेगरहननसहितकार
विनिकरनभराजनसोरा दोहा पुनिपुनिहननरामघाससर५८ भरतनलरतनसमहिदसमुखभट पुनि
प्रभुभुजसिरकाटिउअये तेजअकासमंडलमहँछाये जनुरावनसहाइककहँआये राहुकेतुबहुतन
धरिआये सिरभुजकटेनरावनमरई छुवतनिनमीचुजुद्धकरहिं जनुडरई श्रीरघुवरमनमहँप्रतिमा
धे नासुकाटिसिरयेकहिलाधे तेहिछनप्रगटप्रभावदिखायो नातिभुजंगहंनिडंभभुजबनायो अ
जमयेसोअतिमनहरख्यो प्रभुपरबिपुलप्रसूनघरख्यो रामहुसासम्हलबहुहैने नेसरखल
रंनमत्तनगने छंद रनमंत्तरावननगननतनहिसरमहासरछोडनलग्यो भोरामरावनकोसमा
बुब्रह्मांडपुनिपुनिडगमग्यो सरप्रबलकरदुहुँओरछूटतनुदलबनिरखनठगे दिसिविदिसाछिन
गिरिध्योमहैंनहैंललरहिरंनरंगगहिरंगे सोरठा उठेनहिरघुनरांम लरनदोऊअतिबीरकररहेसो

नब्रह्मसमकहहुंतेम सोअम्दुजपेहिभांतिरंन सेना एमआपनीरामनानेहिं रनदईदेखाइ निजप्रभाउजनेन

बलहुकहहुंव्यापकलिषावनाइ पुनिपुनिकाटहिंसिरनप्रभुअगनितवाढतजाहि जिमिप्रसरि

नामनिसदेहिंखलखीअद्युनसिराहि चौपाई बरतालनबालीजिनमारे तेऊसरषलउपरप्रोरे

नवहुंविधिनरावनजोधा तजततनिरपरकरि करिक्रोधा पीछत्तनेरूपसीं नहिंमाहीं कोटिनसर

सरीरचिरिजाहीं लखंरहिंउगेसवंदरभाल रावनरामजुद्धनेहिकाल उरपितदेषकलहंहिंकीराह

लक्षधोंहोनचहतहेकाहा इतनोभटरैनरमअतिमानी कीन्हौंजुद्धसानदिनराती रंगेरामककहुं

धमहंजानी मेघसकलभूतंनपहिचांनी करमानालिस्वजानेहुंराम केसोगजुद्धकारिपपहिंतांम

छंद अंवजंनिषुलाईरामपुहिमररेहकरिसिगेरहाहा विधदीनपेहिवरदंनराखिंतजिपरहलाख्य

हिमहंत जोवांनविरचितविरांचिवासवविजेहेनगाहिंदेनमे मोदियोवानअगस्तिकोतिनदियोरामें

हुलेनमे दोहा स्वासलेतसोसेससम पुछनवसहिंसमीर गोसीमहंरविआगिहुंमथिअकासले

हितोर गुणनामेदरमेरुकीरचितअहेस्वतनु कलंलगिवरजोवानवराख्योविधनिजसंतनु चौ०

प्रेममंत्र अभिमंत्रित करिकै कोपित प्रभु ने हिधनु धनु महं धरिकै षैंचि श्रवन लौं रघुवर मारौ सो सर रा
वन के दस सिर हासै निसरि रंगेौ धाौ नित अति भाएै छेदि धरनि पुनि तन गहि आएै गिरत भूमि समर
के अंगन छुभित उदधि भोन रत नतं गान गिरिगन सहित धरनि सब हाली गई निसिचरं न मुषकी
लाली लोकपाल सब भए अमोका निरभै दनुज देव तें न थोका भागे निसिचर धाहिं न धीरा
जै जै हरषि करहिं कपि बीरा प्रमुदित देव दुंदुभी दीन्ही फूलन बरषा प्रभु पर कीन्ही छंद अति हरषि
फूलंन बरषि सब षग के सै प्रभु तन इग गए दस सीस जे भे कीस जन मन वीन न तें मान न भए जु
न ते धिर रघुपति अंग ते हि रंन लसे मा रीछ बिष्टपै जनु असोक प्रसोवन मांह जल जुत जल दघार
उमगे न ए दोहा निकसि जो निद्रस सब बदन की प्रभु तन गई समाइ भागि प्रसंसै विसमिते देवं
न की समुदाइ रावन श्री रघुवीर को रंन जो भो अति विषम जो गैहैं करि जगत सुष अंत लहहि
परधाम ते से हं पापि हूं मुकुति दिय धंन सधं सरघुनाथ कहि अस हर ब्रह्मादि रिषि सब बेन भावें
माय चौपाई जेत मपुर सान्यक यन अहैं विभु न फल न पावहि सब कहैं करिये बहु तप फल न मरें

थेमे ते उभेदुषलरिजगन्नमै प्रहबलखुरति षिमुनिजेंनधोती परतिपनिरतिरहलोदिनराती हिसकमहांबि
च्चुकारेषी नामकपुनिताषमिनदिनधी सोप्रबस्यो प्रभुननसवेसबत कहिजुपमेसव अचरजलेषत नारद
हंसिकरुअचरज नाही राममीतिपरअहेसदांही कोनेहुविधिरनमहंमनरहे केसेहुहोइमकुतिसोलहे
रावननेबैरभावमनराष्यो तोतेमहानकुतिरसचाष्यो दोहा करिअहनेहरहिं जेभजेहिं सुंदरम्रार घुबी
र विनकीगतिपहकोनधोकहि सोचोचवनीर कोटिनरनिसमनेजतेनषडरामसंग्राम होट
केधनुफेरतमरहिंअरननैनअभिराम रावनदलउतसाहजुत निरषिभ्आपनोनाश परामक्त
मागतअहेपदपदपरिविसुनाथ सोरठा हरषिकहेसोरघुबीर हेसुकंठहनुमंतनल हेअंगरघन
धीर हेलछिमनलंकेसभट चोपाई जामवंतहेभालुनरेसा ओरोसुननुभालुअरुकीसा मोरए
रोजनकरेतुम्हरेबल हेहेसुजसजगतसबकोभल उमसवकीजेकीरतिगेहे करिमुषविविध
परमगतिपेहे लंकदसाननजुकदपुनिकै मंदोदरिआदिकसिरधुनिके छुटेकेसविकलसवना
री रहोंजेलंकापतिरिपिपाती धाइआइरावनपदलोटी भरीरुधिररजतिनकीचोटी जिनकहं
देषारविरहुनाहीं विलपंहिव्याकुलतेदलमाहीं त्रिभुवनस्वामीएपनजोई पनाम्भसोरजर

धिरंहिंसोर्ई रामविरोधीकीगतिजैसी प्रगटेसवनिरषततहैजैसी दोहा बंधुनवनितंनहदंनलाछिरोषा
नहेंलंकेस कहिकहिवानेविविधविधकरिकरिकटिनकलेस चौपाई कहहेंलषंनसोंरामबुलाई
तातसबहिसमुझाइहुजाई अहेंहिंसोचकरकारननाहीं नाजिदुषतिपवुझाइलेजोहीं मृतकनि
कटमृतकेइरुपभैऐ रामिभीतहिलषिउररुवमसो पुनिकहलाछिमनमृत्युपिपारे सुनेहुंवचन
ममधीरजधारे करिविश्यानहिमनहिंविचारो जेहितेहहुसोकोनतुम्हारो आदिअंतदुंजगतसं
नमदाही कोतुमअहहुतुनहुंमनमाहीं सिकताजलवसआवहिजाही तिनसंजोगजिमियुक
छनमाही उपजननसतप्रकितिवसलोया नहिंअधीनसंजोगवियोगा दोहा ऐसेवरावरिजी
वसवजीवोकर्मअधीन जाकोजैसोकालहैविधिलिलाटलिखिदीन चौपाई सोईहोतनवदत
नेकहै लहतसोकजोकरतटेकहै उतपतिपालनप्रलेकरतहै नउईसनिरपेछरहतहै उपजे
बीजबीजनेजैसे देहंहहोइदेहतेतैसे जननमरनओक्रियाक्रियाफल वदववदवयहदेहधर्म ११७
फल इन्हतेदेहीभिन्नाहेंअहे तनअहंतातहअनलइयरहै मनसंजोगतनधर्मजोअहे अग्पाबी

जीव हि मरुंकोहे जो सम अ सम न विवेक रहत नहे जिय तन चित्त नहिं ध्यान धरत नहे दूरहि अहंकार तें मोरि
ताकों भव को मान न होई दोहा माया ते हे मन हिं महं रत भ्रम रूप समस्त ताहि त्यागि गुन जीव कहं सुख
सरूप चिंतत सत्त सकल मत नचे तें न करन निरगुन राम परेस तिन मंह राखतु मन नहिं तम मति त्यागि सब
लेस चोपाई इंद्रिन सुख महं दोष दिखे रामानंद सांच करि लेखो देह बुद्धि तें हे परिसारा जब जिय दे
ह हि चित्त विचारा तब कोउ कारज को हे नाहीं यह विचारि घर रोम न माहीं संपति मित्र बहु बल दल राजि
मरजि वर्ग गो गज अश्व वाजि अग्यान हि ते आपन मानी दोस गिरे रघुनंगु रजानी उर हु करहु
रघुपति भावनै नजि अग्यान ग्यान थरमनै राज करहु भोगत प्रारब्धै भक्ति प्रेम जन कारि कारिनग
है यहि प्रकार रनु मरारि जो करिहो तो भो सागर महं न हि परिहो दोहा करहु कृपा निज बंधु कीहि
नेउ सो सेन नाथ तिसं न निरार हु हर दंतन जाहु लंक बले साथ चोपाई सो सो कहि तजि प्रभु पद आस
न हे धर्म रूप कहत न अस भाषा महा अघ मप रानि यजो रमे करब कर्म नेहि उचित न हमे प्रभु हंसि क
हे वेर मंव भरि आव हु वेग हि संस कारक हरि रावन जे मो अहें न मारो ने सो अव पर हरे हे मारो

लंका
१९८

सुनत बिभीषन पुनि तहँ गये नारिन ग्यांन सिषावत भये जा गुरु कहें जस स्रुति कहि दीन्हे बिधिसु
तकृत्य सकल तहँ कीन्हें तुरत तिपन गन लंक पठाये बहुरि लंकपति प्रभु पहँ आये मातलि कूं
प्रभु अग्यां दीन्हीं गंमन नहुं अब बड़ि सेवा कीन्हीं दोहा करि परदछिन दंडवत सुरपति पहँ गो
मृत कल्लोल बैन सो हिय हा बिहरि हरषावन भल प्रथम हिं दियो बिभीषन हि लंका की भैराजि
करहु जाइ अभिषेक सब उचित समाज सब साजि चौपाई कपिराज नल संग लछिमन गाये बिध
प्रुत तिलक कहि सारत भये सप्रज भेंट लीन्हें सुर छाये लछिमन संग बिभीषन आये दंडव
नाम सबहिं तहँ कीन्हें रामचंद्र अस्तुति आनंद भीने प्रभु कृतार्थ अपने कर मान्सो मिलि सुग्रीवं
हि फेरि बषानो तुम सहाइ रिपु तानि जै पाई दियो बिभीषन हि लंक सुहाई अनिह जस ततो
कहत तुम जाई सीत हि सब सुधि देहु जनाई जो कछु कहैं हिं सो मोहि जनावहु तात न जाउ बेगहि
फिरि आवहु पुनि जन निसिचर गन हनुमंता सिय पहँ गये सोकं न उघ अंता सोरठा सीता परम
सुरूप बिना भरे नाथ को ध्यान नमू बदंन न तरसि सिसिया करत सुपरस पान चौपाई मधप बिसिच

राम
१९८

तिनकेनेहिलखिकै छंद कात्यौ कपिसुखरससुखिकै करिदंडवतराम सोंकरजोरे लखीजानकीकपि
कीसोरे हरषीरामद्रुतपैंहिंचानी गहगहगरकहिआवतबानी नवहेतमनपुनिसीसनवायो
मोनेहिसबकोकुसलतैनायो मारिसकुलदलजुतदसमौधा लंकविभीषननदिरषरघुनोथा पुनि
कहआपहिंकुसलपन्ना सुनतजानकीआनिसुषछाई मगनभरिकुसुखसागरभारी पुनिगहरु
दगरगिराउचारी रतननवमंतजगजंहमोरीनीके मोकहँदेतलगनसव फीके छंद अनमोलवानी
मोललीनेउंलोकअतिलघुमेतको ब्रह्मादिपदविहुहलुकिलागतिनोहिहैकैसेंदेसकोनाहउ
परेहब्रंसलसोपावब्रंसलेनेवसहिहे औविरानिवरविगयोंनअनुपमप्रेममेनेंफंसहिहे सोरठा नंही
मागउअवकीस मोमननेतननकहुपवने कहकपिपदधरिसीस सुधीरामनिरषतरहो चौपाई
तुमहींसकलमनोरथदाता वेगिलवायतचवजलजाता सोसुनिहतमनप्रभुपदंसायो
तंमहिंसबविरनानतुनायो पुनिकहजेहिनिमित्तसवकीन्हो ताकोवेगिवुलाइनलीन्हो
दुषीहोतिमिसिपअवतुंबुलेश्रं तेहिचरनारविंदसरसैपं अनलसियहिकादवमनकीन्हो सोस

नलंकेसमोहिप्रभुदीन्हो ॥ जाहुसियहिअस्नानकराई । सुंदरभूषनपहिराई ॥ ल्यावहुअबपरहुनिदुषषे
लंकापतिहनुमनसंगगये ॥ नेमहिकरीनेल्यायेसीतै ॥ लषनचलेकपिताहिसभीतै ॥ दोहा ॥ चोपराखारेंनकु
नेनिरखिकलहोरघुबीर ॥ आवहिंसियसिविकाउतरिहरसकरहिंकपिधीर ॥ चौपाई ॥ प्रादेहिसियरघुबर
दिगआई ॥ प्रभुअवाचमुनिअतिदुषछाई ॥ कहलोलषनसोचितावनाये ॥ देहुसपथमेअनलजरा
ये ॥ रामहुंहृदयबलखिआगिलगाई ॥ दुषितहिप्रभुहिगवेठेजाई ॥ करिपादहिनपरमअभीता ॥ महा
अनलप्रविसीजहंसीता ॥ अनलरूपधरिलियेजानकी ॥ प्रतिपारीकहत्जानिधांनकी ॥ सबकेदेष
तरामहिदीन्हो ॥ लषिसियरामजगतसुषभीनो ॥ देषिदंपतिहिंअतिछविछाये ॥ अस्तुतिकारनदे
वसबआये ॥ प्रथमसन्मिटिलबअस्तुतिकीन्ही ॥ लगेकरनअजजयकिसुषभीनी ॥ छंद ॥ अस्तुति बंदे
रामंसत्यमनादिरूपिहंतुं ॥ सद्रुपादिसपानिभिरतिनिईदिनोनं ॥ भक्तैर्योपदंछविभक्तेपरमेकंस
नामाचंव्यापकरूपवहुगीनं ॥ प्राणायामैर्निष्चितचित्त्वाहृदिमुद्राः ॥ ध्यात्वामायापानिर्मितवधविष
रूपंपस्यंतीसंमंयतचित्तापतपत्नं ॥ वंदेहंवरंजनकिरीटंमुदरूपं ॥ मायाधीसंमापतिमाद्यंम्भनिवंदं ॥
सं

गो गिरं पं मोह विनासं रवि भासं पूर्ण पूतं पाँहुन मीडं रमनीयं वंदे रामं रंजित लोकं प्रकासं सार
सार ग्यानं कवि सिरं सुबरूपं सीता नाथं वीरं वरेन्यं वरदेन्यं त्वमेषां तासां यिन कार्याखिल कारी विस्ता
रो मुंदर रूपो वनिधारी भव्यो भूयो भासित रूपो भव भारी भक्ता लभ्यो भावुक चेतस्त हचारी
लोकाधीसं लोकपतीसं परमीसं लोकातीतं सदसद्विहीनं परदेहं रामं स्यामं भक्ति समेतं
भजनीयं वंदे साधुं वानरमित्रं सुबगेहं कोवा स्यातुं त्वां मनसकोर तही नो गेहासक्तः पार
तीरक्तो बहुमानी नाना साखैर्वेदक दैवै [illegible] प्रतिपाद्यं वंदे सत्कारा बद्ध कंजं न हि वा नो निस्मानं
वानध रंतं का चापं वंदे रामं सा नज म्याद्यं नारूपं षड्गुज्को प: स्तवमाद्यं पठतीमं दिव्यार्थो
गो भाँति सभक्तो तनिभूपं दोहा एहि विधि स्तुति कीन विधि छके नैन भरि भारि कर नल
गेह स्तुति हर खिजो रिपां निज पुरारि भुजंगप्रयात भजे भारन्यासं सदा सुप्रकासं भवांवा
धिनाथं परात्परं भवादं सिवं संसुगीतं वरेण्यं विनीतं वरे विश्वनाथं सदानंद गाथं भजे देव
दुःखौघनासैक हेतुं सुकंदं दिमित्रं स्वयं सैक हेतुं निराकार साकार पोरासि भूतं परानंद ह

पस्यदेहंवहंतंम् प्रपन्नाखिलाघौघसंनाशकारी महासाधुसंरक्षनेमोदधारी महामोदभाजोसहृदे
विहारी धरास्मिसदापापरक्षोविदारी करेचापबानंसदाराघवेसं विदेहात्मजानंदवर्द्धकमेसं भजे
एमचंद्रंपरंब्रह्मरूपं महासाधुरूसंविनुधर्मपूषम् अतेवेदनेवाप्रपनोस्मिमन्नः सुरेंद्राभिमा
नानसुद्रेभवंनः दराणोभवन्पादपद्मप्रसादात् नस्याभिमानोविमुक्तोविषादात सु
रद्रक्तकेयूरहारान्वितांगं सदानिर्जितोयेनविख्यातकामः तमीसंप्रपद्येगुनानंदपात्रं सरच
द्रवक्रंमहामेघगात्रं सुराधीसराजेंद्ररक्षोधिपेसं किरीटादिसोभंभजेत्वंमहेसं लसत्तपद्म
नेत्रंपुराणंनिसेव्यं कुनाकामपूरंमनीद्रैर्निषेव्यं निजंकेसुपीठेसमाधायसीतां स्थितंकोटि
चंद्रप्रकासेविनीतं भजेरामचंद्रंप्रसुकोटिप्रकासं मरस्याछमाकारकंमोहनासं दोहा पदो
जेवरसीतापतिउषदरसिकैंनकोजिपराम दरवर मुनिपतिहूंनदससमनकोहैआराम
सोरठा सीसनाइकरजोरि श्रीभवुअतिभावककभगत कहसोविनसअसिमोरि जिलकहो
नपुन्किआइहों चौपाई पुनिकहनिरषिप्रआपनताता नावक्षोरघुपतिपुलकितगाता लषि

बिमानपरसीससनवायो दसरथसुतउतरिउरलायो अतिप्रसन्नलषिपितुकहं रघुवर कहप्रस
न्नहैदीजेमोहिवर दायाउपरमरनकेकीजे मानप्रापमोचनकरदीजे कहन्न पसुरानिकरनउरहहे
नऊवृचंननतोकरनेअहै जसकुमकहलोनेसोईहोई असकहिछकितभयेसुनजोई सीससहं
षिपुनिकतसोभुआला परमईसरहरघुकुललाला भवसागरपरहमुनिंअपारा मेउतरेउलहि न
तुमहिकुमारा सोरठा असकहिकरिपरनाम धामपरमपरभपगो देवनाथतेहिठांम करनल
ग्योअसुनिरहराधि नराच प्रधानपारहेतुम्हारप्रेमसारप्रानको महाअपारमोसंसारभारहेसुग्रां र
नको पुरमनामदनकांमअध्वजानमन्जुररे नरअनेकओनरगेदवने अभीनरे निसाचरोनिरे
सवीसवांनसीसकाटिकै अने किपेविरुध युध कुध जुधनाटिकै अजोलगेभुजंगरंगभंगसं
गमैलसे मनोमनोजकेसरीररागएवरीवसे अनाथनाथआपओरनाथजेकहीकहीतिन
न्हेकेआपनाथआपनाथहेकहनहीं गतागरिम्रमिभारवारवारआपदेनहे दषीनहेनकेर
साथमेकसपतेनरे २ परेसनेपरेसहेपरेसवेसआपको निरसमेसदेसुरेसदेसतेसजापको

लंका
१२१

विग्यानपारु ध्यानके निजै जो व्रह्ममानई सोऊ नमारासहै ग्रहै मरूप जानई ४ गतागत मोछ्र
सिताहिलषे मद्द चंद मदैमुषरामसनेरससो सोनहिवांहु जलोजन्हिनाल्लकिकोवरसैरखहेद्य
नसो सोभमभा उरके रपरीहरि ग्राकटि कोटिकनाजससो सोपदपारसुल्लाहसवैसमनाव
सनैगहिनासरसो सोमरनैसमराघुमुदैसदचंदमुषेलहि तासिपसो सोनहुहैवरनैरघुकों
किलनाहिजलोजन्हुवांग्हिनसो सोमजनकाटि कोटिकवारहरीपदकैरघुभासमसोसोर
सनाहिगनैसवनामसवैसहतोमुरपारपसो दोहा प्रेममगनयेहि भांतिनहंकरि अस्तुतिसुखा
प्य कहमोपरकिये=पतिकपाजयजयजयरघुनाथ सोरठा येहिविधिअस्तुतिग्रांम व
समरकीन्हें विविधविध सासप्रसोनेहिठाम रामचंद्रवोलनभये चौपाई ममसांसनवरसोसुधा
सपदिसुरनकेरस मेरेकारननननजे जियाहिंभालुअनकीस चौपाई वरसेसुधासमरमहिमाही
जियेभालुकपिनिसिचरनाही येरभावकरिप्रभुदिगआवे तिनकेमनहरिमयेहुजावे जभे
उमामोछनेपावे अमरनपरसकेसोफिरिआवे पुनिदंडवतिविभीषंनकीकै जोरिपानअतु

१२१

पमसुषमीकें कहकरि दसालंकपगधरिये सोऊ बंधुनहें मंजनकरिये सीयसहितनपरमूषनधा
रे बपुरेस्वारमोहिकरि प्रसषारे प्रभुकहभाईममजनभाई कारननपेखाछातिउबुषाई भरत
सबुहैंनहोउकुमारे प्रानहुंतेमोहिअधिकपियारे दोहा तिनकेबिनमंज्जनचलिपेले सेमीत
नहाउ करहुकपिनसतकारनुममैलवि तुवभरिजाए तुनिलंकेसविमानचढिभूषंन
पटदियवर्षि अपनेअपनेरुचिनकेपहिरेसबुकपिहरषि चोपाई पुनिरघुपतिकहिसोच
नभये जीहिनभरतब्रव्रधिरिगये कहसौबिभीषंनजांनलेऔहो सोचियनगहिबेगि
लिपहुंचैहो पुहुपल्याइसमरपनकीन्हो तेहिचढिरामचलनमनदीन्हो पुनिकरहेस
कंठलंकेसा अभैजाहुनिजनिजहिनिवेसा सबतुमकहंकबहुंभयनाहीं बिचरहुस
हंनपरमसुषमाहीं निसिचरकीसभालुसुनिबेना बोलेसबजलभरिभरिनैना हमहुं
अवधचलनमनचहैं तिलकलषंनउतसाहिनअहैं हंसिरघुवरलियसबगहिचढाई
सियजुतलसेनहांछपिछाई दोहा रतननबारविचित्रअनिसरकबरकोमंजु परमअनूप

प
क

मजनुलसैनीलपीतजगकंज जहँ जेहि विधकीन्हे चरितसियसों बरनन मौन किसकिंधहि पहुँचत भये
रामचंद्रुलरिगोन चौपाई तहां विमानहिकछुक उतारी लियचढाइकीसंनकीनारी सियजुतनंतछ
विनभाछिनिषादरत चलेबहुरिमनिपलनवनावत चित्रकूटहांभईसमाजा पुनिहैपलनीर
चकरराजा पुनिहैवहममपुरीसोहाई विधिहरिहरछाकांहिजेहिध्याई लखिसियरामपरहुपुरश्रीं
मा जोरिपांनसवकिपप्रनामा उतरिरामपुनिप्रागनहाये कहहनुमतसौंकनुनाछाये वीत
नअवधपर्चमीआजु हैहांअहैंआश्रमभरथाजु भेंटकियेविनमुनिमनमखिहै टरतअ
वधतंनभरतनराखिहै दोहा तातजाहुनातेतरलगुतभरतनहिलुधिदेहु चलेसोपवनसुतह
रषिमनअरथुनगुनतसनेहु चौपाई चलिमुनिपतिपहांरघुपतिआये लखिभरद्वाजनैनजे
लछाये तिनकहंनहेंप्रनामप्रभकीन्हां मुनिहुउठाइलाइउरलीन्हां सोचितलाविकलगदगद

स

वानी सप्रजकुलेहैंतुवंदोउभ्राता गहेआगमनआसतुम्हारी जीतीसवहैंमुपंमलतारी
कुसिततनभरतपादकनध्याये अनुपमतपकारिकरिमनलाये जेजेकर्मआपुवनकीन्हे आप